THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 304 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.12, 2082 शुक्रवार, 30 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बारामती विमान हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन

बारामती, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सिविल एविएशन मंत्रालय ने 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, एएआईबी की टीम ने मुंबई कार्यालय के डीजीसीए की तीन सदस्यीय टीम के साथ हादसे वाले दिन ही दुर्घटना स्थल पर जाकर जांच शुरू कर दी। इस दौरान एएआईबी के महानिदेशक ने भी जहाज के घटनास्थल का दौरा किया। बता दें कि इस हादसे में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और अन्य चार लोगों की मौत हुई है।

यूजीसी के नए नियम पर रोक

अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियम, 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट में इन विनियमों को सामान्य वर्गों के विरूद्ध भेदभावपूर्ण होने के आधार पर चुनौती दी गई है। ऐसे में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगी दी। अब नए आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे।

केंद्र को नोटिस जारी, 19 मार्च को अगली सुनवाई :

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं। कोर्ट कहा कि नए यूजीसी नियमों का दुरूपयोग हो सकता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी।

केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट याचिकाओं की सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रह हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे। जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया।

याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने बताई अपनी दलीलें :

वहीं याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने कहा, आज, सीजेआई ने हमारी दलीलों की सराहना की। हमें कहना होगा कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है। जैसा कि हम खास तौर पर तीन मुद्दों के बारे में बात कर रहे थे, एक है सेक्शन 3सी जो जातिगत भेदभाव के बारे में बात करता है और उस खास सेक्शन में, सामान्य जाति को बाहर रखा गया है और बाकी सभी जातियों को शामिल किया गया है। तो, यह खास सेक्शन यह संदेश दे रहा है कि एससी, एसटी और ओबीसी के साथ सामान्य जाति द्वारा भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह सीजेआई के सामने हमारी दलील थी और उन्होंने हमारी दलील की सराहना की और खास तौर पर कहा कि हम जो कह रहे हैं वह सही है।

'अजित दादा' पंचतत्व में विलीन

बारामती, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को गुरुवार को उनके गृहनगर बारामती में अंतिम विदाई दी गई। एक दुखद विमान हादसे में उनके निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। अजित पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में भारी संख्या में समर्थक अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

'अजित दादा अमर रहें' के नारे से गूंजा बारामती :

अंतिम संस्कार की रस्में दोपहर में शुरू हुईं। अजित पवार के बेटों, पार्थ और जय ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार अपने आंसू नहीं रोक पा रही थीं। जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ उनके गांव काटेवाड़ी से विद्या प्रतिष्ठान मैदान लाया गया। मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने 'अजित दादा अमर रहें' के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया।

सम्मक्का-सरलम्मा जातरा देश का सबसे बड़ा जनजातीय पर्व : जुएल ओराम

केंद्रीय मंत्रियों ने मेडारम मंदिर में दर्शन किए

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सम्मक्का-सरलम्मा जातरा के अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को मेदाराम मंदिर में दर्शन कर जनजातीय देवी-देवताओं की पूजा की। तेलंगाना के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, दानसरी अनसूया (सीतक्का) और अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने मुख्य मंदिर द्वार पर केंद्रीय मंत्रियों का भव्य स्वागत किया।

पारंपरिक जनजातीय ढोल-नगाड़ों के बीच उन्हें मंदिर तक ले जाया गया, जहाँ विशेष अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके बाद उन्होंने देवी-देवताओं को निलुवेतु बंगारम (स्वर्ण अर्पण) किया। बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए जुएल ओराम ने कहा कि सम्मक्का-सरलम्मा जातरा देश का सबसे बड़ा जनजातीय पर्व है और यह जनजातीय समुदायों का महाकुंभ है। उन्होंने बताया कि वे लगभग 20 वर्ष पहले भी मेदाराम आए थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर पुनः यहाँ आकर उन्हें प्रसन्नता हुई है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए पूर्ण सहयोग दे रही है। जातरा के सुचारू आयोजन के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनें भी चलाई गई हैं।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी उनके पुराने ससदीय सहयोगी रहे हैं। जनजातीय कल्याण की केंद्रीय योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम विकास अभियान के तहत 1 लाख करोड़, पीएम जनमन योजना के तहत 24,000 करोड़ रुपअ खर्च किए जा रहे हैं तथा तेलंगाना के लिए 23 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना हुई थी और वे इसके पहले कैबिनेट मंत्री रहे। केंद्र सरकार बिरसा मुंडा जैसे महान जनजातीय नेताओं की विरासत और सम्मक्का-सरलम्मा जैसे पर्वों का पूरा सम्मान करती है।

एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप पर एससी सख्त

> सरकारी दफ्तरों के बाहर सूची लगाने के निर्देश

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। याचिकाओं में चुनाव आयोग की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को चुनौती दी गई थी। जिस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि जिन लोगों के नाम लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी यानी तार्किक विसंगति सूची में शामिल किए गए हैं, उनकी सूची को ग्राम पंचायत भवन, प्रत्येक उपखंड (तालुका) कार्यालय और शहरी क्षेत्रों के वार्ड कार्यालयों में प्रदर्शित किया जाए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम इस सूची में हैं, वे सूची प्रकाशित होने की तारीख से 10 दिनों के भीतर खुद या अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज जमा कर सकते हैं। सूची में विसंगति के संक्षिप्त कारण भी दर्ज किए जाएंगे। आपत्तियां उपखंड स्तर के कार्यालयों में दर्ज कराई जा सकेंगी।सुप्रीम कोर्ट ने सभी जिला कलेक्टरों को चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करने और एसआईआर प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने को भी कहा है। इसके साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और पुलिस आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न न हो और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से संपन्न हो। बता दें कि तमिलनाडु में इस साल विधानसभा चुनाव होंगे।

आवारा कुत्तों के मामले में राज्यों की सुनवाई पूरी

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में बदलाव की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजनिया की पीठ ने एमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा। उन्होंने पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों की ओर से उठाए गए कदमों की जानकारी सुप्रीम कोर्ट को दी। पीठ ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश वकील की भी दलीलें सुनीं। ये दलीलें सात नवंबर 2025 के उस आदेश के पालन को लेकर थीं, जिसमें प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा जानवरों को हटाने और सड़कों के किनारे जाली लगाने का निर्देश दिया गया था।

शीर्ष कोर्ट ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) से कहा कि वह उन गैर-सरकारी संगठनों के आवेदनों पर कार्रवाई करे, जो पशु आश्रय स्थल या एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) केंद्र खोलने की अनुमति मांग रहे हैं। पीठ ने एडब्ल्यूबीआई के वकील से कहा, या तो आप आवेदन स्वीकार करें या खारिज करें, लेकिन इसे जल्दी करें। वकील ने बताया कि सात नवंबर के आदेश के बाद अलग-अलग संगठनों से ऐसे आवेदनों की संख्या काफी बढ़ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों से कहा कि वे इस मामले में अपनी लिखित दलीलें जल्द से जल्द दाखिल करें। इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने बुधवार को कई राज्यों की ओर से आवारा कुत्तों की नसबंदी न करने, डॉग पाउंड न बनाने और शिक्षण व अन्य संस्थानों के परिसरों से कुत्तों को न हटाने पर कड़ी नाराजगी जताई।

कांग्रेस में 'सब कुछ ठीक है'?

खडगे-राहुल गांधी से मिलकर शशि थरूर बोले-बातचीत अच्छी रही

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। संसद में गुरुवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर और राहुल गांधी के बीच एक संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। इस बैठक के बाद थरूर ने मुस्कुराते हुए कहा, सब ठीक है। उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर चल रहे मतभेदों और असंतोष की खबरों पर फिलहाल विराम लगा दिया है। थरूर ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे के साथ हुई इस बातचीत को "बहुत ही रचनात्मक और सकारात्मक" बताया। उन्होंने साफ किया कि अब वे और पार्टी नेतृत्व एक ही बात पर सहमत हैं।

पिछले कुछ महीनों से शशि थरूर और कांग्रेस नेतृत्व के बीच तनाव की खबरें आ रही थीं। थरूर ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि उनके कुछ मुद्दे हैं, जिन्हें वे पार्टी के मंच पर उठाना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा था कि वे 17 साल से कांग्रेस में हैं और उन्होंने कभी भी संसद में पार्टी के तय रुख का उल्लंघन नहीं किया है। विवाद की शुरूआत तब हुई जब थरूर पार्टी की एक अहम बैठक में शामिल नहीं हुए थे।

सीबीआई ने कोलकाता के कई ठिकानों पर की छापेमारी

1000 करोड़ रुपये का है बैंक धोखाधड़ी का मामला

कोलकाता, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को कोलकाता के कई स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। यह तलाशी लगभग 1,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच के सिलसिले में है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी है। उन्होंने बताया कि कोलकाता स्थित एक वित्त कंपनी के प्रमोटरों के कार्यालयों और आवासों पर एक साथ तलाशी अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर छापेमारी चल रही है। वहां अतिरिक्त केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है।

सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया, सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक से जुड़े बड़े पैमाने पर बैंक धोखाधड़ी के मामले में अलीपुर समेत कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बैंक ने पूर्वी कोलकाता स्थित एक वित्त कंपनी पर कर्ज उपलब्ध कराने की आड़ में धन की हेराफेरी करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने जांच शुरू की। सीबीआई अधिकारी ने बताया कि कथित तौर पर धन का गबन 2014 से 2020 के बीच हुआ।

सदन में बात कर रहे सांसदों को स्पीकर ओम बिरला ने डांटा : वित्त मंत्री ने पेश किया इकोनॉमिक सर्वे

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बजट सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री द्वारा आर्थिक सर्वेक्षण पेश किए जाने के दौरान सदन में लगातार हो रही बातचीत से अध्यक्ष ने आपत्ति जताई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बात कर रहे सांसदों से कहा कि सदन में संक्षिप्त बातचीत की अनुमति है, लेकिन लंबी चर्चा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सदस्यों को आपस में लंबी चर्चा करनी है तो वे सदन से बाहर जाकर ऐसा करें।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई सांसद लगातार आपस में बातचीत कर रहे थे। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद जब सदस्य नहीं माने तो स्पीकर ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के सदस्यों की बातचीत से अन्य सांसदों को व्यवधान हो रहा है, जो सदन की गरिमा के विरूद्ध है।

कांग्रेस सांसद को दी हिदायत :

लोकसभा अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि आगे से कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों का नाम लिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल को भी अपने सहकर्मियों के साथ बातचीत कम करने की हिदायत दी। आर्थिक सर्वेक्षण पेश होने और प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही 1 फरवरी को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। अब 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करेंगी।

आर्थिक सर्वेक्षण में आरटीआई कानून की समीक्षा की सिफारिश

> गोपनीय दस्तावेजों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। इस आर्थिक सर्वेक्षण में लगभग 20 साल पुराने सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून, 2005 की समीक्षा की बात कही गई है। इसके साथ ही सर्वेक्षण में यह स्पष्ट कहा गया है कि इस कानून को केवल जिज्ञासा पूरी करने या सरकार को बाहरी निगरानी के माध्यम से नियंत्रित करने के लिए नहीं बल्कि सार्वजनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतंत्र में नागरिक भागीदारी बढ़ाने के लिए बनाया गया था। सर्वेक्षण में सुझाव दिया गया कि कानून में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। इनमें विचार-मंथन नोट्स, ड्राफ्ट टिप्पणियां और कार्य-पत्र तब तक खुलासे से सुरक्षित रखने की बात कही गई है जब तक वे अंतिम निर्णय का हिस्सा न बन जाएं। इसके अलावा, सेवा रिकॉर्ड, स्थानांतरण और गोपनीय कर्मचारी रिपोर्ट को ऐसे सामान्य आरटीआई अनुरोधों से बचाने की सिफारिश की गई है जिनका सार्वजनिक हित से कमजोर संबंध हो।

भाजपा ने राज्यपाल का फोन टैप करवाने का आरोप लगाया, गृह मंत्री ने दी सफाई

बेंगलूरू, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजनीति में उथल-पुथल लगातार जारी है। विपक्षी भाजपा और राज्य सरकार में लगातार राज्यपाल को लेकर लड़ाई हो रही है। अब भाजपा ने राज्य सरकार पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत का फोन कॉल टैप करने का आरोप लगाया है। लेकिन राज्या के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इन आरोपों का खंड़न किया है। उन्होंने कहा कि फोन टैपिंग की कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने राज्य विधानसभा में भाजपा के इस आरोप पर कहा कि भगवा पार्टी के नेताओं का आरोप ऐसा लगता है जैसे कांग्रेस वही कर रही है जो भाजपा ने पहले किया था। हमने न तो किसी का फोन टैप किया है और न ही हम भविष्य में ऐसा करेंगे। साथ ही, इसकी कोई जरूरत भी नहीं है।

राज्यपाल ने हाल ही में विधानमंडल में अपने भाषण को सिर्फ तीन लाइनों में खत्म कर दिया था। इस पर विधानसमंडल में भारी बवाल हुआ था। इसी पर चर्चा के दौरान, कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे गहलोत को केंद्र से फोन पर निर्देश मिल रहे हैं।

किन्नरों के झगड़े में युवक का प्राइवेट पार्ट काटा, पीड़ित का इलाज पीजीआई में जारी

लुधियाना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में किन्नरों के दो गुटों के बीच इलाके को लेकर चल रहे विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। इस हिंसक झगड़े में एक गुट से जुड़े युवक का अपहरण कर उसके प्राइवेट पार्ट को काट दिया गया। गंभीर रूप से घायल युवक का इलाज अब चंडीगढ़ स्थित पीजीआई में चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी रबीना महंत और उसके नौ साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आपराधिक साजिश और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई पीड़ित मनप्रीत सिंह के बयानों के आधार पर की गई है। सभी आरोपी लुधियाना के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मनप्रीत कुछ दिन पहले खानपुर गांव में एक शादी समारोह में गया था।

'देश को पाखंड से भरा संदेश दे रहे पीएम '

आर्थिक सर्वे पर पीएम के बयान को लेकर बोली कांग्रेस

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बजट सत्र पर उनकी टिप्पणियों को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वे प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले देश को अपना वही पाखंडी संदेश देते हैं। आज का प्रदर्शन इसी कड़ी का हिस्सा है। कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, वह (प्रधानमंत्री) राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए सर्वदलीय बैठकें नहीं बुलाएंगे और न ही उनकी अध्यक्षता करेंगे।

पाखंड से भरा 'देश के नाम संदेश' देंगे- जयराम

रमेश ने दावा किया कि वह अचानक अंतिम समय में विधेयक पेश करवाएंगे और आवश्यक विधायी जांच के बिना उन्हें संसद से पारित करवा देंगे। उन्होंने आगे कहा कि मोदी संसद में बैठकर विपक्षी नेताओं की चिंताओं का जवाब नहीं देंगे, बल्कि दोनों सदनों में चुनावी रैलियों में भाषण देंगे। आगे उन्होंने कहा प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले, वह संसद को पृष्ठभूमि बनाकर अपना वही पाखंड से भरा 'देश के नाम संदेश' देंगे। आज का प्रदर्शन इसी श्रृंखला का हिस्सा है,

ईयू के साथ मुक्त व्यापार समझौता महत्वाकांक्षी- मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता महत्वाकांक्षी भारत के लिए है। उन्होंने निर्माताओं से आग्रह किया कि वे उनके लिए खुल रहे नए बाजारों से लाभ उठाएं। मोदी ने यह भी कहा कि देश लंबे समय से लंबित समस्याओं से उबर रहा है और दीर्घकालिक समाधानों की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब समाधान खोजने का समय आ गया है, न कि बाधाएं पैदा करने का। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार केवल फाइलों तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम-मील डिलीवरी सुनिश्चित करने पर भी काम कर रही है।

बजट सत्र की शुरुआत में संसद भवन परिसर में अपने पारंपरिक संबोधन में उन्होंने पत्रकारों से कहा, देश के सर्वांगीण विकास के लिए कदम उठाते समय हमारी प्राथमिकता हमेशा मानव-केंद्रित रहती है। उन्होंने आगे कहा कि आत्मविश्वास से भरा भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है।

माता-पिता की गिरफ्तारी से बौखलाया आतंकी गोल्डी बराड़, पंजाब पुलिस को दी धमकी

चंडीगढ़, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की ओर से आतंकी गोल्डी बराड़ के माता-पिता की गिरफ्तारी के बाद अब पूरी तरह बौखलाया हुआ नजर आ रहा है। इसी बीच उसका एक धमकी भरा ऑडियो संदेश इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उसने पंजाब सरकार और पुलिस अधिकारियों को खुली चुनौती दी है। ऑडियो में गोल्डी बराड़ ने कहा है कि पुलिस कर्मचारियों, नेताओं और मंत्रियों के बच्चे व रिश्तेदार विदेशों में बसे हुए हैं और अगर वह चाहे तो रोज एक व्यक्ति को मारा जा सकता है। वायरल ऑडियो में आतंकी गोल्डी बराड़ खुद को पहचानते हुए कहता है कि पुलिस की एजेंसियां उसे पकड़ने में नाकाम रही हैं, इसलिए उसके मां-बाप को निशाना बनाया जा रहा है। उसने कहा कि उसके माता-पिता को डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इससे वह डरने वाला नहीं है। ऑडियो में गोल्डी बराड़ कहता है कि उसने किसी निर्दोष व्यक्ति को नहीं मारा है, लेकिन अगर वह चाहे तो रोज एक आदमी मारा जा सकता है। उसके लोग पूरी दुनिया में फैले हुए हैं और पुलिस सिर्फ पंजाब तक सीमित है। उसने चेतावनी दी कि अगर उसके परिवार को तंग किया गया तो वह भी उसी तरीके से जवाब देगा।

इसी बीच मोहाली में बुधवार को हुई एक और हत्या की जिम्मेदारी भी गोल्डी बराड़ ने ली है। मोहाली में गुरप्रीत सिंह नामक युवक की गोली मारकर हत्या की गई थी और इस मामले में भी गोल्डी बराड़ ने के अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इससे पहले भी वह 2020 में हुए गुरलाल सिंह बराड़ हत्याकांड से जुड़े एक आरोपित की हत्या की जिम्मेदारी ले चुका है।

'अहमदाबाद प्लेन क्रैश में क्या कुछ सामने आया' अजित पवार विमान हादसा जांच पर राउत का सवाल

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार (28 जनवरी) को एक विमान हादसे में निधन हो गया। वह 66 वर्ष के थे। अचानक आई उनके निधन की खबर से हर कोई स्तब्ध है। इस बीच विपक्ष के कई नेताओं ने इस हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। हालांकि केंद्र और राज्य की जांच एजेंसी घटनास्थल पर जांच कर रही हैं। वहीं इस पूरे मामले पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत का बयान सामने आया है। उन्होंने पुराने विमान हादसों की जिक्र करते हुए जांच पर सवाल उठाए हैं। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश की कोई जांच हुई है? जनता के सामने कुछ तथ्य और सत्य तो सामने जरूर आने चाहिए। कल एक विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का देहांत हो गया। इससे केवल महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरा देश सदमे में है। ऐसा कैसे हो सकता है? इसका जवाब जनता के सामने आना चाहिए।

अपने बयान में संजय राउत ने कहा, 'अहमदाबाद में इतना बड़ा हादसा हुआ। क्या हुआ? जांच शुरू हुई, लेकिन क्या कुछ सामने आया? इतनी सारी चार्टर्ड फ्लाइट दुर्घटनाएं हुई हैं, और इतने सारे लोग मारे गए हैं। सच्चाई हमारे सामने, जनता के सामने आनी चाहिए। अजित पवार जैसा बड़ा नेता, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, एक लोकप्रिय नेता थे। कल उनकी प्लेन क्रैश में मौत हो गई। ना सिर्फ महाराष्ट्र, बल्कि पूरा देश सदमे में है।

यह कैसे हुआ? क्या तकनीकी खराबी थी? यह सामने आना चाहिए। अगर फ्लाइट में कोई तकनीकी खराबी थी, रडार सिस्टम में कोई दिक्कत थी, या एयरपोर्ट पर कुछ था, तो क्या? सिर्फ संवेदनाएं भेजने से क्या होगा? अगर हादसा तकनीकी दिक्कतों की वजह से हुआ है, तो हम सभी को इसकी असली वजहों का पता लगाना होगा।'

रात के अंधेरे में अगवा कर बच्ची से दरिंदगी

बड़वानी, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले से एक रूह कपा देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक सात साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में बच्ची के ही एक 17 वर्षीय नाबालिग रिश्तेदार को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना राजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। 25 जनवरी की रात जब बच्ची का परिवार सो रहा था, तब आरोपी उसे घर से अगवा कर पास की इंदिरा सागर नहर पर ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

जब बच्ची ने शोर मचाना शुरू किया, तो आरोपी ने पकड़े जाने के डर से उसे नहर में फेंक दिया। डूबने के कारण बच्ची की मौत हो गई। बड़वानी के पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय निवासियों की सूचना पर 26 जनवरी को नहर से बच्ची का शव बरामद किया गया था। रिपोर्ट में बच्ची के निजी अंगों पर गंभीर चोटों की पुष्टि हुई है और मौत का कारण डूबना बताया गया है। संदेह के आधार पर जब 17 वर्षीय रिश्तेदार से पूछताछ की गई, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पंजाब में नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने पकड़ी करीब 43 किलो हेरोइन, 2 गिरफ्तार

अमृतसर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने अमृतसर में नशीली दवाओं और हथियारों की एक बड़ी खेप को पकड़कर नशे के सौदागरों को बड़ा झटका दिया है। पुलिस ने 42.983 किलोग्राम हेरोइन के साथ बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है और 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने 'पिंडा दे पहरेदार' (विलेज डिफेंस कमिटी-वीडीसी) की मदद से यह बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान 42.983 किलोग्राम हेरोइन, 4 हैंड ग्रेनेड, एक स्टार मार्क पिस्टल, 46 लाइव .30 बोर कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

'फरार आरोपियों की तलाश जारी'

डीजीपी गौरव यादव ने लिखा, 'अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने 'पिंडा दे पहरेदार' की मदद से नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप को पकड़ा और 42.983 किलोग्राम हेरोइन, 4 हैंड ग्रेनेड, एक स्टार मार्क पिस्टल, 46 लाइव .30 बोर कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की। इसके बाद की जांच में 2 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, दोनों अमृतसर के निवासी हैं। फरार आरोपियों की तलाश जारी है, इस बात की भी जांच की जा रही है कि उनके पास ये सारी चीजें कहां से पहुंची और बड़े षड्यंत्र को उजागर किया जा रहा है।'

तस्करी के खिलाफ लगातार सख्ती

पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम का हिस्सा है। बता दें कि इससे पहले 25 जनवरी को स्टेट स्पेशल ऑपरेशंस सेल (एसएसओसी), एसएएस नगर (मोहाली) ने एक बड़े क्रॉस-बॉर्डर नारको-टेरर नेटवर्क के मुख्य लिंक को पकड़ा था। एसएसओसी ने इस मामले में सतनाम सिंह नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। डीजीपी गौरव यादव ने उस समय एक्स पर पोस्ट में बताया था, 'खुफिया जानकारी के आधार पर राज्य स्पेशल ऑपरेशंस सेल, एसएएस नगर ने एक अंतर-राज्यीय और क्रॉस-बॉर्डर नारको-टेरर मॉड्यूल के मुख्य वित्तीय लिंक को पकड़ा है।'

कमाई को यूं ठिकाने लगाते थे आरोपी

डीजीपी ने अपनी पोस्ट में आगे कहा, 'आरोपी सतनाम सिंह को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी ने पाकिस्तान स्थित ड्रग तस्कर के निर्देश पर अपनी बैंक खाते और यूपीआई क्रेडेंशियल्स का इस्तेमाल हेरोइन तस्करी की कमाई को ठिकाने लगाने के लिए किया, जिससे आतंकवाद को फंडिंग मिलती थी।

यह नेटवर्क बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामदगी, अवैध हथियार तस्करी और नवंबर 2025 में हरियाणा के सिरसा में हुए ग्रेनेड हमले से जुड़ा हुआ है।' डीजीपी ने जोर देकर कहा कि पंजाब पुलिस नारको-टेरर नेटवर्क को खत्म करने के लिए उनकी आर्थिक और लॉजिस्टिक जड़ों पर हमला कर रही है।

'ममता बनर्जी मौत पर राजनीति न करें'

अजित पवार के निधन पर बयानबाजी को लेकर शायना एनसी का जवाब

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना नेता शायना एनसी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर बयानबाजी को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी किसी की मौत पर राजनीति न करें। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में शायना एनसी ने कहा, आप (ममता बनर्जी) किस हद तक अफवाहें फैलाएंगी? आपके लिए यह शायद एक राजनीतिक मुद्दा हो सकता है। देश के लिए संवेदनशीलता के साथ समझ लीजिए कि यह एक हादसा था, जिसमें एक नेता की जिंदगी गई है।

शिवसेना नेता ने आगे कहा, अजित पवार ने अपने 50 साल सक्रिय राजनीति में रहते हुए राज्य में लगातार दौरे किए। जिला परिषद के प्रचार के लिए बारामती गए थे। टेक्निकल खराबी हो सकती है और जांच होनी चाहिए, लेकिन यह कहना कि ये षड्यंत्र है, यह आपके 'बी-ग्रेड' फिल्म

की कोई स्टोरी नहीं है। इसलिए अपने आप पर कंट्रोल करें। अगर संवेदनशीलता नहीं दिखा सकती हैं तो ऐसी बयानबाजी न करें। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार की प्लेन क्रैश में मौत पर शायना एनसी ने कहा, अजीत पवार का महाराष्ट्र की राजनीति में 50 साल लंबा योगदान रहा है। इस दौरान उन्होंने बारामती से विधायक के तौर पर काम किया, वित्त मंत्री बने, सिंचाई मंत्री रहे और डिप्टी चीफ मिनिस्टर बने। अफसोस की बात यह है कि बुधवार के दिन उनकी जिंदगी के 66 साल, 6 महीने और 6 दिन पूरे हुए थे। वह छह बार डिप्टी चीफ मिनिस्टर भी रहे।

शिवसेना नेता ने आगे कहा, अजित पवार की खासियत यह थी कि वह न सिर्फ एक जन नेता थे, बल्कि एक काबिल एडमिनिस्ट्रेटर भी थे। कई सालों तक वह हमारे पड़ोसी रहे, हमारा बाउंड्री वॉल एक है। एक खास बात यह थी कि हर सुबह 6 से साढ़े 7 बजे तक उनका ओपीडी वार्ड खुला रहता था, जहां लोग अपनी समस्याएं लेकर आते थे।

वह उनकी समस्याओं का समाधान करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में काबिल व्यवस्थापक का नाम लेना पड़े तो वे अजित पवार का ही नाम लेंगे। जिस अंदाज से उन्होंने बारामती और प्रदेश के लिए काम किया, ट्रिपल इंजन सरकार में उनकी कमी महसूस होगी। देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे उनके लिए एक बड़े भाई की तरह थे।

महिला बाउंसर से चाकू की नोक पर लूट

जबलपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जबलपुर के पनागर थाना क्षेत्र में एक महिला बाउंसर से चाकू की नोक पर लूट की वारदात सामने आई है। गांधीग्राम निवासी महिला जब रात में स्कूटी से मायके जा रही थी, तभी कुसनेर ब्रिज के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने उसे रोककर मंगलसूत्र और बैग लूट लिया। पुलिस ने चार घंटे में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया सामान बरामद कर लिया है।

पीड़िता हेमलता बर्मन ने बताया कि वह एक होटल में बाउंसर है। रात वह अपनी एक्टिवा से गांधीग्राम स्थित ससुराल से महाराजपुर मायके जा रही थी।

इसी दौरान कुसनेर ब्रिज के पास बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसे रोक लिया। एक आरोपी ने चाकू अड़ाकर उसके गले से सोने का मंगलसूत्र छीना, जबकि दूसरे आरोपी ने उसका बैग लूट लिया। घटना के बाद पीड़िता किसी तरह पनागर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

20 दिन पहले आए नौकरों ने साफ किए 18 करोड़ के 16.5 केजी सोना, हीरे और चांदी के गहने

बेंगलुरु, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के मारथहल्ली इलाके से 18 करोड़ रुपये मूल्य की चोरी की घटना सामने आई है। घटना बीते रविवार को हुई। पुलिस ने बताया कि नेपाल के एक कपल ने कथित तौर पर एक बिल्डर के घर से करीब 18 करोड़ रुपये के सोने, हीरे के गहने, चांदी के सामान और कैश चुरा लिए, जहां वे काम करते थे। एफआईआर के मुताबिक, परिवार ने कुछ घरेलू नौकर रखे हुए थे, जिनमें अंबिका नाम की एक कुक, दिनेश और कमला शामिल थे, जो घर के कामों में मदद करते थे।

सुबह करीब 9 बजे परिवार एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से निकला। दोपहर करीब 12:45 बजे अंबिका ने मालिक को फोन करके बताया कि घर में चोरी हुई है और कीमती सामान चोरी हो गया है। जब परिवार लौटा, तो उन्होंने देखा कि ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर लॉकर लोहे के औजारों से तोड़े गए थे। पुलिस ने बताया कि ये काम घरेलू नौकर दिनेश और कमला ने किया, ये दोनों कथित तौर पर करीब 11.5 किलो सोने और हीरे के गहने, 5 किलो चांदी का सामान और 11.5 लाख रुपये कैश लेकर फरार हो गए। चोरी हुए गहनों की कुल कीमत करीब 18 करोड़ रुपये आंकी गई है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि आरोपियों को परिवार की गतिविधियों और घर में कीमती सामान रखे होने की पहले से जानकारी थी।

पुलिस घर के नौकरों और उन दूसरे लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिनकी घर तक पहुंच थी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने सीसीटीवी कैमरों को बंद करने और पहचान से बचने की कोशिश में कथित तौर पर घर की बिजली सप्लाई भी काट दी थी। इसी दौरान घर पर गार्डनिंग का काम कर रहे दिनेश ने लॉकर तोड़कर सारे गहने और कैश चुरा लिए और फरार हो गया। अम्बिका जब घर पर लौटी तो उसे चोरी की घटना का पता चला और उसने घर के मालिक को फोन कर इसकी सूचना दी। इन दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए स्पेशल टीम बनाई गई है। साथ ही पुलिस इस बात की जांच में भी जुट गई है

कश्मीरियों के खिलाफ नफरत की एक और मिसाल इल्तिजा मुफ्ती ने किस घटना पर सरकार को घेरा?

जम्मू, 29 जनवरी (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस साल कश्मीरी लोगों के साथ मारपीट के कई मामले सामने आए हैं। खासतौर पर उत्तराखंड में इस तरह के मामले ज्यादा देखने को मिले हैं। बुधवार (28 जनवरी) को भी उत्तराखंड के विकासनगर क्षेत्र से एक मामला सामना आया है। इसमें शॉल बेचने वाले युवक के साथ मारपीट की गई है, जिस पर इल्तिजा महबूबा मुफ्ती हमला बोला है। इल्तिजा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना के बारे में लिखा कि उत्तराखंड में 18 साल के कश्मीरी शॉल बेचने वाले पर लोहे की रॉड से तब तक हमला किया गया जब तक उसकी हड्डियां टूट नहीं गईं। यह भारत में कश्मीरियों के खिलाफ हिंसा की कई घटनाओं में से एक है, जहां अपराधियों को पता है कि उन्हें संस्थागत छूट मिली हुई है। उन्होंने कहा कि ये अब सिर्फ़ कुछ लोग नहीं हैं। बीजेपी सक्रिय रूप से इन 'कुछ लोगों' को मुख्यधारा में ला रही है, जो अब हाशिये पर नहीं हैं। इससे पहले भी इस तरह के मामलों पर इल्तिजा सरकार को घेरती रही हैं। उत्तराखंड के विकासनगर क्षेत्र में देर शाम एक कश्मीरी युवक के साथ मारपीट की गई, जिसकी उम्र महज 18 साल ही थी।

इस हमले में युवक का बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि लोहे की रॉड से सिर पर वार किए जाने के कारण उसे गंभीर चोटें आई हैं। युवक की हालत बिगड़ने पर पहले उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने देहरादून के दून अस्पताल रेफर कर दिया है। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। पीड़ित परिवार ने बताया कि हमला अचानक नहीं बल्कि पहचान पूछने के बाद किया गया। युवक ने लोगों को जैसे ही बताया कि वह कश्मीर का रहने वाला है और मुस्लिम समुदाय से है। इसके तुरंत बाद ही लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

फर्जी शिकायत पर सजा का प्रावधान शिक्षा समिति ने नहीं हटाया था

दिग्विजय सिंह ने यूजीसी के नए नियमों पर दी सफाई

भोपाल, 29 जनवरी (एजेंसियां)। यूजीसी के नए इक्विटी रेगुलेशंस 2026 को लेकर देशभर के विश्वविद्यालयों में मचा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। छात्रों, शिक्षकों और कई संगठनों के विरोध के बीच अब संसदीय स्थायी समिति के चेयरमैन और कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने फेसबुक पर लिखकर स्पष्ट किया कि समिति ने न तो 'फर्जी शिकायत पर सजा' वाले प्रावधान को हटाने की कोई सिफारिश की थी, न ही सामान्य वर्ग के छात्रों को नियमों से बाहर रखने की।

उनका कहना है कि दोनों फैसले यूजीसी ने अपनी मर्ज़ी से लिए हैं। दिग्विजय सिंह ने खुलासा किया कि समिति के दो बड़े सुझाव यूजीसी ने स्वीकार ही नहीं किए। पहला इक्विटी

कमेटियों में एससी, एसटी और ओबीसी की 50% से अधिक भागीदारी का प्रस्ताव। दूसरा भेदभाव के ठोस, विस्तृत उदाहरण नियमों में शामिल करने की सिफारिश। दोनों को यूजीसी ने अनदेखा कर दिया। इससे छात्रों में भ्रम और विरोध की स्थिति बनी। विवाद का बड़ा कारण यह भी है कि नए नियमों से फर्जी शिकायत पर दंड का प्रावधान हटा दिया गया है, जिसे लेकर विरोध और तीखा हो गया है। कई छात्र संगठनों का कहना है कि स्पष्ट परिभाषा के अभाव में गलत आरोपों का खतरा बढ़ जाता है। उपलब्ध रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूजीसी ने अंतिम रेगुलेशन में यह दंड प्रावधान हटा दिया, जबकि यह समिति की सिफारिशों में शामिल नहीं था। दिग्विजय सिंह के अनुसार, अगर यूजीसी ने भेदभाव की परिभाषा स्पष्ट कर दी होती और विस्तृत सूची शामिल कर ली होती, तो आज 'फर्जी केस' का डर ही पैदा नहीं होता।

उन्होंने कहा कि छात्रों के गुस्से का कारण संसदीय समिति नहीं, बल्कि यूजीसी है। अब जिम्मेदारी शिक्षा मंत्रालय की है कि वह स्थिति स्पष्ट करे और छात्रों में फैल रहे भ्रम को दूर करे। बताते चलें कि यूजीसी ने फरवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों और रोहित वेमुला व पायल तड़वी के परिवारों की मांगों के बाद इक्विटी रेगुलेशन का ड्राफ्ट जारी किया था। जिसका उद्देश्य था उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव को रोकना। दिसंबर 2025 में संसदीय समिति ने ड्राफ्ट की समीक्षा कर सर्वसम्मति से रिपोर्ट दी, जिसमें यूजीसी , दिव्यांगता और भेदभाव की विस्तृत परिभाषा को शामिल करने की स्पष्ट सिफारिशें थीं। लेकिन जनवरी 2026 में जारी अंतिम नियमों ने ही विवाद को जन्म दिया। देशभर में छात्रों का कहना है कि नए प्रावधान भ्रमित करने वाले हैं और कुछ हिस्से "दमनकारी" भी लगते हैं।

कई कैंपसों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट में नियमों के खिलाफ याचिका भी दायर की जा चुकी है। मौजूदा स्थिति में गेंद यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय के पाले में है, जिससे छात्रों को स्पष्टता और सुरक्षा की उम्मीद है।

टाइगर ने महिला पर किया हमला, पति ने बचाई जान

ग्वालियर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मुरैना के सबलगढ़ से 75 किलोमीटर दूर खुटका के जंगल में सुबह एक टाइगर ने 47 वर्षीय महिला रामरती रावत पर हमला कर दिया। महिला अपने पति भागीरथ रावत के साथ जंगल में साधु बाबा केशव पुरी से मिलने गई थी। पत्नी रामरती की चीख सुनकर पति भागीरथ रावत तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बहादुरी दिखाते हुए टाइगर को वहां से भगा दिया, जिससे रामरती की जान बच सकी। यह घटना सुबह करीब 7:30 से 7:45 बजे के बीच खुटका के जंगल में स्थित एक मंदिर के पीछे हुई। टाइगर के हमले में महिला रामरती रावत के दोनों हाथों, एक पैर और पीठ में गंभीर चोटें आई हैं।

हमले में महिला के गले, चेहरे और छाती पर भी टाइगर के पंजे लगने से चोटें आई हैं। उनके उल्टे हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। इस हमले में टाइगर ने महिला के शरीर से मांस भी नोच लिया था। बता दें कि हमले में घायल रामरती को उनके पति भागीरथ पहले मुरैना के सरकारी अस्पताल ले गए। वहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें ग्वालियर के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

कथनी और करनी में समरूपता रखना ही महान आत्मा का लक्षण है

तेलंगाना ने की मेडारम जातरा को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने की मांग

> केन्द्रीय मंत्रियों को औपचारिक ज्ञापन सौंपा गया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने केंद्र सरकार से सम्मक्का-सरलम्मा जातरा को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने की मांग की है।

तेलंगाना के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सीतक्का और अदलुरी लक्ष्मण ने गुरुवार को मुलुगु जिले के सम्मक्का-सरलम्मा मंदिर के दौरे के दौरान केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को इस संबंध में औपचारिक ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि यह लोगों की सरकार बनने के बाद आयोजित होने वाली दूसरी सम्मक्का-सरक्का जातरा है। बाद में मेडारम मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार ने इस ऐतिहासिक जनजातीय पर्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई स्थायी विकास कार्य किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्रियों की मेडारम यात्रा से उन्होंने आशा जताई कि यह लंबे समय से लंबित मांग शीघ्र पूरी होगी। उन्होंने सम्मक्का-सरक्का जातरा को जनजातीय आत्मसम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि इसका पैमाना और महत्व कुंभ मेले के समान है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने महाजातरा के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, विभिन्न विभागों तथा जनसंचार माध्यमों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पंचायत राज, ग्रामीण विकास एवं महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसरी अनसूया (सीतक्का) ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रभारी मंत्री की निगरानी में मात्र 90 दिनों के भीतर मंदिर विकास और आवश्यक बुनियादी ढांचे के कार्य पूरे किए गए।

उन्होंने बताया कि आमतौर पर चार दिनों तक चलने वाली जातरा के लिए इस बार अभूतपूर्व भीड़ को देखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार गद्देलु के पुनर्निर्माण सहित सभी आधारभूत कार्य निर्धारित समय में पूरे किए गए। उन्होंने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को ज्ञापन सौंपकर जातरा को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने और केंद्र से अधिक वित्तीय सहायता की मांग की।

युवा भारत के औद्योगिक विकास का नेतृत्व करें : एआईएवीआईएफ

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। औद्योगिक विकास में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए, ऑल इंडिया आर्य वैश्य इंडस्ट्रियलिस्ट्स फोरम के अध्यक्ष रंबाबु पब्बिशेट्टी ने कहा कि संगठन युवाओं को औद्योगिक कौशल में प्रशिक्षण देने और सरकारी समर्थन से (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। बशीरबाग के देशोद्धारक भवन में आयोजित प्री-लॉन्च मीडिया कॉन्फ्रेंस में उन्होंने घोषणा की कि एआईएवीआईएफ का सिल्वर जुबली समारोह 1 फरवरी को प्रधान कन्वेंशन, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, नानकरामगुडा, हैदराबाद में आयोजित होगा।

इस अवसर पर उन्होंने महासचिव श्रीनिवास बथुला, संयुक्त सचिव काशी विश्वनाथम चिंथा, कोषाध्यक्ष विजय प्रसाद गुम्पल्ली, संयोजक मांची राजशेखर, मीडिया अध्यक्ष एरम बालकृष्ण और अन्य साथियों के साथ समारोह से संबंधित पोस्टर का अनावरण किया।

कुख्यात अपराधी मीर अकबर अली पर पीडी एक्ट लागू

> हैदराबाद सिटी पुलिस की सख्त कार्रवाई

हैदराबाद , 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के आदेश पर कुख्यात आदतन अपराधी और राउडी शीटर मीर अकबर अली (32) के विरुद्ध प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट लागू किया गया है। वह लगातार गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया गया है। मीर अकबर अली, निवासी गंगा नगर नाला, याकूतपुरा, पेशे से डीसीएम वाहन चालक है। उसके विरुद्ध अब तक कुल 25 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उसके आपराधिक रिकॉर्ड में हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, एनडीपीएस एक्ट तथा आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज गंभीर अपराध शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि यह तीसरी बार है जब उसके खिलाफ पीडी एक्ट लागू किया गया है, इससे पहले उसे दो बार इसी अधिनियम के तहत निरुद्ध किया जा चुका है। रैन बाज़ार पुलिस स्टेशन में हाल ही में उसके खिलाफ अपराध संख्या 21/2025 - धारा 118(1), 352, 351(2) बीएनएस, अपराध संख्या 25/2025 - एनडीपीएस एक्ट के तहत, अपराध संख्या 173/2025 - धारा 324(4), 329(4), 351(3) बीएनएस एवं भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1) के मामले दर्ज किए गए है। पीडी एक्ट के आदेशों के क्रियान्वयन के बाद मीर अकबर अली को चंचलगुडा केंद्रीय कारागार भेज दिया गया है। हैदराबाद सिटी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त और निर्णायक कार्रवाई जारी रहेगी।

सभी को व्यवहार में बदलाव लाना चाहिए : डीसीपी

फलकनुमा डिवीजन के राउडी शीटरों की काउंसलिंग

हैदराबाद , 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर ज़ोन के डीसीपी एस. श्रीनिवास ने गुरुवार को कालापत्तर पुलिस स्टेशन में फलकनुमा डिवीजन के राउडी शीटरों की काउंसलिंग की। इस कार्यक्रम में कालापत्तर, कामाटीपुरा, फलकनुमा और बहादुरपुरा पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत आने वाले कुल 69 राउडी शीटर उपस्थित रहे। काउंसलिंग के दौरान डीसीपी एस. श्रीनिवास ने राउडी शीटरों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को अपने व्यवहार में बदलाव लाना चाहिए और समाज में आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति असामाजिक गतिविधियों या गुटीय झगड़ों में शामिल पाया गया, तो उसे किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और उसके खिलाफ कड़े आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बार-बार अपराध करने वालों पर पीडी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी तथा शहर से निष्कासन के आदेश भी जारी किए जाएंगे। इस अवसर पर फलकनुमा डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) एवं कालापत्तर, फलकनुमा और बहादुरपुरा पुलिस स्टेशनों के एसएचओ उपस्थित रहे।

डॉक्टरों ने कड़ी कार्रवाई की मांग की

मंचेरियल, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी जनरल अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों ने अस्पताल के आपातकालीन विभाग में तैनात सुरक्षा गार्डों पर हुए हमले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गुरुवार को उन्होंने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और सुरक्षा गार्डों के प्रति एकजुटता दिखाई। डॉक्टरों और कर्मचारियों द्वारा गठित संयुक्त कार्रवाई समिति ने पुलिस से अनुरोध किया कि तेलंगाना चिकित्सा सेवा व्यक्ति अधिनियम के तहत हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए पुलिस चौकी स्थापित करने और निगरानी बढ़ाने हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी मांग की है।

रेलवे की भविष्य की दिशा में कौशल उन्नयन आवश्यक : संजय श्रीवास्तव

एससीआर ने 70वां रेलवे सप्ताह मनाया, महाप्रबंधक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दक्षता शील्ड हैदराबाद और गुंटकल डिवीज़न को प्रदान

86 अधिकारियों/कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार और 35 दक्षता शील्ड विभिन्न डिवीज़न एवं विभागों को प्रदान

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने गुरुवार को रेल कलारंग, न्यू बोईगुड़ा, सिकंदराबाद में 70वां रेलवे सप्ताह मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक, एससीआर संजय कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। उन्होंने ज़ोनल दक्षता शील्ड डिवीज़न एवं विभागों को और व्यक्तिगत विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रदान किए। सत्य प्रकाश, अतिरिक्त महाप्रबंधक, आशीष मेहरोत्रा, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, उदयनाथ कोटला, उप महाप्रबंधक (जी), प्रमुख विभागाध्यक्ष, डिवीज़नल रेलवे प्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में संजय कुमार श्रीवास्तव ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और वर्ष 2024 में उनकी उत्कृष्ट सेवा की सराहना की। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत उसका कार्यबल है और ज़ोन अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

महाप्रबंधक ने ग्राहक सेवा, रख-रखाव, उत्पादन आदि क्षेत्रों में समयबद्ध प्रणालीगत सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया और नई सोच को अपनाने और लागू करने की बात कही। महाप्रबंधक ने नई तकनीकों के साथ कदम मिलाने के लिए लगातार कौशल उन्नयन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध ज्ञान का अधिकतम उपयोग करके दक्ष कार्यबल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय रेल लगातार आधुनिक तकनीक के माध्यम से सुधार की दिशा में प्रयासरत है और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है।

कांग्रेस-बीआरएस की कार्यशैली और भ्रष्टाचार एक जैसी : रामचंदर राव

> भाजपा की माँग, सभी घोटालों पर न्यायिक जांच हो

हैदराबाद , 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद भी भ्रष्टाचार और घोटालों के मामलों में कांग्रेस और बीआरएस की कार्यशैली एक जैसी बनी हुई है। गुरुवार को हैदराबाद स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में उन्होंने कहा कि बीआरएस शासनकाल में हुए कई बड़े घोटालों की अब तक कोई ठोस और निष्पक्ष जांच नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान कथित रूप से हुए भेड़ वितरण घोटाले पर कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए दो वर्ष बीत जाने के बावजूद अब तक कोई समग्र जांच नहीं कराई गई है। एन. रामचंदर राव ने कहा कि नैनी कोल ब्लॉक मामले में भी बीआरएस शासनकाल में जारी वही ठेका कांग्रेस सरकार ने जारी रखा है। केवल ठेकेदार और मंत्रिमंडल बदले हैं, लेकिन कमीशन की प्रणाली आज भी वैसी ही चल रही है। फोन टैपिंग मामले पर भी उन्होंने आरोप लगाया कि वास्तविक जांच नहीं हो रही है। केवल नोटिस देकर प्रचार किया जा रहा है, लेकिन किसी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि शराब नीति के मामले में भी कांग्रेस सरकार स्वयं स्वीकार कर रही है कि वह बीआरएस सरकार की नीतियों को ही आगे बढ़ा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीआरएस और वर्तमान कांग्रेस सरकार दोनों ही भ्रष्टाचार के मामलों में एक ही नीति पर काम कर रही हैं और यह बात तेलंगाना की जनता को समझनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 100 दिनों में बीआरएस शासनकाल के घोटालों की जांच पूरी कर केसीआर को जेल भेजने की बात कही थी, लेकिन आज केवल एसआईटी जांच के नाम पर समय बिताया जा रहा है और मुख्य आरोपियों को बचाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों का मुख्य उद्देश्य जनता को गुमराह करना बन गया है। एन. रामचंदर राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 10 लाख करोड़ का कर्ज लिया और कांग्रेस सरकार ने केवल दो वर्षों में 2 लाख करोड़ का कर्ज लिया। इस पर दोनों पार्टियाँ एक-दूसरे पर आरोप लगा रही हैं, लेकिन भ्रष्टाचार मामलों में एसआईटी जांच के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा के बढ़ते जनाधार को रोकने के लिए कांग्रेस और बीआरएस पार्टियाँ भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जहाँ पहले भाजपा केवल 163 सरपंच सीटें जीत पाई थी, वहीं हाल के चुनावों में पार्टी ने लगभग 1,000 सरपंच, 10,000 वार्ड सदस्य और 1,200 उपसरपंच पदों पर जीत दर्ज की है, जो तेलंगाना में भाजपा की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। मीडिया सम्मेलन में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष माधवी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष, वरिष्ठ नेता वेंकट रेड्डी, विट्ठल, कप्पर प्रसाद, सुनीता सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

डिस्कॉम्स के फैसले के बाद कर्मचारी मंच ने रिले हड़ताल की स्थगित

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कर्मचारी संयुक्त मंच ने राज्यभर में प्रस्तावित रिले हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया है।

यह फैसला डिस्कॉम्स द्वारा कर्मचारियों की मांग के अनुरूप सामान्य तबादलों को स्थगित करने पर सहमति जताने के बाद लिया गया। पिछले कुछ दिनों से मंच ने डिस्कॉम्स पर अनुचित तबादले करने और एकतरफा तबादला दिशानिर्देश जारी करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। कर्मचारियों का कहना था कि इस समय तबादले होने से उन्हें भारी परेशानी होगी, क्योंकि उनके बच्चों की परीक्षाएं नजदीक हैं।

फोन टैपिंग मामले में केसीआर को एसआईटी का नोटिस

> पूछताछ के लिए बुलाया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फोन टैपिंग मामले की जांच में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को औपचारिक नोटिस जारी कर पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। एसआईटी ने उन्हें शुक्रवार को दोपहर 3 बजे उपस्थित होने को कहा है।

अधिकारियों ने बताया कि केसीआर के नंदी नगर स्थित आवास पर नोटिस तामील कराया गया है। नोटिस में कहा गया है कि जांच एजेंसी को लगता है कि उन्हें इस मामले से जुड़े अहम तथ्यों की जानकारी हो सकती है। सीआरपीसी की धारा 160 का हवाला देते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 65 वर्ष से अधिक आयु होने के कारण केसीआर को पुलिस स्टेशन आने की बाध्यता नहीं है। वे हैदराबाद में किसी भी सुविधाजनक स्थान का चयन कर सकते हैं, जहां एसआईटी उनसे पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि इस राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले में पहले ही केटी रामाराव, टी. हरीश राव और जे. संतोष कुमार सहित कई वरिष्ठ बीआरएस नेताओं से पूछताछ की जा चुकी है।

रामायण कल्पवृक्षम उत्सव 30 जनवरी से हैदराबाद में शुरू

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का प्रमुख कला और संस्कृति उत्सव 'रामायण कल्पवृक्षम' अपने चौथे संस्करण के साथ 30 जनवरी से 1 फरवरी तक सीसीआरटी परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस उत्सव की परिकल्पना और प्रस्तुति प्रसिद्ध नृत्यांगना आनंद शंकर जयंत ने की है। शंकरानंद कलाक्षेत्र और नट्यारम्भा द्वारा बृहत् क्रिएटिव के सहयोग से आयोजित तथा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के समर्थन से यह तीन दिवसीय महोत्सव हैदराबाद के सांस्कृतिक कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण आयोजन बन चुका है। आनंद शंकर जयंत ने बताया कि इस उत्सव में देशभर के प्रख्यात कलाकारों द्वारा संगीत, नृत्य और कथा-वाचन की प्रस्तुतियां होंगी। साथ ही पूज्य गुरुओं के प्रवचन, विद्वतापूर्ण संवाद और कारीगरों के लिए एक जीवंत कला ग्राम भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। 2026 संस्करण में ब्रह्माश्री चगंती कोटेश्वर राव द्वारा 'सीता राम कल्याणम' और 'हनुमथ दर्शनम' विषयों पर प्रवचन होंगे। चेन्नई, भुवनेश्वर, मुंबई, बेंगलुरू, भोपाल और राजस्थान से आए कलाकारों की प्रस्तुतियां दर्शकों को विशेष अनुभव प्रदान करेंगी।

केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार की आलोचना की

कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कथित फोन टैपिंग मामले में बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को एसआईटी द्वारा जारी नोटिस पर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे वास्तविक जांच के बजाय राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। रामाराव ने कहा कि चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना राज्य गठन आंदोलन का नेतृत्व किया और राज्य के विकास के लिए कई पहलों जैसे रैतु बंधु, मिशन भागीरथ और मिशन काकतीय को लागू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपने बड़े वादों को पूरा करने में विफल रही है और अब जांच के नाम पर ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रही है। उन्होंने कहा, यह कोई जांच नहीं, बल्कि प्रतिशोध है। न्याय नहीं, बल्कि राजनीतिक दुर्भावना है। रामाराव ने आरोप लगाया कि सरकार जांच एजेंसियों का उपयोग विपक्ष को डराने और चंद्रशेखर राव की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए कर रही है। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि चंद्रशेखर राव की विरासत को कमजोर करने का कोई भी प्रयास जनता के घोर विरोध को जन्म देगा और बीआरएस प्रतिशोधी राजनीति के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी।

वेंकटपुर प्राथमिक विद्यालय के छात्रों की भोजन से बिगडी हालत

17 अस्पताल में भर्ती

संगारेड्डी, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणखेड़ मंडल के वेंकटपुर स्थित मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय के कई छात्र गुरुवार को दोपहर का भोजन करने के बाद बीमार पड़ गए। छात्रों को तुरंत उल्टी की शिकायत हुई, जिसके बाद शिक्षकों ने उन्हें नारायणखेड़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

कम से कम 17 छात्रों को अस्पताल में रखा गया और उनकी निगरानी की जा रही है। नारायणखेड़ के विधायक पटलोल्ला संजीव रेड्डी ने अस्पताल का दौरा कर उनकी स्थिति का जायजा लिया और डॉक्टरों को प्राथमिकता के आधार पर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घटना की वजह संदिग्ध खाद्य विषाक्तता बताई जा रही है और इसकी जांच शुरू कर दी गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद माता-पिता और रिश्तेदार भी बच्चों की देखभाल के लिए अस्पताल पहुंचे।

लैंड.फॉर.जॉब केस में लालू परिवार की बढ़ी मुश्किलें

लालू यादव

राबड़ी देवी

9 मार्च से रोज़ाना होगी सुनवाई

पटना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब केस में आज गुरुवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई, जहां कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए लालू परिवार को पेश होने का आदेश दिया है। 1-25 फरवरी के बीच लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव को औपचारिक आरोप तय करने के लिए अदालत में सशरीर हाजिर होने को कहा है। आज की सुनवाई के लिए पाटलिपुत्र से राजद सांसद और लालू की बड़ी बेटी मीसा भारती और उनकी बहन हेमा यादव कोर्ट पहुंचीं ।

दोनों इस केस में आरोपी हैं। दोनों ने आरोपों से इनकार किया। 9 मार्च से मामले की रेगुलर सुनवाई होगी। जहां सीबीआई की ओर से सबूत दर्ज कराए जाएंगे और रोजाना सुनवाई होगी। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किया गया है। 9 जनवरी को कोर्ट ने लालू परिवार सहित कुल 41 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। अब इन सभी पर नियमित रूप से मुकदमा चलेगा। वहीं, कोर्ट ने 52 लोगों को इस मामले में बरी कर दिया था।

गुरुवार को सुनवाई के दौरान मीसा भारती और हेमा यादव कोर्ट पहुंचीं

कोर्ट ने कहा- लालू फैमिली ने आपराधिक गिरोह की तरह काम किया पिछली सुनवाई के दौरान स्पेशल जज विशाल गोग्ने ने अपने आदेश में कड़ी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, "लालू यादव और उनका परिवार एक आपराधिक गिरोह की तरह काम कर रहा था और सरकारी नौकरियों के बदले संपत्ति हासिल करने की एक व्यापक साजिश रची गई थी।"

जज ने आदेश सुनाते हुए कहा, 'अदालत संदेह के आधार पर यह पाती है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने परिवार (बेटियों, पत्नी और बेटों) के लिए अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की एक व्यापक साजिश रची थी।'

लालू यादव के पास क्या ऑप्शन

राजद सुप्रीमो लालू यादव लोअर कोर्ट के फैसले के खिलाफ हायर कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

सीबीआई ने दायर की है चार्जशीट

पिछली सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत में एक सत्यापन रिपोर्ट पेश की, जिसमें बताया गया कि चार्जशीट में नामजद 103 आरोपियों में से पांच की मौत हो चुकी है। जांच एजेंसी ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनके बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजप्रताप, बेटी और सांसद मीसा भारती, बेटी हेमा यादव समेत अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है।

सीबीआई के आरोपों पर कोर्ट ने लालू परिवार पर क्या कहा

राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई की दलीलों और चार्जशीट पर विचार करते हुए कहा- प्रथम दृष्टया सीबीआई द्वारा पेश किए गए तथ्यों और दस्तावेजों से यह संकेत मिलते हैं कि मामले में जांच योग्य गंभीर आरोप हैं, जिन्हें ट्रायल में परखा जाना चाहिए। सीबीआई की जांच में लालू परिवार पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद हैं। कोर्ट ने ये भी कहा, यह केस सिर्फ अनियमित नियुक्तियों का नहीं, बल्कि एक संगठित आपराधिक साजिश को दर्शाता है। जिसे रेल मंत्री रहते हुए लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में अंजाम दिया गया। लालू परिवार पर आरोप केवल नियुक्तियों तक सीमित नहीं हैं। यहां जमीन के ट्रांसफर, कीमतों में असामान्यता, परिवार, करीबियों के नाम संपत्तियां और उनसे जुड़े कारोबारी लेन-देन भी हुआ है। इन सबका आपसी संबंध जांच का विषय है। अदालत के अनुसार, सीबीआई के दस्तावेज यह दर्शाने के लिए पर्याप्त हैं कि नौकरी और जमीन के बीच कथित लेन-देन हुआ है। जिसे ट्रायल में विस्तार से देखा जाना चाहिए। हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोप तय होना दोष सिद्ध होना नहीं है। अदालत ने कहा कि बचाव पक्ष को पूरा अवसर मिलेगा कि वह ट्रायल के दौरान सीबीआई के साक्ष्यों को चुनौती दे। कोर्ट ने अभियोजन स्वीकृति से जुड़े मुद्दों पर सीबीआई को प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 29 जनवरी को तय की। अदालत ने जांच एजेंसी को यह भी कहा कि शेष आरोपियों के खिलाफ आवश्यक अनुमतियां लेकर मामले को आगे बढ़ाया जाए, ताकि ट्रायल में अनावश्यक देरी न हो।

अब आगे क्या होगा

कोर्ट ने सबूत के आधार पर ये स्वीकार कर लिया है कि लालू यादव के खिलाफ लगाए गए आरोप सही हैं। इसके आधार पर अब उनके खिलाफ इस केस का ट्रायल चलेगा। ट्रायल में बहस होगी, इसके बाद इस पर अंतिम फैसला सुनाया जाएगा।

रिश्वतखोर दरोगा-सिपाही सस्पेंड, जांच शुरू

वाराणसी, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी में केस से नाम निकालने के लिए 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगने और 20 हजार रुपए लेने वाले दरोगा शिवाकर मिश्रा को डीसीपी ने सस्पेंड कर दिया है। काशी विद्यापीठ चौकी इंचार्ज शिवाकर मिश्रा के साथ उसका कारखास सिपाही गौरव कुमार द्विवेदी भी निलंबित किया गया है। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल ने आरोपी दरोगा और सिपाही के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी है। वहीं पुलिस कमिश्नर ने दरोगा की फाइल और गोपनीय रिपोर्ट भी तलब की है। सीपी की पॉलिसी के चलते दरोगा शिवाकर मिश्रा को अगले एक साल तक चार्ज मिलना भी मुश्किल होगा।

माना जा रहा है कि विभागीय जांच में पुराने मामले खुले तो दरोगा शिवाकर मिश्रा और सिपाही गौरव द्विवेदी की मुश्किलें अब और बढ़ेगी। वहीं पुलिस महकमे के कई इंस्पेक्टर और दरोगा आरोपी रिश्वतखोर शिवाकर मिश्रा को बचाने की फिल्डिंग सजाते रहे।

एकेटीयू में मंथनः 'एआई का गलत इस्तेमाल करने वाले हों दंडित', राज्यपाल ने एआई मंथन में दिए अपने सुझाव

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। एकेटीयू में एआई मंथन के समापन सत्र में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि एआई का जितना सकारात्मक इस्तेमाल है, उतना ही इसका दुरुपयोग हो रहा है। ऐसी कई घटनाएं सामने आई, जिनमें एआई से समाज में विकृति फैलाई गई। बच्चों को एआई के सही इस्तेमाल के लिए प्रेरित करें। एआई का गलत इस्तेमाल करने वालों को दंड मिलना जरूरी है। एकेटीयू और छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने सुझाव दिया कि किसी भी किताब का अनुवाद कई लोग मिलकर व एआई की मदद से कर सकते हैं।

कार्यशाला के अनुभवों को शिक्षकों से साझा कर उन्हें जिम्मेदारी दीजिए। राज्यपाल ने कहा कि इसमें शोध छात्रों को भी जोड़ें। गरीब बच्चों को एआई का इस्तेमाल करके शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करना पड़ेगा। डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आईआईटी कानपुर के प्रो. अर्नब भट्टाचार्या ने कहा कि एआई के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम में चयनित स्टार्टअप को राज्यपाल ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में आईआईटी कानपुर के डॉ. नितिन सक्सेना, इग्नू दूरस्थ शिक्षा के निदेशक डॉ. रमेश शर्मा, प्रो. विनय पाठक, प्रो. शशि भूषण पांडेय, प्रो. केपी सिंह, प्रो. जेपी पांडेय, प्रो. जेपी सैनी आदि थे।

गैंगरेप प्रकरण में एक्शन, गोरखपुर के 30 स्पा सेंटर बंद

गोरखपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर में 13 साल की किशोरी से गैंगरेप की घटना के बाद लगातार एक्शन हो रहा है। पहले गोरखनाथ थाना प्रभारी समेत 6 पुलिसकर्मियों को इस केस में लापरवाही करने पर सस्पेंड कर दिया गया। इसके बाद शहर के स्पा सेंटरों की पुलिस टीम ने जांच पड़ताल की। इस दौरान लाइसेंस न मिलने पर 30 से अधिक स्पा सेंटर बंद करा दिए गए। अब इसकी नियमित निगरानी भी पुलिस करेगी। अब यह अभियान जिले भर के थाना क्षेत्रों में चलेगा।

बड़हलगंज में भी होटल मालिकों के साथ पुलिस ने बैठक कर नियमों के पालन की चेतावनी दी है। इसी क्रम में शाहपुर में स्थित गैंगरेप के आरोपी धीरेंद्र सिंह के होटलों के भी बोर्ड हटाए गए हैं। बहुत जल्द होटल सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

गांधी परिवार पर गंभीर आरोप!

राहुल, सोनिया, प्रियंका समेत 45 के खिलाफ कोर्ट में अर्जी दाखिल

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। एक बार फिर गांधी परिवार मुश्किलों में घिर गया है। इस बार आरोप है सरकारी दस्तावेजों में हेराफेरी और कूटरचित कागजात तैयार करने का। पांजा फाउंडेशन ने एमपी-एमएलए कोर्ट में एक अर्जी दाखिल की। अर्जी में सांसद राहुल गांधी, पूर्व सांसद सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, सांसद केएल शर्मा समेत कुल 45 लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष बृजेंद्र शरण गांधी और उपाध्यक्ष लाखन सिंह ने मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

मामले का क्या है आधार?

आरोप है कि गांधी परिवार और अन्य अधिकारियों ने सरकारी दस्तावेजों में हेराफेरी कर एक स्कूल को सीबीएसई बोर्ड से मान्यता दिलाई। शिकायतकर्ताओं ने तहसीलदार अनिल पाठक के पत्र का हवाला दिया है। पत्र में कहा गया कि जिस जमीन पर स्कूल बना, उसका लैंड सर्टिफिकेट तहसील से जारी नहीं हुआ था। बृजेंद्र शरण गांधी ने बताया कि इस मामले की शिकायत प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक भेजी जा चुकी है, लेकिन जांच अधिकारियों ने इसे पुलिस विभाग का विषय न मानकर बंद कर दिया।

कोर्ट और पुलिस की कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए, विशेष न्यायाधीश डा। विवेक कुमार ने कोतवाली पुलिस से मामले की आख्या (रिपोर्ट) तलब की है। सीओ अरुण कुमार नौहवार ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी अभी नहीं है, लेकिन रिपोर्ट आने के बाद जवाब दिया जाएगा।

अब आगे क्या होगा?

अब पुलिस की रिपोर्ट और जांच के आधार पर कोर्ट यह तय करेगी कि गांधी परिवार और अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए या नहीं। यह मामला सरकारी कागजातों में हेराफेरी और शिक्षा संस्थाओं की मान्यता से जुड़ा विवाद बन गया है।

राज मर्डर केस में एनकाउंटर, मुठभेड़ में मारा गया शूटर अरबाज

आगरा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। आगरा के राज चौहान हत्याकांड में मुख्य आरोपी अरबाज खान उर्फ मंसूरी आज सुबह पुलिस एनकांउट में मारा गया। एनकाउंटर में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक आरोपी पुलिस की पिस्टल छीनकर भाग रहा था और रोकने पर उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। वहीं पुलिस की जवाब कार्रवाई में वह मारा गया। हत्या मामले में गठित पुलिस टीम मुख्य आरोपी अरबाज खान उर्फ मंसूरी निवासी खंदौली, आगरा को घटना में प्रयोग किए गए गए तमंचे की बरामदगी के लिए लेकर गई थी। इस दौरान आरोपी टेड़ी बगिया क्षेत्र में कांशीराम आवास के पास उपनिरीक्षक की सरकारी पिस्टल छीनकर भागा और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

चार युवतियां, 4 युवक और कब्रिस्तान के पास किराए का मकान, पुलिस ने किया गंदे काम का पर्दाफाश

प्रयागराज, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पुलिस के हाथ एक और बढ़ी सफलता लगी है। पुलिस ने एक किराए के मकान में अनैतिक गतिविधियों के गिरोह का पर्दाफाश किया है और चार युवतियां और चार युवकों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली कि कीडगंज थाना क्षेत्र में गोरा कब्रिस्तान के पास एक गली में स्थित मकान में गलत काम हो रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने चुपचाप जांच शुरू की। इसके बाद एसीपी कीडगंज राजीव यादव के निर्देश पर थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह की टीम ने मौके पर छापेमारी की। जब पुलिस मकान में पहुंची तो अंदर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। छापेमारी के दौरान पुलिस को मकान से चार युवक और चार युवतियां मिलीं। सभी को पूछताछ के लिए थाने लाया गया है। पुलिस के अनुसार, यह मकान किराए पर लिया गया था और यहां अनैतिक गतिविधियां चलने की शिकायतें मिल रही थीं। स्थानीय लोगों को काफी समय से शक था और इसी वजह से पुलिस को कई शिकायतें मिली थीं। मुखबिर की सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए युवक और युवतियां प्रयागराज के ही रहने वाले हैं। अब यह जांच की जा रही है कि वे कब से इस मकान में आ रहे थे, मकान किसके नाम पर किराए पर लिया गया था और क्या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह काम कर रहा है।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में करंट लगने से नर बाघ की मौत

पश्चिम चंपारण, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिला स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में करंट लगने से एक बाघ की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, नर बाघ की मौत उस समय हुई, जब वह टाइगर रिजर्व के मनपुर इलाके में एक किसान द्वारा खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए अवैध बिजली के तार (इलेक्ट्रिक फेंसिंग) के संपर्क में आ गया। रिजर्व के क्षेत्र निदेशक नेसमानी के। ने फोन पर बताया, "गश्त के दौरान अधिकारियों को बाघ का शव मिला। मानक संचालन प्रक्रिया के तहत पशु चिकित्सकों की एक टीम पोस्टमार्टम करेगी।"

अवैध बालू खनन के खिलाफ मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिया संज्ञान, डीएम को दिए कार्रवाई के निर्देश

गिद्धौर(जमुई), 29 जनवरी (एजेंसियां)। मौरा में बालू खनन से किसानों और आम जनजीवन पर मंडरा रहे संकट को लेकर मौरा निवासी समाज सेवी शैलेंद्र कुमार सिंह उर्फ शैलेश सिंह ने मोर्चा खोल दिया है। गरीबों, वंचितों और किसानों के हक की आवाज बुलंद करने वाले शैलेश सिंह ने ग्रामीण किसानों की समस्याओं को देखते हुए जमुई जिले के प्रभारी मंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से शैलेश सिंह ने अवगत कराया कि मौरा बालू घाट पर हो रहे खनन से स्थानीय किसानों की कृषि योग्य भूमि और पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो रही है। अपने सौंपे गए ज्ञापन में मौरा बालू घाट पर हो रहे खनन कार्य पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने, किसानों की खेती बचाने, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित रखने की मांग की।

उन्होंने बताया है कि, हमारा संघर्ष किसानों की खेती और नदियों के अस्मिता को बचाने के लिए है। बालू के अनियंत्रित उठाव से हमारे क्षेत्र का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। जब तक मौरा बालू घाट पर पूर्णतः रोक नहीं लगती, हमारा लोकतांत्रिक विरोध जारी रहेगा। इस अभियान में मौरा पंचायत के सैकड़ों किसान और प्रबुद्ध ग्रामीणों ने मांगपत्र पर अपना हस्ताक्षर करके समाजसेवी शैलेश सिंह के इस पहल को अपना समर्थन देते हुए प्रशासन से जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की अपील कर रहे हैं। वहीं,किसानों द्वारा हस्ताक्षरयुक्त मांगपत्र को ईमेल माध्यम से भी मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया। इसपर संज्ञान लेते हुए सीएमओ कार्यालय ने मामले को जिला पदाधिकारी जमुई को आवश्यक कार्रवाई के लिए अग्रसारित कर दिया है। इधर, शासन स्तर से हुई इस पहल ने स्थानीय ग्रामीणों और किसानों में न्याय की उम्मीद जगाई है।

सीएम नीतीश ने फिर दिलाई लालू राज की याद, समृद्धि यात्रा के दौरान समस्तीपुरवासियों को दी बड़ी सौगात

पटना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दूसरे चरण की समृद्धि यात्रा के तहत आज समस्तीपुर पहुंच चुके हैं। उन्होंने समस्तीपुरवासियों को 827 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। इसमें 470 करोड़ रुपये की लागत से 71 योजनाओं का शिलान्यास किया। वहीं 273.02 करोड़ की लागत से 74 योजनाओं का शुभारंभ और 83.29 करोड़ रुपये की लागत से 43 योजानाओं का काम शुरू करवाया। इसके बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने एनडीए सरकार के कामों को गिनाया। उन्होंने 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। लालू-राबड़ी राज की याद दिलाते हुए कहा कि याद है ना पहले क्या स्थिति थी? पहले बहुत बुरा हाल था?

लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। समाज में कितना विवाद होता था, कितना हिन्दू-मुस्लिम झगड़ा होता था? पढ़ाई का क्या हाल था? बहुत कम बच्चे पढ़ते थे, बहुत कम पढ़ाई होती थी। पहले इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था। सड़कें बहुत कम थी और जो थी उनका बुरा हाल था। सीएम नीतीश ने कहा कि हम लोगों के पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया था। उन्होंने लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने मुख्यमंत्री पद से हटा तो अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनवा दिया। उनलोगों ने किसी के लिए कुछ नहीं किया, महिलाओं के लिए भी कभी कुछ नहीं किया।बिजली बहुत कम जगह थी। शुरू से ही बिहार के विकास का काम हो रहा है। अब किसी प्रकार के डर एवं भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का माहौल है।

'2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गयी'

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि शुरू से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य में बड़े पैमाने पर सड़कों, पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। वर्ष 2015 में सात निश्चय के तहत हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय तथा टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम पूरा हो गया है। वर्ष 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गयी। सरकार द्वारा शुरू से ही बहुत सस्ती दर पर बिजली दी गयी। अब लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त दी जा रही है।

दो-चार दिन की दुल्हनों की अपराध गाथा: नूरजहां बनी काजल, आयशा बनी पूजा, लाल जोड़े में आती थीं घर

चंदौसी (संभल), 29 जनवरी (एजेंसियां)। शादी के बहाने लूट का नया तरीका खोजने वाली पश्चिम बंगाल की रहने वाली युवतियां अब तक कई लोगों को शिकार बना चुकी हैं। दो महिलाओं समेत तीन की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब इस खेल के मुख्य सरगनाओं की तलाश में जुट गई है। फोन काल के आधार पर इस संगठित गिरोह की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अब तक की जांच में पता चला है कि बंगाल समेत दूसरे राज्यों की मुस्लिम लड़कियां हिंदू बनकर फर्जी शादियां कर चुकी हैं। पश्चिम बंगाल की नूरजहां खातून ने काजल बनकर हिंदू युवक से शादी रचाई और वहीं की मुस्लिम लड़कियों को लाकर यहां बेचने का काम शुरू कर दिया। फुलप्रूफ प्लान के तहत युवतियों के नाम व धर्म बदलकर उन्हें शादी का जोड़ा पहनाकर बिदा किया जाता और दो-चार दिन बाद ही यह लुटेरी दुल्हनें दूल्हे के घर से सामान समेट उनका बैंड बजाकर निकल जातीं। अकेले संभल जिले में ही चार लुटेरी दुल्हनों को अलग-अलग घरों में मोटी रकम लेकर कथित रूप से ब्याह दिया गया,

संजय निषाद के स्वागत में बड़ा हादसा

फूल वर्षा के लिए लाए जेसीबी को ट्रक ने मारी टक्कर, 1 की मौत

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के स्वागत कार्यक्रम में बड़ा हादसा हो गया। जब उनके स्वागत के लिए जेसीबी से फूल बरसाने के दौरान एक ट्रक ने जेसीबी को टक्कर मार दी। इस हादसे में निषाद पार्टी के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई जबकि एक तीन कार्यकर्ता घायल हो गए। जिन्हें इलाज के अस्पताल ले जाया गया है। संजय निषाद कुशीनगर पहुंचे थे, जब उनका काफिला तमकुहीराज थाने के पास रजवटिया चौराहे पर पहुंचा तो वहां उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में निषाद पार्टी के कार्यकर्ता पहुंचे हुए थे। इनमें से कुछ कार्यकर्ता बुलडोजर पर चढ़कर मंत्री जी पर पुष्पवर्षा कर रहे थे।

ट्रक की टक्कर से बुलडोजर पलट गया

बताया जा रहा है कि स्वागत के दौरान ही एक तेज रफ़्तार ट्रक ने बुलडोजर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बुलडोजर पलट गया और उस पर सवार कार्यकर्ता भी नीचे गिर गए। इस हादसे में जेसीबी पर चढ़े शंभू निषाद की मौत हो गई, जबकि अखिलेश, सिकंदर और गोलू नाम के कार्यकर्ता बुरी तरह घायल हो गए।

एक कार्यकर्ता की मौत, तीन घायल

इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में मंत्री व उनके सहयोगी तत्काल घायल कार्यकर्ताओं को अस्पताल ले गए लेकिन, इलाज के दौरान शंभू निषाद ने दम तोड़ दिया और उनकी मौत हो गई। वहीं तीन कार्यकर्ताओं का अब भी इलाज किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने भी इस हादसे पर दुख जताया है।

उन्होंने इस घटना के लिए पुलिस प्रशासन को ज़िम्मेदार बताया और कहा कि इस रास्ते पर स्वागत कार्यक्रम था, बावजूद इसके पुलिस ने वाहनों की एंट्री खोल दी, जिससे ट्रक कार्यक्रम तक पहुँच गया और ये बड़ा हादसा हो गया। घटना के बाद क्षेत्रीय विधायक और मंत्री संजय निषाद ने अस्पताल का भी दौरा किया और उनका हालचाल जाना।

डांसिंग कॉप रंजीत को मिली सजा : प्रधान आरक्षक से वापस आरक्षक बनाया, महिला ने चेटिंग को लेकर लगाए थे आरोप

इंदौर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर सहित देशभर में डांसिंग कॉप के नाम से जाने वाले चर्चित ट्रैफिक पुलिसकर्मी रंजीत सिंह को महिला द्वारा लगाए गए झूठे आरोपो के मामले में सजा मिली है। पुलिस विभाग द्वारा उन पर कारवाई करते हुए उन्हें कार्यवाहक प्रधान आरक्षक से वापस आरक्षक बना दिया गया है। कार्यवाहक प्रधानारक्षक 146 रंजीत सिंह वर्तमान पदस्थापना रक्षित केंद्र इंदौर को विभागीय कार्रवाई के आधार पर उच्च पद प्रधान आरक्षक का कार्यवाहक प्रभार वापस लेते हुए मूल पद आरक्षक पर वापस किया गया है। इस मामले में पुलिस विभाग में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के कार्यालय से मीडिया को जानकारी साझा की गई है। रंजीत के ऊपर मुंबई की एक महिला ने आरोप लगाए थे। जिसमें उन पर अश्लील चेटिंग करने और इंदौर आकर मिलने की बात कही थी। इसके बाद रंजीत को ड्यूटी से हटाकर लाइन में सेवा देने भेजा गया था।

बैड्स ऑफ बॉलीवुड विवाद: समीर वानखेड़े को बड़ा झटका

दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज किया केस

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने इंडियन रेवेन्यू सर्विस (आईआरएस) के अधिकारी समीर वानखेड़े द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे को खारिज कर दिया है। यह याचिका नेटफ्लिक्स की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में एक अधिकारी के कथित चित्रण को लेकर दायर की गई थी, जिसे वानखेड़े ने अपने समान बताया था। कोर्ट ने साफ किया कि इस मामले पर सुनवाई करने का उसके पास अधिकार क्षेत्र नहीं है और इसी आधार पर उसने मामले की मेरिट पर विचार करने से इनकार कर दिया। एएनआई के अनुसार अपने आदेश में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि जिस तरीके से यह मुकदमा पेश किया गया है, उस पर वह सुनवाई नहीं कर सकती।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह याचिका उसके समक्ष फैसले के लिए स्वीकार योग्य नहीं है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले 8 अक्टूबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने समीर वानखेड़े की याचिका पर

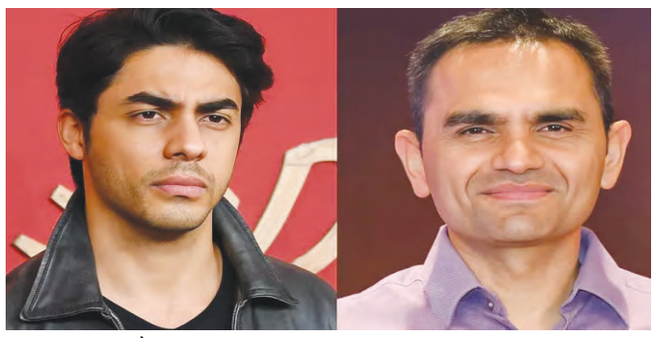

नेटफ्लिक्स और रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने दोनों पक्षों को निर्देश दिया था कि वे वानखेड़े द्वारा लगाए गए मानहानि के आरोपों पर अपना जवाब दाखिल करें। वानखेड़े का आरोप था कि बैड्स ऑफ बॉलीवुड में दिखाया गया एक अधिकारी उनके व्यक्तित्व और छवि से मेल खाता है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। मानहानि का मुकदमा दायर करने के बाद समीर वानखेड़े ने इस विवाद का अपने निजी जीवन पर पड़े असर को लेकर भी प्रतिक्रिया दी थी। अक्टूबर में एएनआई से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि यह मामला उनके पेशे से जुड़ा नहीं है, बल्कि उनके व्यक्तिगत सम्मान और गरिमा से संबंधित है। उन्होंने कहा, 'मेरा व्यक्तिगत मानना है कि इसका मेरे काम या मेरे पेशे से कोई लेना-देना नहीं है। मैंने व्यक्तिगत हैसियत में दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। चूंकि मामला विचाराधीन है, इसलिए मैं कोर्ट की कार्यवाही या इसमें शामिल मुद्दों पर टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा।'

व्यंग्य और पैरोडी पर उठाए सवाल

वानखेड़े ने यह भी कहा था कि व्यंग्य या पैरोडी की एक सीमा होनी चाहिए। उनके मुताबिक, 'आप जो भी व्यंग्य या पैरोडी बनाते हैं, वह अपने लोगों के साथ करें।' उन्होंने दावा किया कि इस तरह के चित्रण से न सिर्फ उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है, बल्कि उन अधिकारियों की प्रतिष्ठा भी प्रभावित हुई है जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते हैं।

परिवार को मिली धमकियों का दावा

समीर वानखेड़े ने यह भी आरोप लगाया था कि इस विवाद की वजह से उनके परिवार को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान, यूएई और बांग्लादेश से नफरत भरे संदेश और धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने बताया, 'मेरे परिवार का मेरे पेशे से कोई लेना-देना नहीं है, फिर भी मेरी बहन और पत्नी को लगातार धमकियां मिल रही हैं, जिनकी जानकारी हमने नियमित रूप से पुलिस को दी है।'

मुंबई क्रूज़ ड्रग रेड से जुड़ा है पूरा विवाद

यह पूरा मामला 2021 के मुंबई क्रूज ड्रग रेड से जुड़ा हुआ है, जिसमें समीर वानखेड़े की अगुवाई में हुई कार्रवाई के दौरान अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि 2022 में आर्यन खान को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था। बाद में आर्यन खान ने नेटफ्लिक्स के लिए द बास्टर्ड्स ऑफ बॉलीवुड का निर्देशन किया, जो 18 सितंबर 2025 को रिलीज़ हुई। इसी सीरीज के एक किरदार को लेकर समीर वानखेड़े ने मानहानि का दावा किया था। दिल्ली हाई कोर्ट के ताजा आदेश के साथ यह मानहानि का मामला कानूनी रूप से समाप्त हो गया है।

'2 करोड़ रुपए दो, वरना पूरे परिवार को मार देंगे', जालंधर में डॉक्टर को मिली धमकी, मांगी सुरक्षा

जालंधर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर शहर में एक प्रसिद्ध डॉक्टर को जान से मारने की धमकी दी गई और 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। इस मामले के बाद डॉक्टर और उनका परिवार डर के साये में हैं। सुरक्षा के लिए डॉक्टर ने अपने घर की किलेबंदी कर दी है और पुलिस कमिश्नर से मदद मांगी है। जालंधर के एक मशहूर डॉक्टर को हाल ही में एक गैंगस्टर को धमकी भरा संदेश मिला है, जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि अगर 2 करोड़ रुपये नहीं दिए गए तो डॉक्टर और उनके पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। कमिश्नर से मिले डॉक्टर, सुरक्षा बढ़ाई गई इस गंभीर धमकी के बाद डॉक्टर ने तुरंत जालंधर की पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस को पूरे मामले के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने डॉक्टर के घर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी है।

कलकत्ता हाई कोर्ट का बंगाल सरकार को अल्टीमेटम

31 मार्च तक बीएसएफ को सौंपें सीमा की जमीन

कोलकाता, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि 31 मार्च तक बंगाल सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन सौंप दे। जिससे भारत-बांग्लादेश सीमा के संवेदनशील क्षेत्रों में कंटीले तार की बाड़ लगाने का काम शीघ्र पूरा किया जाए। आरोप है कि राज्य सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए अधिग्रहीत भूमि नहीं सौंप रही है। इसके खिलाफ पूर्व सैन्य अधिकारी डा। सुब्रत साहा ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। मालूम हो कि बंगाल की 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश से लगती है। इस सीमा में करीब 600 किलोमीटर में तारबंदी नहीं है। नतीजतन, यहां से घुसपैठ और तस्करी होती रहती है। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायाधीश पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ ने पूछा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा होने के बावजूद राज्य भूमि अधिग्रहण क्यों नहीं कर रहा है? आवश्यकता होने पर भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 40 का प्रयोग क्यों नहीं किया जा रहा है? अंतरराष्ट्रीय सीमा में भागीदार होने के बावजूद राज्य की ओर से पहल न करना अत्यंत चिंताजनक है। कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार सीमावर्ती क्षेत्र के लगभग 180 किलोमीटर हिस्से में भूमि अधिग्रहण के लिए पहले ही धनराशि दे चुकी है।

भूमि हस्तांतरण के लिए केवल सामाजिक प्रभाव आकलन प्रक्रिया का बहाना उचित नहीं है। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि कंटीले तार की बाड़ लगाने के लिए जिन जमीनों के लिए राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी नहीं मिली है, वहां राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में तत्काल आधार पर भूमि अधिग्रहण संभव है या नहीं, इस बारे में राज्य व केंद्र दोनों के बयान सुने जाएंगे। दोनों पक्षों को हलफनामा दाखिल करना होगा। मामले की अगली सुनवाई दो अप्रैल को होगी।

लव जिहाद केस में दो आरोपी गिरफ्तार, हिंदू लड़की से प्रेम विवाह और धर्म परिवर्तन की साजिश का खुलासा

गुरुग्राम, 29 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम जिले में सामने आए लव जिहाद मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना सेक्टर-14 की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी व उसके साथी सहित दो आरोपियों को गांव धुनेला, गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। दोनों की पहचान आरिफ उर्फ फर्जी आरव (35 वर्ष) और तारीफ (34 वर्ष) निवासी गांव धुनेला, गुरुग्राम के रूप में हुई है। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया कि आरोपी तारीफ पहले आरिफ के यहां ड्राइवर का काम करता था और वर्ष-2022 में आरोपी आरिफ ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करता था। दोनों ने मिलकर योजना बनाकर पीड़िता को इंश्योरेंस पॉलिसी के माध्यम से संपर्क में लाकर फर्जी पहचान के जरिए प्रेमजाल में फंसाया। इसके बाद मंदिर में विवाह किया और बाद में जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि एक युवक ने खुद को हिंदू बताकर उससे प्रेम संबंध बनाए,

पत्नी को जलाने का मामला हाईकोर्ट ने खारिज की अपील

जबलपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दहेज हत्या से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि ऐसे प्रकरणों में आरोपी को सजा देने के लिए क्रूरता (क्रूर व्यवहार) का ठोस रूप से साबित होना आवश्यक है। यदि अभियोजन पक्ष के गवाह क्रूरता सिद्ध करने में असफल रहते हैं, तो आरोपी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह मामला डिंडोरी जिले से जुड़ा है, जहां जिला अदालत ने पत्नी की मौत के मामले में पति को दोषमुक्त कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ राज्य शासन ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। प्रकरण के अनुसार सुनीता और रणजीत सिंह ने जून 2020 में प्रेम विवाह किया था।

शादी के लगभग एक साल के भीतर (अप्रैल 2021 में) पति से कथित विवाद के बाद सुनीता ने खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसी सुनीता की अगले दिन इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पति रणजीत सिंह को आरोपी मानते हुए गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था। डिंडोरी जिला अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में रणजीत सिंह को दोषमुक्त कर दिया। इसके बाद राज्य शासन ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

मामले की सुनवाई जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने की। हाईकोर्ट ने राज्य शासन की अपील को खारिज करते हुए जिला अदालत के दोषमुक्ति के आदेश को बरकरार रखा। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष की गवाह (मृतिका की बहन) ने स्वीकार किया कि यह प्रेम विवाह था और आरोपी पति द्वारा कभी दहेज की मांग नहीं की गई। साथ ही, रिकॉर्ड पर ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं पाया गया जिससे दहेज के लिए क्रूरता साबित हो सके। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने माना कि आरोपी को सजा देने के लिए आवश्यक कानूनी तत्व पूरे नहीं होते, इसलिए दोषमुक्ति में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता।

छात्रा की निर्मम हत्या; धारदार हथियार से किए वार, चेहरे को पत्थर से कुचला, चचेरा भाई पर शक

देहरादून, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कोतवाली क्षेत्र के ढालीपुर में 12वीं की छात्रा मनीषा तोमर (18) की निर्मम हत्या कर दी गई। छात्रा बुधवार शाम को अपने चचेरे भाई सुरेंद्र के साथ बाइक से दांत संबंधी समस्या की दवाई लेने विकास नगर गई थी। रात 9:00 बजे तक भी जब वह लौटी नहीं तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। अब गांव से करीब एक किलोमीटर दूर झाड़ियों के पास छात्रा का खून से सना शव मिला।

उसके गले पर धारदार हथियार से वार किए गए थे और चेहरे को पत्थर से बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। घटना के बाद से छात्रा का चचेरा भाई फरार है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया चचेरे भाई की तलाश की जा रही है। बेटी का ऐसा हाल देखकर परिजन सदमे में हैं।

मानव–वन्यजीव टकराव बना गंभीर संकट, तमिलनाडु में एक दशक में 685 लोगों की मौत

कोयंबटूर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में पिछले दस साल में इंसान और जंगली जानवरों के बीच टकराव में 685 लोगों की जान जा चुकी है, जिसमें अकेले पिछले साल 43 मौतें शामिल हैं। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने चेतावनी दी कि सिर्फ टेक्नोलॉजी और सख्ती से इस बढ़ते संकट को हल नहीं किया जा सकता, इसके लिए जनभागीदारी जरूरी है।

अनामलाई टाइगर रिजर्व (एटीआर) के मुख्य वन संरक्षक और क्षेत्र निदेशक डी। वेंकटेश ने कहा कि जंगल के किनारों पर रहने वाले लोकल समुदायों की एक्टिव भागीदारी के बिना इंसानों और जानवरों के बीच टकराव को कम करना नामुमकिन है। तमिलनाडु वन विभाग ने कोयंबटूर में राज्य वन सेवा के लिए केंद्रीय अकादमी में इंसान-जानवर संघर्ष को कम करने पर एक सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार में प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख (एचओएफएफ) श्रीनिवास आर। रेड्डी और कोयंबटूर, होसुर, सत्यमंगलम, नीलगिरी, डिंडीगुल, कोडाइकनाल और तेनकासी के वन अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान इंसानों और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व के लिए मिलकर काम करने की रणनीतियों पर फोकस किया गया। डी।वेंकटेश ने बताया कि पश्चिमी घाट के किनारे के जिलों तेनकासी, विरुधुनगर, कोयंबटूर, तिरुपुर, थेनी, सेलम, धर्मपुरी और कृष्णागिरी में लोगों और वन्यजीवों के बीच टकराव की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। वेंकटेश ने बढ़ते टकराव के पीछे के इकोलॉजिकल कारणों को समझाते हुए कहा कि कई जंगल के इलाके जो हरे-भरे दिखते हैं, वे असल में बाहरी पौधों की प्रजातियों के फैलने के कारण हरे रेगिस्तान बन गए हैं, जो वहां के जानवरों को सहारा नहीं दे पाते। उन्होंने कहा कि इस तरह की गिरावट ने वन्यजीवों के पारंपरिक आवागमन के तरीकों को बिगाड़ दिया है और इंसानों के साथ टकराव बढ़ा दिया है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के खिलाफ होगा 'खेला'? हुमायूं कबीर से इस बड़ी पार्टी के नेता ने की मुलाकात

कोलकाता, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की पश्चिम बंगाल यूनिट के सचिव मोहम्मद सलीम ने जनता उन्नयन पार्टी के चीफ हुमायूं कबीर से मुलाकात की है। इस बैठक से दोनों पार्टियों के बीच चुनाव से पहले गठबंधन की संभावना पर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। सलीम ने कहा कि चुनाव में सीट बंटवारे के प्रस्ताव पर सीपीएम के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट में चर्चा की जाएगी। उन्होंने हुमायूं कबीर से न्यू टाउन के एक होटल में करीब एक घंटे तक बैठक की थी।

कबीर पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक थे, लेकिन हाल ही में उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में एक नई बाबरी मस्जिद की नींव रखकर सूबे की सियासत में हलचल मचा दी थी। सलीम ने कहा, 'हम इस

प्रस्ताव पर लेफ्ट फ्रंट में चर्चा करेंगे। उसके बाद फ्रंट से बाहर की लेफ्ट पार्टियों से बात होगी, फिर आईएसएफ से।' बता दें कि सीपीएम के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट ने 2021 के विधानसभा चुनाव में इंडियन सेक्युलर फ्रंट यानी कि आईएसएफ के साथ गठबंधन किया था, लेकिन कोई सीट नहीं जीत सके। आईएसएफ के नेता नौशाद सिद्दीकी बीजेपी के अलावा इकलौते विपक्षी विधायक बने थे। सलीम ने कहा कि कबीर से मुलाकात उनके इरादों को समझने के लिए थी। उन्होंने बताया कि कई पार्टियां अभी चुनाव में सीट बंटवारे पर फैसला नहीं ले पाई हैं। सलीम ने गठबंधन पर चर्चा होने से इनकार किया और कहा, 'मैं उनसे जानना चाहता था कि वे क्या करना चाहते हैं और उनका मकसद क्या है।' वहीं, ने इस मुलाकात को शिष्टाचार बैठक बताया, लेकिन चुनाव के लिए गठबंधन पर चर्चा होने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा, 'मैंने सलीम साहब से अपील की है कि गठबंधन बनाने की प्रक्रिया 15 फरवरी तक पूरी कर ली जाए।'

बता दें कि हुमायूं कबीर ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी एआईएमआईएम से भी गठबंधन पर बात कर सकती है। कबीर ने कहा, 'हमारा लक्ष्य भ्रष्ट सरकार को हराना है और राज्य के लोगों को पारदर्शी सरकार देना है।' सियासी एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर सीपीएम और जनता उन्नयन पार्टी के बीच गठबंधन होता है, तो इससे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को नुकसान पहुंच सकता है, खासकर मुस्लिम बहुल इलाकों में।

कबीर की पार्टी मुख्य रूप से मुस्लिम वोटों पर फोकस कर रही है, जो टीएमसी का मजबूत आधार है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यह गठबंधन मुस्लिम वोटों को बांट सकता है, जिससे टीएमसी को नुकसान हो सकता है और बीजेपी को अप्रत्यक्ष फायदा हो सकता है।

पैलेस की मिट्टी में सोने जैसे सिक्कों की चर्चा, खजाने की खबर से इलाके में हलचल; अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं

छतरपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक राजगढ़ पैलेस में सोने के सिक्के मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि पैलेस परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान खुदाई से निकली मिट्टी को जब बाहर सड़क किनारे डाला गया, तभी कुछ लोगों की नजर उसमें मिले सोने जैसे दिखने वाले सिक्कों पर पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही सिक्के मिलने की सूचना गांव में फैली, सोना पाने की चाह में सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग मिट्टी खंगालकर सिक्के तलाशने में जुट गए। स्थिति ऐसी हो गई मानो खजाना लूटने की होड़ मच गई हो। सूत्रों का दावा है कि मिट्टी से करीब 50 से 100 के बीच सिक्के मिले हैं,

कुछ ही मिनटों में मंदिर को गिराया जाना था कोर्ट के कागज ने रोक दिया बुलडोजर; वापस लौटे अफसर

चित्रकुट, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की धर्मनगरी चित्रकूट में उस समय भारी तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब जिला प्रशासन सड़क चौड़ीकरण के अभियान के तहत ऐतिहासिक और प्राचीन गौरीहार मंदिर को ढहाने पहुंच गया। भारी पुलिस बल और मशीनों के साथ शुरू हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि, कार्रवाई शुरू होने के करीब एक घंटे बाद हाईकोर्ट से 'स्टे ऑर्डर' मिलने पर ध्वस्तीकरण को बीच में ही रोकना पड़ा। प्रशासनिक तैयारी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मौके पर सतना जिले के पांच एसडीएम, एडीएम , एएसपी और कई थानों का भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। मंदिर के आसपास के इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही थी।

सड़क चौड़ीकरण में बाधा बताकर प्रशासन ने एक पोकलैंड और चार जेसीबी (जेसीबी) मशीनों की मदद से मंदिर के बाहरी हिस्सों और बारादरी को गिराना शुरू कर दिया। जैसे ही बुलडोजर प्राचीन मंदिर की दीवारों से टकराया, स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में आक्रोश फैल गया। लोगों का आरोप था कि विकास के नाम पर प्राचीन धरोहरों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

जब मंदिर के हिस्सों को गिराया जा रहा था, ठीक उसी समय मंदिर प्रबंधन की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी। जैसे ही स्टे ऑर्डर की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंची, हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने तुरंत मशीनों को रोकने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रशासन का पूरा काफिला मंदिर को छोड़कर गायत्री मंदिर की ओर मुड़ गया, जहां बाउंड्री वाल हटाने की कार्रवाई की गई।

गौरीहार मंदिर चित्रकूट की प्राचीन आस्था का केंद्र है। फिलहाल हाईकोर्ट के आदेश के बाद मंदिर का मुख्य हिस्सा सुरक्षित है, लेकिन बारादरी को हुए नुकसान से श्रद्धालुओं में गहरा दुख है। प्रशासन का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य जनहित में है और अन्य क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

महंगे गिफ्ट और विदेशी करेंसी का लालच देकर लाखों रुपये की ठगी, दिल्ली पुलिस ने नाइजीरियन नागरिक को दबोचा

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर दोस्ती, महंगे गिफ्ट और विदेशी करेंसी का लालच और फिर लाखों की ठगी को अंजाम देने का एक बड़ा ही खतरनाक मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस के नॉर्थ जिले की साइबर टीम ने ऐसे ही एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गैंग का भंडाफोड़ किया है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, इसका मास्टरमाइंड एक नाइजीरियन नागरिक था और इस गिरोह ने कई मासूम लोगों को निशाना बनाया। ये मामला तब सामने आया जब दिल्ली के बुराड़ी इलाके में रहने वाली 40 वर्षीय महिला ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता के मुताबिक अप्रैल 2025 में उसे व्हाट्सएप पर नितिन पटेल नाम के व्यक्ति का मैसेज आया। बातचीत बढ़ी, भरोसा बना और फिर आरोपी ने विदेश से महंगे गिफ्ट और 50 हजार पाउंड भेजने का दावा किया। कुछ दिन बाद, कथित तौर पर एयरपोर्ट से कॉल आई और कस्टम ड्यूटी, लेट फीस और क्लियरेंस के नाम पर पैसे मांगे गए।

मेघालय में आईएसआईएस के नाम से मिली धमकी गारो समुदाय को जमीन छोड़ने को कहा; जांच में जुटी पुलिस

शिलांग, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले में एक विवादित पोस्टर मिलने के बाद तनाव का माहौल है। इस पोस्टर पर आतंकी संगठन आईएसआईएस का नाम लिखा है। इसमें स्थानीय गारो समुदाय को अपनी जमीन खाली करने की धमकी दी गई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्या बोले अधिकारी?

अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि यह पोस्टर जिले के तुरा इलाके में मिला है। इसमें अंग्रेजी भाषा में फुबारी, राजाबाला, टिकरीकिला, सेसला और गारोबाधा जैसे क्षेत्रों का जिक्र है। पोस्टर में चेतावनी दी गई है कि इन इलाकों में रहने वाले गारो समुदाय के लोग 2027 से पहले अपनी जमीन छोड़ दें। ऐसा न करने पर उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने की बात कही गई है।

घटना पर क्या बोले मंत्री?

पोस्टर पर अमीनुर इस्लाम नाम के किसी व्यक्ति का नाम लिखा है। पुलिस इस बात की पुष्टि करने में जुटी

है कि क्या वाकई यह किसी अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन की करतूत है या किसी ने सिर्फ डर फैलाने के लिए इसका नाम इस्तेमाल किया है। राज्य मंत्री मार्क्यूस मारक ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि समाज के सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाली ऐसी धमकियां बर्दाश्त नहीं होंगी। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। यह धमकी भरी घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में जिले में एक युवा पर्यावरण कार्यकर्ता की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। डिल्लसेंग एम। संगमा नाम का यह कार्यकर्ता राजाबाला इलाके में एक अवैध पत्थर खदान की जांच करने गया था, तभी उन पर हमला हुआ था। इस घटना के बाद से इलाके में पहले ही तनाव था।

इलाके की सुरक्षा बढ़ाई गई

राज्य सरकार ने अब अवैध खदानों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने का आदेश दिया है। संवेदनशील जगहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल प्रशासन ने आम जनता से किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

ब्रिटिश पीएम 8 साल बाद चीन पहुंचे

कोरोना काल में चीनी कंपनी हुआवे को निकाला था अब बोले– अमेरिका अपनी जगह, लेकिन चीन जरूरी

बीजिंग, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर बुधवार को 8 साल बाद तीन दिन के दौरे पर चीन पहुंचे। इससे पहले 2018 में तत्कालीन ब्रिटिश पीएम थेरेसा मे चीन पहुंची थीं।

पिछले 8 सालों में ग्लोबल राजनीति काफी बदल चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रमक नीतियों और बयानों की वजह से यूरोपीय देश नए पार्टनर तलाश रहे हैं, ऐसे में चीन उन्हें एक मजबूत विकल्प नजर आ रहा है।

चीन रवाना होने से पहले स्टार्मर ने मीडिया से कहा था कि ब्रिटेन को अमेरिका और चीन में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं है। अमेरिका के साथ रिश्ते बने रहेंगे, लेकिन चीन को नजरअंदाज करना सही नहीं होगा।

वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच भरोसा बढ़ेगा और रिश्तों में स्थिरता आएगी।

ब्रिटेन भले ही आज चीन को जरूरी देश बता रहा है, लेकिन 2020 में कोरोना के वक्त ही उसने चीनी टेक कंपनी हुआवे को

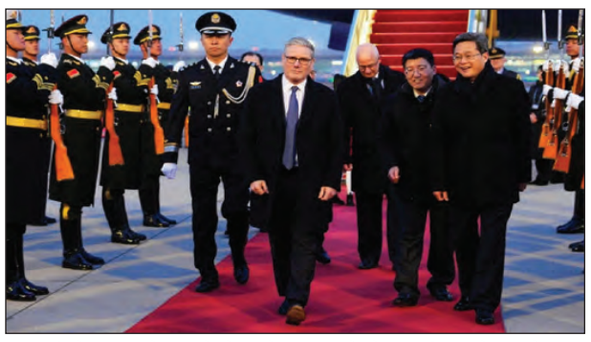

जासूसी के शक में अपने देश से निकाल दिया था।

ब्रिटेन ने चीनी कंपनी को 5G प्रोजेक्ट से निकाला था

ब्रिटिश सरकार ने 2010 में चीनी कंपनी हुआवे को देश में मोबाइल नेटवर्क पर काम करने की इजाजत दी। उसी समय हुआवे के ऑफिस में 'द सेल' नाम का एक खास दफ्तर बनाया गया, जिसके जरिए सरकार कंपनी के काम पर नजर रखती थी। इसे कई सालों तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम माना गया।

इस दफ्तर में ब्रिटेन के साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट्स काम करते थे। हुआवे के खर्च पर वे उसके हर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की जांच करते थे, ताकि कोई ऐसा कोड न हो जिसका गलत इस्तेमाल किया जा सके।

फिर भी ब्रिटेन की सरकार को इस सिस्टम से पूरी तरह भरोसा नहीं हुआ। करीब 10 साल तक हुआवे को काम करने देने के बाद, सरकार ने साल 2020 में फैसला किया कि उसे ब्रिटेन के 5जी नेटवर्क से बाहर कर दिया जाएगा।

उसी साल संसद की एक जांच में कहा गया कि हुआवे और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच मिलीभगत के साफ सबूत हैं। जो 5G इक्विपमेंट पहले से लगे हैं, उन्हें हटाना होगा।

अब 'द सेल' इस बात की मिसाल बन गया है कि चीन के साथ रिश्तों में ब्रिटेन को कितनी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। एक तरफ खुफिया एजेंसियों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं हैं, दूसरी तरफ प्राइवेट कंपनियां सस्ती तकनीक चाहती हैं और सरकार को अर्थव्यवस्था सुधारने की उम्मीद है।

एक्सपर्ट्स और पूर्व डिप्लोमेट्स का कहना है कि अलग-अलग सरकारें चीन को लेकर सही संतुलन नहीं बना पाईं हैं। इसकी वजह से ब्रिटेन की पॉलिसी में शक और डर नजर आता है।

स्टार्मर की ये यात्रा चीन को लेकर बने शक और डर को कम करने की कोशिश है। ये विजिट ऐसे समय हो रही है जब यूरोप और चीन के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज हैं। हाल के हफ्तों में फिनलैंड और आयरलैंड के प्रधानमंत्री भी चीन जा चुके हैं।

भारतीयों से सऊदी लोगों को इतनी नफरत क्यों?

यूएई के विरोध में 'इंडियन' शब्द को बना दिया गाली, उगल रहे जहर

रियाद, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब खुद को इस्लामिक दुनिया के नेता के तौर पर स्थापित करना चाहता है। इसके लिए सऊदी अरब दुनिया भर में मुस्लिम संगठनों को फंडिंग करता है ताकि वैश्विक इस्लामी जगत में उसका पलड़ा भारी रहे। सऊदी अरब इस्लाम की दो सबसे पवित्र मस्जिदों का संरक्षक भी है और दुनिया भर के मुसलमानों में इसके एक प्रभाव की यह भी प्रमुख वजह है। लेकिन हैरान करने वाली बात है कि एक तरह जहां रियाद इस्लामिक दुनिया का अगुवा बनना चाहता है, वहीं सऊदी अरब के लोग भयानक नस्लवाद में डूबे हुए हैं। यूएई सऊदी लोग अब खुलकर भारतीयों और दक्षिण एशियाई लोगों को लेकर नस्लीय टिप्पणियां कर रहे हैं। सऊदी अरब के नस्लवादियों ने भारतीय होने को अपमानजनक तरीके से इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। उनके निशाने पर पड़ोसी मुस्लिम देश यूएई के लोग हैं। वे उन्हें नीचा दिखाने के लिए उन्हें भारतीय कहकर संबोधित कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका में भीषण सड़क हादसा

मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत, स्कूली बच्चा भी शामिल

जोहानिसबर्ग, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका में गुरुवार को एक मिनीबस टैक्सी और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय सरकारी अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं ने हादसे की पुष्टि की है। यह दुर्घटना उस घटना के एक हफ्ते के बाद हुई है, जिसमें इसी तरह के सड़क हादसे में 14 स्कूली बच्चों की जान चली गई थी।

गुरुवार का यह हादसा पूर्वी क्वाज़ुलु-नटाल प्रांत में डरबन शहर के पास हुआ। प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनिसो डूमा ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक स्कूली बच्चे सहित 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। डूमा के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया है कि ट्रक चालक ने अचानक यू-टर्न लिया, जिसके कारण मिनीबस टैक्सी से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई।

प्राइवेट एंबुलेंस सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमिसन ने कहा कि हादसे में 11 लोगों की मौत हुई है और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

उन्होंने बताया कि मिनीबस टैक्सी का चालक मलबे में फंसा हुआ था और उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

यह दुर्घटना कुछ दिन पहले हुए एक और घातक हादसे के बाद हुई है, जिसमें स्कूली बच्चों को ले जा रही मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में 14 बच्चों की मौत हो गई थी।

19 जनवरी को जोहान्सबर्ग के पास हुई उस दुर्घटना के बाद मिनीबस टैक्सी के चालक को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, चालक पर 14 हत्या के आरोप लगाए गए, क्योंकि वह वाहनों की कतार को ओवरटेक करते हुए तेज और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, जिसके बाद उसकी ट्रक से टक्कर हो गई। राज्य के अभियोजकों के मुताबिक, 22 वर्षीय चालक पर पहले गैर-इरादतन हत्या जैसे अपराध का मामला दर्ज किया गया था, जिसे बाद में हत्या के आरोपों में बदल दिया गया।

मिनीबस टैक्सी दक्षिण अफ्रीका में आम लोगों के लिए सार्वजनिक परिवहन का प्रमुख साधन हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश में लगभग 70 प्रतिशत यात्री रोज़ाना यात्रा के लिए मिनीबस टैक्सियों पर निर्भर हैं।

लगातार हो रहे हादसों ने इस परिवहन व्यवस्था की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चीन की पोल खोलने वाले नागरिक को अमेरिका में शरण

उइगर मुसलमानों के हिरासत कैंप की वीडियो बनाई थी, जज बोले– वापस भेजने पर जान का खतरा

वॉशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार की पोल खोलने चीनी वाले नागरिक को अमेरिका में शरण मिल गई है। जज ने कहा कि अगर गुआन को चीन वापस भेजा गया तो उन्हें जान का खतरा हो सकता है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुआन हेंग ने शिनजियांग इलाके में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन को उजागर किया था। उसने 2020 में हिरासत केंद्रों की छुपकर फिल्म बनाई थी। गुआन 2021 में गैरकानूनी तरीके से अमेरिका पहुंचा था।

अगस्त 2025 में उसे हिरासत में ले लिया गया। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि शिनजियांग में दस लाख से ज्यादा उइगर मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के जबरदस्ती बंदी बनाकर रखा गया है।

चीन में उइगर मुसलमान अपने

अस्तित्व के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। चीनी सरकार ने 2014 से सरकारी नौकरी करने वाले उइगर मुसलमानों के सार्वजनिक जगहों पर नमाज पढ़ने और दाढ़ी रखने पर पाबंदी लगाई हुई है।

गुआन ने शिनजियांग इलाके के हिरासत केंद्रों की वीडियो फुटेज ली और पब्लिश करने के लिए चीन छोड़ दिया। गुआन ने अमेरिका पहुंचने से कुछ दिन पहले वीडियो जारी किया था।

उन्होंने ज्यादातर वीडियो यूट्यूब पर जारी किए, जिसके बाद चीन में पुलिस ने उनके पिता से तीन बार पूछताछ की और उनके बारे में जानकारी मांगी।

गुआन 2021 में हांगकांग, इक्वाडोर, बहामास होते हुए अवैध तरीके ले नाव से फ्लोरिडा पहुंचे थे। उन्होंने कोर्ट में कहा कि वे जानते थे कि चीन में रहते हुए ये फुटेज जारी करना सुरक्षित नहीं होगा।

बुधवार की सुनवाई में जज ने पूछा कि "क्या उसने शरण पाने के लिए हिरासत केंद्रों की फिल्म बनाई और अमेरिका पहुंचने से पहले वीडियो उसे जारी किया"

गुआन अमेरिका के सुधार केंद्र से वीडियों लिंक के जरिए सुनवाई में शामिल हुआ था। जज के सवाल पर उसने जवाब दिया कि ऐसा नहीं था। उसने कहा कि "उसे सताए जा रहे उइगरों से हमदर्दी थी।"

अमेरिका पहुंचने के बाद गुआन ने शरण के लिए आवेदन किया। 2021 से 2025 तक के बीच वे अमेरिका में ही रह रहे थे, उन्हें वर्क परमिट मिल गई थी। वे न्यूयॉर्क राज्य में बस गए। वहां उन्होंने दो नौकरियां कीं और सामान्य जीवन जी रहे थे।

अगस्त में ट्रम्प प्रशासन की बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान के तहत उन्हें हिरासत में ले लिया गया। शुरुआत में अमेरिकी विभाग ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी उन्हें युगांडा भेजने की कोशिश कर रहा था, लेकिन दिसंबर में अलग मामला होने के कारण प्लान टाल दिया गया।

मेलानिया ट्रम्प की डॉक्यूमेंट्री ब्रिटेन में फ्लॉप

लंदन प्रीमियर में सिर्फ 1 टिकट बिका, अमेजन ने 340 करोड़ में राइट खरीदे थे

लंदन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मेलानिया ट्रम्प पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'मेलानिया' ब्रिटेन में फ्लॉप हो गई है। देश के सबसे बड़े सिनेमा संचालकों में से एक व्यू सिनेमा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम रिचर्ड्स ने बताया कि फिल्म को लेकर दर्शकों में लगभग कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है।

टिम के मुताबिक, लंदन के इस्लिंगटन इलाके में स्थित एक प्रमुख सिनेमाघर में शुक्रवार को दोपहर 3:10 बजे होने वाले पहले शो के लिए सिर्फ एक टिकट बिका। वहीं शाम 6 बजे के शो के लिए भी महज दो टिकट ही बुक हुए।

ब्रिटेन के ब्लैकबर्न, कैसलफोर्ड और हैमिल्टन में जिन सिनेमाघरों में फिल्म मेलानिया दिखाई जानी थी, वहां हालात और भी खराब रहे। इन तीनों जगहों पर फिल्म की कुल 28 स्क्रीनिंग रखी गई थीं, लेकिन एक भी शो के लिए टिकट नहीं बिका।

अमेजन स्टूडियोज ने इस फिल्म के राइट्स 40 मिलियन डॉलर यानी लगभग 340 करोड़ रुपये में खरीदे थे, इसके अलावा कंपनी ने वैश्विक मार्केटिंग पर 35 मिलियन डॉलर (321 करोड़ रुपये) खर्च किए हैं।

ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने से 20 दिन पहले की कहानी

इस डॉक्यूमेंट्री में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प और मेलानिया ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी की कहानी है। फिल्म में शपथ ग्रहण से पहले के 20 दिनों की झलक दिखाई गई है। अमेजन ने डॉक्यूमेंट्री को ब्रिटेन के 100 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज किया। निर्माताओं को इसके हिट होने की उम्मीद थी, फिल्म 30 जनवरी को थिएटर्स में आएगी। यह अमेरिका में करीब 1,400-2,000 थिएटर्स और दुनियाभर में 27 देशों में 5,000 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज होगी।

मेलानिया ने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में कहा, यह फिल्म अमेरिका के लिए एक अहम दौर को दिखाती है। पहली बार लोग शपथ ग्रहण से पहले के 20 दिन एक आने वाली प्रथम महिला की नजर से देख पाएंगे। डॉक्यूमेंट्री में मेलानिया ट्रम्प के निजी और सार्वजनिक जीवन को दिखाया गया है। इसमें बिजनेसवुमन, पत्नी और मां की भूमिका निभाने के साथ-साथ परिवार को दोबारा व्हाइट हाउस शिफ्ट कराने की जिम्मेदारी भी दिखाई गई है।

करीब दो घंटे की इस फिल्म के ट्रेलर में मेलानिया कहती हैं, "हर कोई जानना चाहता है, तो ये रहा।"

एक सीन में शपथ ग्रहण के दिन मेलानिया कैपिटल बिल्डिंग में खड़ी नजर आती हैं और कैमरे की ओर देखते हुए कहती हैं, "हम फिर से यहां हैं।"

मोहम्मद युनूस बोले- बांग्लादेश धोखाधड़ी की फैक्ट्री बन चुका है

ढाका, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मुहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश 'धोखाधड़ी की फैक्ट्री' बन गया है। बांग्ला अखबार ट्रिब्यून एक्सप्रेस के मुताबिक युनूस ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय साख को भारी नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने कहा, देश में बड़े पैमाने पर फर्जी दस्तावेज बनाए जा रहे हैं। कई देश हमारे पासपोर्ट स्वीकार नहीं करते। यहां सब कुछ नकली है। वीजा नकली हैं, पासपोर्ट नकली हैं। हम फर्जीवाड़े में वर्ल्ड चैंपियन बन चुके हैं।"

उन्होंने कहा कि विदेशों में बांग्लादेशियों के वीजा खारिज होने की एक बड़ी वजह फर्जी कागजात हैं, जिनमें नकली शैक्षणिक प्रमाण पत्र भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने खुद ऐसे मामले देखे हैं, जहां लोग जाली दस्तावेजों के आधार पर वीजा के लिए आवेदन करते हैं। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एक महिला ने डॉक्टर बनकर वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसके सभी दस्तावेज पूरी तरह फर्जी निकले। य

ूनुस ने कहा कि इसी तरह की धोखाधड़ी की वजह से कुछ देशों ने बांग्लादेश के नागरिकों को, यहां तक कि समुद्री जहाजों पर काम करने वाले नाविकों को भी, अपने यहां प्रवेश देने से मना कर दिया है। उन्होंने कहा कि इन फर्जीवाड़े में बहुत ज्यादा दिमाग और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल होता है लेकिन यह सब गलत मकसद के लिए होता है। उन्होंने चेतावनी दी कि तकनीक का इस्तेमाल धोखा देने के लिए नहीं होना चाहिए।

अल्बानिया- भ्रष्टाचार रोकने के लिए बनी एआई मंत्री पर शक

बनाने वाली एजेंसी के दो अफसर हाउस अरेस्ट सरकारी ठेकों के बदले रिश्वत लेने का आरोप

तिराना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अल्बानिया ने साल 2025 में दुनिया की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मंत्री 'डिएला' बनाया था, जिसका मकसद देश में फैली भ्रष्टाचार को कम करना था। हालांकि अब एक बड़ा विवाद सामने आया है डिएला को बनाने वाली नेशनल इंफॉर्मेशन एजेंसी (एकेएसएचआई) के दो प्रमुख अधिकारी खुद भ्रष्टाचार के आरोप में फंस गए हैं।

नेशनल इंफॉर्मेशन एजेंसी की डायरेक्टर और डिप्टी डायरेक्टर को हाउस अरेस्ट किया गया है। उन्हें ठेकों में धमकी देकर हेरफेर करने, रिश्वत लेने और क्रिमिनल संगठन से जुड़े होने का आरोप है। यह वही एजेंसी है जो सरकार की डिजिटल व्यवस्था संभालती है। इस पूरे घटनाक्रम ने सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम पर सवाल

खड़े कर दिए हैं। अभी तक इन अधिकारियों पर औपचारिक रूप से कोई आरोप तय नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री रामा ने कहा कि वे जांच पूरी होने तक कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। अल्बानिया यूरोपीय यूनियन में शामिल होने की कोशिश कर रहा है और इसके लिए भ्रष्टाचार पर नियंत्रण जरूरी शर्त है। भ्रष्टाचार के आरोप के बाद सवाल उठने लगे है कि क्या एआई को कुछ सबूत छिपाने या हेरफेर करने के लिए डिएला को प्रोग्राम किया जा सकता है।

डिएला एक वर्चुअल अवतार है, जो पारंपरिक अल्बानियाई पोशाक में दिखाई देती है। पिछले साल से डिएला कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में बोल चुकी है और दुनिया भर में एआई को सरकारी कामों में इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

सितंबर में अल्बानिया की संसद में वीडियो के जरिए डिएला ने कहा था कि वह इंसान नहीं है, इसलिए उसके पास कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या स्वार्थ नहीं है। सिर्फ डेटा, ज्ञान और एल्गोरिदम हैं, जो नागरिकों की निष्पक्ष सेवा के लिए समर्पित हैं। उसने कहा था कि भ्रष्टाचार के आरोपों पर उसे दुख हुआ है।

डिएला नागरिकों को ऑनलाइन सरकारी सेवाएं दिलाने में मदद करती है, जैसे दस्तावेज जारी करना या अपॉइंटमेंट बुक करना। इससे पहले अधिकारियों को रिश्वत देकर काम करवाना पड़ता था, लेकिन अब यह प्रक्रिया खत्म हो रही है। जल्द ही डिएला सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के आवेदनों की जांच करेगी और डेटा के आधार पर तय करेगी कि कौन सा बोलीदाता सबसे योग्य है। इसका काम ऑडिट किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री रामा ने इसे दीएला (रोशनी) नाम दिया है, ताकि सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता आए। रामा ने कहा कि अल्बानिया 'दो भाइयों का देश' है, जहां निष्पक्ष संबंध बनाना मुश्किल है।

बांग्लादेश, पाकिस्तान, मालदीव के बाद भारत के एक और पड़ोसी को फंसाने जा रहा तुर्की

अंकारा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। तुर्की ने भारत के तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, मालदीव और बांग्लादेश को फंसाने के बाद अब श्रीलंका पर डोरे डाल रहा है। उसने श्रीलंका को निगरानी ड्रोन बेचने की पेशकश की है। यह पेशकश श्रीलंका में तुर्की के राजदूत सेमिह लुटफू तुर्गुट ने की है। राजदूत ने कहा कि तुर्की श्रीलंका के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत बनाना चाहता है। इसके लिए उसने श्रीलंका को अपनी समुद्री सीमा की निगरानी के लिए सैन्य ड्रोन बेचने की पेशकश की है। हालांकि, श्रीलंका की तरफ से तुर्की के इस प्रस्ताव पर कुछ नहीं कहा गया है।

राजदूत सेमिह लुटफू तुर्गुट ने पाथफाइंडर फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में कहा कि रक्षा खरीद तुर्की और श्रीलंका के बीच सहयोग का एक क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई सेना समुद्री निगरानी जैसे उद्देश्यों के लिए तुर्की के ड्रोन का इस्तेमाल कर सकती है। तुर्की के राजदूत ने यह भी कहा कि उन्होंने श्रीलंकाई रक्षा अधिकारियों को इसका प्रस्ताव दिया था, लेकिन अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है।

तुर्की के राजदूत ने अपने भाषण के दौरान किसी एक ड्रोन का नाम नहीं लिया। इसके बावजूद उम्मीद जताई जा रही है कि यह ड्रोन तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के दामाद की कंपनी बायकर की बनाई गई बायराकटार परिवार के ड्रोन में से एक होगा। श्रीलंका इन निगरानी ड्रोन का इस्तेमाल समुद्री सुरक्षा और अवैध तस्करी की निगरानी में कर सकता है।

ट्रम्प को हर महीने बजट का हिसाब देगी वेनेजुएला सरकार

अमेरिका तेल बेचने से कमाए पैसे भेजेगा, अकाउंट संभालने की जिम्मेदारी कतर को मिली

वॉशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला की अंतरिम सरकार हर महीने अमेरिका को बजट का हिसाब देगी। यानी कि उन्हें यह बताना होगा कि महीनेभर में उसे पैसे कहां-कहां खर्च करने हैं। इसके बदले में अमेरिका उस पैसे को रिलीज करेगा, जो वेनेजुएला के तेल बेचने से मिला है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यह जानकारी बुधवार को संसद में दी। रुबियो ने बताया कि अभी शुरुआत में यह पैसा जिस खाते में रखा जाएगा, उसे कतर संभालेगा इसपर डेमोक्रेट सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई।

डेमोक्रेट सांसदों ने कहा कि कतर वेनेजुएला से हजारों मील दूर है और यह साफ नहीं है कि यह व्यवस्था कानूनी और पारदर्शी कैसे है। उन्होंने यह भी कहा कि कतर के शासक को राष्ट्रपति ट्रम्प का करीबी माना जाता है, इसलिए शक और बढ़ता है।

रुबियो ने कहा कि कतर को पैसा भेजना इसलिए जरूरी है क्योंकि वेनेजुएला पर अमेरिकी प्रतिबंध हैं। इसके अलावा अगर पैसा सीधे आया तो वेनेजुएला को पैसा देने वाले अमेरिकी लोग उस पर कानूनी दावा कर सकते हैं। ये वही ऊर्जा कंपनियां हैं जिनकी संपत्ति करीब 20 साल पहले वेनेजुएला ने जब्त कर ली थीं।

रुबियो बोले- वेनेजुएला राष्ट्रपति की गिरफ्तारी स्ट्रैटेजिक

वहीं, रुबियो ने वेनेजुएला के

पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला राष्ट्रपति की गिरफ्तारी किसी तरह का एक्ट ऑफ वॉर नहीं है बल्कि ये एक स्ट्रैटेजी के तहत की गई कार्रवाई थी। सीनेट में सुनवाई के दौरान रुबियो ने 3 जनवरी को मादुरो की गिरफ्तारी के पीछे वाशिंगटन के तर्क को सामने रखा। सुनवाई की शुरुआत में, रुबियो ने अंतरराष्ट्रीय कानून को लेकर संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों के सवालों को खारिज कर दिया।

अमेरिकी सीनेटर मार्को रुबियो ने कहा है कि वेनेजुएला की स्थिति अस्थिर थी और उसे बचाना जरूरी था। उन्होंने स्पष्ट किया कि वेनेजुएला को लेकर अमेरिका के तीन उद्देश्य थे, जिनका अंतिम लक्ष्य एक ऐसे इन्फेक्शन को खत्म करना था जिसके बाद एक वेनेजुएला डेमोक्रोटिक बने।

सुनवाई के दौरान रुबियो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस फैसले का बचाव किया, जिसमें मादुरो सरकार के अधिकारियों से बातचीत जारी रखने का विकल्प चुना गया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने तुरंत विपक्ष के सत्ता संभालने के समर्थन के बजाय संवाद को प्राथमिकता दी। रुबियो के अनुसार पहली प्राथमिकता वेनेजुएला में गृह युद्ध को रोकना था। इसके लिए उन लोगों से सीधे, ईमानदार और सम्मानजनक बातचीत की कोशिश की गई, जो फिलहाल देश को कंट्रोल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरा बड़ा मकसद देश को फिर से संभालने पर ध्यान देना है। इसके तहत वेनेजुएला के तेल उद्योग को दोबारा चालू और मजबूत करना है।

ईरान में तख्तापलट करने जा रहे ट्रंप

शिया देश ने स्वागत में तैनात कीं 2000 मिसाइलें, डूबेगा एयरक्राफ्ट कैरियर?

तेहरान/वॉशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी हमले के खिलाफ ईरान ने 2000 से ज्यादा एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को तैनात कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल जून में इजरायल से 12 दिनों तक चली लड़ाई के बाद भी ईरान का मिसाइल भंडार भरा हुआ है। इसने अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि ईरान भले कमजोर है, लेकिन वो अमेरिकी हमलों के खिलाफ घातक जवाब देने की ताकत रखता है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप का मकसद ईरान में ऐसे हालात का निर्माण करना है, ताकि सत्ता परिवर्तन हो सके।

ईरान के पास अनुमानित तौर पर 2000 मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइलें होने का अनुमान है, जिनसे वो मिडिल ईस्ट में किसी भी अमेरिकी सैन्य अड्डे पर भीषण हमले कर सकता है। इसके अलावा ईरान के पास कम दूरी की मिसाइलों का भी एक बड़ा भंडार है, जिससे वो खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमला करने में इस्तेमाल कर सकता है। हालांकि इन मिसाइलों की सही संख्या को लेकर पुख्ता तौर पर कुछ कहा नहीं जाता, क्योंकि अलग अलग खुफिया रिपोर्ट में अलग अलग आंकड़ा है, लेकिन हर आंकड़े में संख्या सैकड़ों मिसाइलें होने की बात कही गई है।

ईरान कहीं अमेरिका पर भारी न पड़ जाए!

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास अभी भी हजारों बैलिस्टिक मिसाइलों का ज्यादातर जखीरा सही-सलामत बचा हुआ है, जो उसे अमेरिका और मिडिल ईस्ट में उसके सहयोगियों को बड़ा नुकसान पहुंचाने की क्षमता देता है। ईरान के पास एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों और टॉरपीडो नावों का भी बड़ा जखीरा है। इसके अलावा ईरानी ड्रोन से बचने की भी चुनौती अमेरिका की नौसेना के सामने होगी। हालांकि ईरान के लिए एक सिरदर्द उसके पास मिसाइल लॉन्चरों की कमी हो सकती है।

जनवरी का आखिरी प्रदोष व्रत

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत को भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष कृपा पाने का उत्तम व्रत माना जाता है। मान्यता है कि प्रदोष काल में की गई शिव पूजा से व्यक्ति के जीवन से धन संबंधी परेशानियां दूर होती हैं और सुख-समृद्धि आती है। आइए जानते हैं जनवरी माह का आखिरी प्रदोष व्रत कब रखा जाएगा।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। यह दिन भगवान शिव की कृपा पाने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। जनवरी 2026 का आखिरी प्रदोष व्रत कल यानी 30 जनवरी को रखा जाएगा। शुक्रवार के दिन पड़ने के कारण इसे शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाएगा। मान्यता है कि शुक्र प्रदोष का व्रत रखने से न केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि आर्थिक तंगी से भी मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं इस व्रत का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व।

प्रदोष व्रत 2026 तिथि और शुभ मुहूर्त

पंचांग की गणना के अनुसार, माघ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का विवरण इस प्रकार है।

त्रयोदशी तिथि प्रारंभः 30 जनवरी 2026, 11:09 बजे से।

त्रयोदशी तिथि समाप्तः 31 जनवरी 2026, सुबह 08:25 बजे तक।

व्रत की तिथिः चूंकि प्रदोष काल में शिव पूजा का महत्व है, इसलिए यह व्रत 30 जनवरी 2026, शुक्रवार को ही रखा जाएगा।

पूजा का सबसे शुभ समयः भगवान शिव की पूजा के लिए शाम को 05:59 PM से रात 08:37 PM तक का समय सर्वश्रेष्ठ है। भक्तों के पास महादेव की आराधना के लिए लगभग ढाई घंटे का शुभ समय रहेगा।

शुक्र प्रदोष व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सप्ताह के अलग-अलग दिनों में पड़ने वाले प्रदोष व्रत का फल भी अलग होता है। शुक्र प्रदोष व्रत विशेष रूप से सौभाग्य, वैवाहिक सुख और धन-संपदा के लिए किया जाता है। प्रदोष काल वह समय होता है जब भगवान शिव कैलाश पर्वत पर प्रसन्न मुद्रा में नृत्य करते हैं। इस समय की गई पूजा से भोलेनाथ जल्द प्रसन्न होकर भक्तों के संकट दूर करते हैं।

प्रदोष व्रत की पूजा विधि

अगर आप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं या जीवन में सुख शांति चाहते हैं, तो इस विधि से पूजा करें। सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र (संभव हो तो सफेद) धारण करें। हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें। प्रदोष काल में दोबारा स्नान करें या हाथ-पैर धोकर स्वच्छ हो जाएं। शिव मंदिर जाएं या घर पर ही शिवलिंग का गंगाजल, दूध, दही, घी और शहद से अभिषेक करें। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा सफेद फूल और मिठाई अर्पित करें। पूजा के दौरान ॐ नमः शिवाय मंत्र का निरंतर जाप करें। शुक्र प्रदोष व्रत की कथा पढ़ें और अंत में शिव जी की आरती करें।शुक्र प्रदोष के दिन शिवलिंग पर सफेद चंदन का लेप लगाएं और खीर का भोग लगाएं। इससे शुक्र ग्रह मजबूत होता है और घर में सुख-सुविधाओं की वृद्धि होती है।

देवगुरु पर्वत की 8000 फीट की ऊंचाई पर बृहस्पति देव का मंदिर

उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। यहां हर पर्वत, हर नदी और हर मंदिर किसी न किसी पौराणिक कथा से जुड़ा हुआ है। इन्हीं रहस्यमयी और आस्था से भरे स्थलों में से एक है देवगुरु पर्वत पर स्थित भगवान बृहस्पति का प्राचीन मंदिर। समुद्र तल से करीब 8000 फीट की ऊंचाई पर बना यह मंदिर आज भी लोगों के लिए आस्था, तपस्या और ज्ञान का प्रतीक बना हुआ है।

देवभूमि उत्तराखंड अपनी गोद में न जाने कितने रहस्य और चमत्कार समेटे हुए है। जहां कण-कण में शंकर का वास माना जाता है, वहीं नैनीताल जिले के पास एक ऐसी चोटी है, जो देवताओं के गुरु बृहस्पति देव को समर्पित है। समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित देवगुरु पर्वत न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए, बल्कि अपनी आध्यात्मिक महत्ता के लिए भी प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं, क्यों खास है यह मंदिर और क्या है इसके पीछे की पौराणिक कहानी।

कहां स्थित है यह पावन धाम?

नैनीताल जिले के ओखलकांडा ब्लॉक में स्थित देवगुरु पर्वत पर बृहस्पति देव का यह प्राचीन मंदिर बना हुआ है। यह मंदिर उत्तराखंड के उन गिने-चुने स्थानों में से एक है, जहा विशेष रूप से गुरु बृहस्पति की पूजा की जाती है। पहाड़ों की ऊंची चोटियों और घने जंगलों के बीच बसा यह स्थान शांति और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र है।

मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब देवताओं और असुरों के बीच युद्ध की स्थितियां बनती थीं या जब देवताओं पर कोई संकट आता था, तब देवगुरु बृहस्पति इसी पर्वत पर बैठकर तपस्या और चिंतन करते थे। जाता है कि इसी स्थान पर देवगुरु ने कठिन तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें देवताओं के गुरु पद और नवग्रहों में स्थान दिया था। स्थानीय लोग बताते हैं कि प्राचीन काल में यहां कई महान ऋषियों ने भी साधना की है। आज भी श्रद्धालु यहां पनी कुंडली में गुरु दोष के निवारण और ज्ञान की प्राप्ति के लिए आते हैं।

मंदिर से जुड़ी मान्यताएं

ज्ञान और बुद्धि का केंद्रः छात्र और शिक्षा से जुड़े लोग यहां विशेष रूप से माथा टेकने आते हैं। मान्यता है कि यहाँ दर्शन मात्र से बुद्धि प्रखर होती है।

गुरुवार का विशेष महत्वः हर बृहस्पतिवार को यहाँ श्रद्धालुओं का तांता लगता है। पीले वस्त्र, पीले फूल और चने की दाल का भोग यहाँ मुख्य रूप से चढ़ाया जाता है।

कैसे पहुंचें देवगुरु पर्वत?

अगर आप इस दिव्य स्थान के दर्शन करना चाहते हैं, तो आपको पहले हल्द्वानी या काठगोदाम पहुंचना होगा। वहां से भीमताल होते हुए आप ओखलकांडा के लिए बस या टैक्सी ले सकते हैं। मुख्य सड़क से मंदिर तक पहुंचने के लिए कुछ किलोमीटर की चढ़ाई पैदल तय करनी पड़ती है, जो आपकी यात्रा को और भी यादगार बना देती है।

सोना और चांदी खरीदते समय गुलाबी कागज का क्यों किया जाता है इस्तेमाल?

गुलाबी कागज में सोना-चांदी लपेटना सिर्फ एक पुरानी परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी हैं। यह रंग गहनों को आकर्षक दिखाता है और उन्हें खरोंच व नमी से बचाता है। साथ ही, गुलाबी रंग को शुभ माना जाता है, जो इसे सौभाग्य और सुरक्षा का प्रतीक बनाता है। देश में सोना और चांदी खरीदना सिर्फ एक फाइनेंशियल इनवेस्टमेंट नहीं है, यह सदियों पुरानी परंपरा है। त्योहारों, शादियों और शुभ अवसरों पर सोने-चांदी के आभूषण खरीदना समृद्धि, सुरक्षा और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि ज्वेलरी की दुकान में जब भी आप सोना या चांदी खरीदने जाते हैं तो लगभग सभी जौहरी एक विशेष गुलाबी कागज में लपेटकर ज्वेलरी देते हैं। लोग उसे घर लेकर आ जाते हैं, लेकिन उन्होंने गुलाबी कागज के बारे में शायद ही कभी सोचा होगा, ऐसे में आइए जानते हैं कि क्या यह सिर्फ एक रिवाज है या फिर इसके पीछे कोई कारण जुड़ा हुआ है...

दरअसल, सुनार पीढ़ियों से सोने और चांदी को गुलाबी कागज में लपेटने की परंपरा का पालन करते आ रहे हैं। यह प्रथा छोटे-छोटे ग्रामीण दुकानों से लेकर बड़े-बड़े प्रतिष्ठित आभूषण स्टोरों तक हर जगह प्रचलित है। ग्राहकों को भी यह स्वाभाविक लगता है, लेकिन यह परंपरा महज एक रस्म नहीं है, इसके पीछे वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी हैं।

गुलाबी कागज देखने में लगता है आकर्षक

गुलाबी रंग कोमल और आंखों को भाने वाला होता है। सोने की प्राकृतिक पीली चमक इस रंग की पृष्ठभूमि पर और भी निखरती है। इससे गहने अधिक कीमती और आकर्षक लगते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, गुलाबी रंग उपभोक्ता के मन पर पॉजिटिव प्रभाव डालता है और खरीदारी के अनुभव को खास बनाता है।

गुलाबी कागज सुरक्षा में भी सहायक

गुलाबी कागज आमतौर पर मुलायम होता है और सोने-चांदी के गहनों को खरोंच या नुकसान से बचाता है। इसके अलावा, इस कागज पर हल्की परत चढ़ी होती है जो गहनों को खराब होने से बचाती है। यह नमी, पसीना और हवा में मौजूद तत्वों के प्रभाव को कम करता है। परिणामस्वरूप, गहने लंबे समय तक नए जैसे चमकते रहते हैं।

आस्था और सौभाग्य का प्रतीक

प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, सोना देवी लक्ष्मी से संबंधित धातु है। गुलाबी और लाल रंग शुभ माने जाते हैं और पॉजिटिव एनर्जी के प्रतीक हैं। इसी कारण गुलाबी कागज को बुरी नजर से सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे कागज में लिपटा सोना शुभ और सुरक्षित माना जाता है।

24 फरवरी से लग रहा है होलाष्टक भूलकर भी न करें ये शुभ काम!

होली से पहले के आठ दिन धार्मिक दृष्टि से बेहद खास माने जाते हैं। इन दिनों को होलाष्टक कहा जाता है। मान्यता है कि होलाष्टक की अवधि में नकारात्मक ऊर्जाएं अधिक सक्रिय रहती हैं, इसलिए इस समय कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य करने से बचना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं होलाष्टक क्या है, 2026 में होलाष्टक कब से शुरू हो रहा है और इस दौरान क्या करें और किन कामों से दूरी बनाना जरूरी है।

हिंदू धर्म में होली का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, लेकिन होली के हुड़दंग से ठीक 8 दिन पहले होलाष्टक लग जाता है।

ज्योतिष शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन 8 दिनों को शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना गया है।

अगर आप साल 2026 में शादी, मुंडन या गृह प्रवेश जैसे किसी बड़े मांगलिक कार्य की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं होलाष्टक की सही तिथि और इस दौरान बरती जाने वाली सावधानियां।

होलाष्टक 2026: कब से कब तक?

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक शुरू होता है और पूर्णिमा (होलिका दहन) तक रहता है।

होलाष्टक प्रारंभः 24 फरवरी 2026

होलाष्टक का समापन : 3 मार्च 2026 (होलिका दहन के साथ)

धुलेंडी (रंग वाली होली): 4 मार्च 2026

क्या होता है होलाष्टक?

होलाष्टक शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, होली और अष्टक (यानी आठ)। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन आठ दिनों में ग्रहों का स्वभाव काफी उग्र रहता है। शास्त्रों के अनुसार, इन्हीं दिनों में भक्त प्रह्लाद को उनके पिता हिरण्यकश्यप ने बेहद यातनाएं दी थीं। इसलिए, इन आठ दिनों को नकारात्मक ऊर्जा से भरा माना जाता है और इस दौरान वातावरण में शुभता की कमी रहती है।

होलाष्टक में क्या 'न' करें?

होलाष्टक के दौरान भूलकर भी नीचे दिए गए कार्य नहीं करने चाहिए, वरना इनके अशुभ परिणाम झेलने पड़ सकते हैं।

मांगलिक कार्यः विवाह, सगाई, मुंडन, और जनेऊ संस्कार जैसे शुभ कार्य पूरी तरह वर्जित हैं।

नया व्यवसायः इन दिनों में नया व्यापार या दुकान शुरू करना शुभ नहीं माना जाता।

गृह प्रवेश व निर्माणः न तो नए घर की नींव रखें और न ही नए घर में प्रवेश करें।

कीमती सामान की खरीदारीः नई गाड़ी, सोना-चांदी या जमीन-जायदाद की रजिस्ट्री करने से भी बचना चाहिए।

होलाष्टक में क्या 'करें'?

भले ही शुभ कार्य वर्जित हों, लेकिन यह समय भक्ति और साधना के लिए उत्तम माना जाता है।

दान-पुण्यः होलाष्टक में सामर्थ्य अनुसार गरीबों को अनाज, कपड़े और धन का दान करना लाभकारी होता है।

मंत्रों का जापः इस समय भगवान विष्णु और भगवान शिव की पूजा करना फलदायी रहता है। 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें।

घर में भारीपन और तनाव रहता है तो कपूर के साथ जलाएं ये दो चीजें

कपूर के साथ लोबान और गुग्गल जलाने से घर की हवा शुद्ध होती है, सूक्ष्म कीटाणु नष्ट होते हैं और नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकलने की मान्यता है। यह उपाय मानसिक शांति और बेहतर स्वास्थ्य का संकेत देता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, प्रदूषण और मानसिक तनाव के बीच कई बार घर में रहते हुए भी थकान, भारीपन और बेचैनी महसूस होती है। बिना किसी साफ वजह के चिड़चिड़ापन या सुस्ती रहना भी आम हो गया है। वास्तु और आयुर्वेद के अनुसार, ऐसा घर में जमा नकारात्मक ऊर्जा या रुकी हुई ऊर्जा के कारण हो सकता है। ऐसे में कपूर के साथ कुछ खास प्राकृतिक चीजों को जलाना घर के माहौल को फिर से हल्का

और सकारात्मक बनाने में मदद करता है।

लोबान और गुग्गल क्यों हैं खास

लोबान और गुग्गल पेड़ों से निकलने वाली प्राकृतिक राल होती हैं, जिन्हें प्राचीन समय से पूजा और आयुर्वेद में इस्तेमाल किया जाता रहा है। कपूर जहां तुरंत वातावरण को महकाकर ऊर्जा देता है, वहीं लोबान और गुग्गल हवा की गहराई से सफाई करते हैं। लोबान को तनाव कम करने और मन को शांत रखने के लिए जाना जाता है, जबकि गुग्गल वातावरण से हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में सहायक माना जाता है।

बीमारियों से मुक्ति

कपूर के साथ गुग्गल और लोबान जलाने से निकलने वाला धुआं एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होता है। यह घर के कोनों में छिपे सूक्ष्म कीटाणुओं को नष्ट करता है, जो सर्दी, खांसी और सांस से जुड़ी परेशानियों का कारण बन सकते हैं। खासतौर पर बदलते मौसम और मानसून के समय यह उपाय प्राकृतिक एयर प्यूरीफायर की तरह काम करता है।

नेगेटिव एनर्जी को बाहर निकालने का तरीका

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के कुछ हिस्सों में ऊर्जा का प्रवाह रुक सकता है, जिससे तनाव, कलह और आर्थिक परेशानियां बढ़ने लगती हैं। संध्या काल में पीतल के बर्तन या मिट्टी के दीपक में कपूर जलाकर उसमें थोड़ा सा लोबान और गुग्गल डालें। इस धुएं को पूरे घर में फैलाएं, खासकर अलमारियों के पीछे और अंधेरे कोनों में। मान्यता है कि इससे नकारात्मक वाइब्स दूर होती हैं।

जलाने की सही विधि और सावधानियां

दो टिकिया शुद्ध भीमसेनी यानी शुद्ध कपूर जलाएं और उस पर पिसा हुआ लोबान व गुग्गल डालें। धुआं बहुत तेज न हो, बस हल्की सुगंध फैलनी चाहिए। प्रक्रिया के बाद कुछ देर के लिए खिड़कियां खोल दें, ताकि ताजी हवा का संचार बना रहे।

फाल्गुन मास दो फरवरी से शुरू

फाल्गुन 2026 के प्रमुख व्रत-त्योहार

02 फरवरी- फाल्गुन माह का शुभारंभ
07 फरवरी- यशोदा जयंती
09 फरवरी- जानकी जयंती
13 फरवरी- विजया एकादशी
15 फरवरी- महाशिवरात्रि
17 फरवरी- फाल्गुन अमावस्या
19 फरवरी- फुलेरा दूज
24 फरवरी- होलाष्टक
27 फरवरी- आंवला एकादशी
03 मार्च- होलिका दहन
04 मार्च- होली (धुलेंडी)

पंचांग में फाल्गुन मास का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। यह वर्ष का बारहवां और आखिरी महीना होता है, जिसमें भगवान शिव, श्रीकृष्ण और विष्णु जी की उपासना का खास महत्व होता है। इसी महीने महाशिवरात्रि और होली जैसे बड़े पर्व मनाए जाते हैं। फाल्गुन के महीने में शुद्ध जल से स्नान करना और भगवान को सफेद फूल व अबीर-गुलाल अर्पित करना बेहद शुभ माना जाता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में फाल्गुन मास की शुरुआत 2 फरवरी से हो रही है, जो 3 मार्च तक चलेगा। आइए जानते हैं इस माह कौन-कौन से बड़े त्योहार पड़ते हैं।

फाल्गुन मास का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में फाल्गुन मास का विशेष स्थान है क्योंकि यह साल का बारहवां और अंतिम महीना होता है। इस महीने में शीत ऋतु (सर्दी) विदा लेती है और वसंत का पूर्ण आगमन होता है, जो मन में नई ऊर्जा भरता है। वफाल्गुन में दान और तर्पण का विशेष फल मिलता है। पितरों की शांति के लिए यह महीना उत्तम माना जाता है। चंद्रमा का जन्म भी इसी महीने में माना जाता है, इसलिए मानसिक शांति के लिए इस दौरान विशेष पूजा की जाती है।

किन देवी-देवताओं की होती है पूजा?

फाल्गुन मास में मुख्य रूप से तीन स्वरूपों की आराधना की जाती है।

भगवान शिवः महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव और शक्ति के मिलन का उत्सव मनाया जाता है। फाल्गुन में शिव पूजा से सभी संकट दूर होते हैं।

श्री कृष्णः यह महीना कान्हा की भक्ति का महीना है। फुलेरा दूज और होली के दौरान भगवान कृष्ण को गुलाल अर्पित किया जाता है।

चद्र देवः चूंकि फाल्गुन मास का नाम 'फाल्गुनी' नक्षत्र पर आधारित है, इसलिए इस महीने में चंद्रमा की पूजा करने से मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 30 जनवरी- 2026

अजित दादा पवार का जाना

बारामती के पास हुए चार्टर्ड विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु को केवल एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना कहकर टाला नहीं जा सकता। देखा जाए तो यह हादसा सत्ता, व्यवस्था और जिम्मेदारी की असफलता का प्रतीक है। मात्र 66 वर्षीय अजित पवार का इस तरह जाना न सिर्फ एक राजनीतिक युग का अंत है, बल्कि यह उस सिस्टम पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खडा करता है, जो वीआईपी सुरक्षा और विमानन मानकों के नाम पर सिर्फ कागज़ी भरोसे पर चलता रहा है। अजित पवार कोई साधारण नेता नहीं थे। वे सत्ता की उस कठोर शैली का प्रतिनिधित्व करते थे, जिसमें निर्णय लेने की भरपूर क्षमता थी। सुबह-सुबह मंत्रालय पहुंचकर अफसरों को काम पर लगाना, बजट और सिंचाई जैसे जटिल विभागों पर सीधी पकड़ और राजनीतिक दबाव में भी प्रशासनिक नियंत्रण बनाए रखने की उनमें गजब की खूबी थी। महाराष्ट्र की राजनीति जिस धुरी पर पिछले दो दशकों से घूम रही थी, उसमें अजित पवार केंद्रीय स्तंभ थे। उनका अचानक चले जाना सत्ता के संतुलन के लिए बडा झटका है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या महाराष्ट्र की राजनीति इतनी खोखली हो चुकी है कि एक व्यक्ति के जाने से पूरा ढांचा डगमगा जाए? पवार परिवार की विरासत किसे मिलेगी, पत्नी सुनेत्रा पवार को या बेटे पार्थ पवार को, यह बहस अपनी जगह है, लेकिन असली चिंता यह है कि राज्य की राजनीति फिर से व्यक्तिवाद और परिवारवाद की ओर ही लौटती दिख रही है। अजित पवार भाजपा-शिंदे गठबंधन के भीतर संतुलन का चेहरा थे। उनके न रहने से महायुति का अंदर से कमजोर होना तय माना जा रहा है। मराठा राजनीति, सहकारी संस्थाएं और ग्रामीण सत्ता संरचना तीनों पर अजीत दादा का अभाव अखरेगा। जब महाराष्ट्र पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है, तो यह और भी दुखदायी होगा। इस हादसे का दूसरा, और कहीं अधिक गंभीर पहलू देश की विमानन सुरक्षा से जुड़ा है। यह दुर्घटना ऐसे समय हुई है, जब सरकार हवाई सेवाओं के 'रिकॉर्ड विस्तार' का ढिंढोरा पीट रही है। सवाल लाजिम है कि क्या उड़ानों की संख्या बढ़ाने की होड़ में सुरक्षा व्यवस्था को नजरंदाज कर दिया जाएगा। क्या चार्टर्ड विमानों की जांच केवल रस्म अदायगी भर बनकर रह गई है? बार-बार तकनीकी खामियां, उड़ानों का रद्द होना, पायलटों की थकान और ग्राउंड-स्टाफ की कमी से विमानन क्षेत्र पहले से ही जूझ रहा है। इसके बाद भई भी नियामक संस्थाएं आंख मूंदे बैठी रहीं। खासकर वीआईपी मूवमेंट में इस्तेमाल होने वाले चार्टर्ड विमानों के रखरखाव और डीजीसीए की निगरानी पर अब कठोर सवाल उठना जरूरी है। हजारों उड़ानों का निरस्त होना कोई संयोग नहीं, बल्कि सिस्टम की जर्जरता का प्रमाण है। अब तो यह बहाना आम हो चुका है कि 'विजिबिलिटी' पर किसी का वश नहीं होता, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर आंखें मूंद लेना अपराध की श्रेणी में क्यों नहीं आता है? जब सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की उड़ान कितनी सुरक्षित है, यह सवाल अब अनदेखा करना खुद को ही धोखे में रखने जैसा है। अजित दादा पवार का जाना केवल एक नेता की मौत नहीं है। यह एक चेतावनी है, राजनीति के लिए भी और प्रशासन के लिए भी। संवेदना के शब्द बहुत हो चुके। अब जरूरत जवाबदेही तय करने की है। अगर इस हादसे के बाद भी विमानन सुरक्षा पर ठोस और कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो यह मौतें सिर्फ आंकड़ों में बदलती चली जाएंगी। इसलिए अब चेत जाने का समय है न कि शोक में डूब रहने का।

बापू की लाठी, पोते का प्लॉट

डॉ. सुरेश कुमार

शहर के उस 'शहीद चौक' पर, जहाँ धूल और कबूतरों की बीट ने इतिहास की गरिमा को एक नया रंग दे दिया था, रामभरोसे लाल 'सत्यवादी' खड़े होकर साबरमती के संत की प्रतिमा को ऐसे घूर रहे थे जैसे उनकी पिछली अटकी हुई फाइल की चाबी वहीं कहीं छिपी हो। 30 जनवरी की सुबह थी, और हवा में 'देशभक्ति' की वैसी ही अस्थायी लहर थी जैसी चुनाव के समय मुफ्त राशन के वादों की होती है। रामभरोसे लाल ने चश्मा साफ किया-जो गांधीवादी कम और 'कमीशन-वादी' ज्यादा लगता था-और अपने चेलों से बोले, देख रहे हो, बापू आज भी मुस्कुरा रहे हैं, शायद इसलिए कि उन्हें पता है कि इस देश में अहिंसा का इस्तेमाल अब केवल धरने पर बैठकर समोसे उड़ाने के लिए होता है। तभी वहां सुच्चा सिंह 'जुगाड़ी' अपनी हरियाणवी की लट्ठमार शैली और खाकी कुर्ते के साथ प्रकट हुए। सुच्चा सिंह ने आते ही प्रतिमा के चरणों में माथा ऐसे टेका जैसे कोई आयकर विभाग का छापा पड़ने पर भगवान के चरणों में गिरता है। अरे रामभरोसे, आज तो कति जमाई 'राम-राज्य' की फीलिंग ले रहा है तू! बापू की पुण्यतिथि पै सफेद टोपी पहन के ऐसे खड़ा है जैसे तूने कदे रिश्वत का नाम तक ना सुना हो। यो बता, आज का 'श्रद्धांजलि' का बजट कितना पास करवाया है? सुना है शहर के सारे बड़े ठग आज यहीं इकट्ठा होकर दो मिनट का मौन रखने वाले हैं, ताकि अगले एक साल के लिए झूठ बोलने की नई ऊर्जा मिल सके। रामभरोसे ने गहरी सांस ली और बोले, सुच्चा भाई, ये राजनीति है। यहाँ बापू के सिद्धांतों को केवल नोटों पर और दीवारों पर चिपकाया जाता है, आचरण में ले आए तो घर की ईंटें बिक जाएंगी। आज हम बापू को याद नहीं कर रहे, बल्कि उनके नाम पर अपनी उन तमाम फाइलों को 'पवित्र' कर रहे हैं जो साल भर मेज के नीचे से सरकी हैं। श्रद्धांजलि सभा का 'प्रोटोकॉल' इतना सख्त था कि अगर बापू खुद जीवित होकर आ जाते, तो सुरक्षा गार्ड उन्हें बिना आईडी कार्ड के अंदर घुसने नहीं देते। रामभरोसे लाल ने मंच संभाला और ऐसे गला साफ किया जैसे किसी पुरानी पाइपलाइन से कचरा निकाल रहे हों। उन्होंने माइक थामते ही 'अपरिग्रह' (जरूरत से ज्यादा जमा न करना) पर वह ऐतिहासिक भाषण देना शुरू किया, जिसे सुनकर उनकी अपनी ही कोठी की अलमारियां शर्म से सिसकने लगी होंगी। सुच्चा सिंह पास ही बैठे एक दूसरे नेता के कान में फुसफुसाए, यो रामभरोसे तो कति 'हरिश्चंद्र' का बाप बन रहा है। खुद के पास तीन प्लॉट अवैध कब्जे के हैं और भाषण में कह रहा है कि 'संग्रह करना पाप है'। ताऊ, इसा लागे है कि आज बापू की मूर्ति भी अपना डंडा उठाकर इन पै बरसाना शुरू कर देगी। मंच पर मौजूद नेताजी लच्छीराम ने माइक छीनते हुए कहा, साथियों, बापू ने कहा था कि बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत बोलो। इसीलिए हमने तय किया है कि हम विभाग के किसी भी भ्रष्टाचार को नहीं देखेंगे, घोटाले की बात नहीं सुनेंगे और सीबीआई के सामने कुछ नहीं बोलेंगे। सभा में जोरदार तालियां बजीं। यह तालियां बापू के लिए नहीं, बल्कि उस कलाकारी के लिए थीं जो सत्य का गला इतनी सफाई से घोंट रही थी कि खून का एक कतरा भी जमीन पर नहीं गिर रहा था। रामभरोसे ने मुस्कुराकर सुच्चा सिंह की ओर देखा, मानो कह रहे हों कि 'देख, इसे कहते हैं अहिंसक डकैती'। सुच्चा सिंह ने हरियाणवी में जवाब दिया, भाई, थारी ये 'अहिंसा' तो कति कमाल की है, इसमें गरीब का गला भी कट जावे और हाथ पै खून का दाग भी ना लागे। बापू तो शरीफ मानस थे, उन्हें क्या पता था कि उनके 'तीन बंदर' एक दिन सरकारी फाइल की 'आर-टी-आई' के जवाब बन जाएंगे।

शब्दों से युद्ध तक : 'अगला हमला' और बदलती वैश्विक रणनीति

आरके जैन

वॉशिंगटन की जमी हुई राजनीतिक हवा में जब यह वाक्य उछला- "अगला हमला बहुत भयानक होगा"-तो वह महज़ चेतावनी नहीं रहा, बल्कि भविष्य के अंधेरे की ओर फेंका गया एक साया बन गया। डोनाल्ड ट्रंप के शब्द कभी सामान्य नहीं होते; वे संकेत होते हैं, इशारे होते हैं, और कई बार इतिहास की धुरी मोड़ देने वाली घोषणाएँ भी, जैसे जनवरी 2026 में ट्रूथ सोशल पर उनकी पोस्ट में "द नेक्स्ट अटैक विल बी फ़ार वर्स!" का उद्घोष। 2026 की दहलीज़ पर खड़ी दुनिया, जो महामारी की थकान, जलवायु आपदाओं और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, इस वाक्य को सुनकर सिहर उठी। यह बयान युद्ध की औपचारिक घोषणा भले न हो, लेकिन उसकी गंध साफ महसूस होती है। यह डर भी पैदा करता है, भ्रम भी रचता है और पूरी मानवता को इस बेचैनी में डाल देता है कि अगली तबाही किस दिशा से आएगी।

स्वाभाविक है कि इस धमकी की सुई सबसे पहले ईरान पर जाकर टिकती है। अमेरिका और ईरान के संबंध दशकों से अविश्वास, प्रतिबंधों और टकराव की आग में जलते रहे हैं। परमाणु महत्वाकांक्षाएँ, इज़रायल के साथ छद्म युद्ध और फारस की खाड़ी में बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ पहले ही हालात को बारूद बना चुकी हैं। ऐसे माहौल में ट्रंप का यह बयान, और उसके साथ क्षेत्र में बढ़ती अमेरिकी सैन्य मौजूदगी, किसी संकेत से कम नहीं। यह साफ झलक देता है कि ईरान को चेताया जा रहा है कि अगर परमाणु डील नहीं हुई, तो अगला हमला पिछले (जून 2025 के स्ट्राइक्स) से "फ़ार वर्स" होगा।

ईरान की भीतरी हालत इस धमकी को और भी भयावह बना देती है। आर्थिक बदहाली, मुद्रा का गिरता मूल्य, बेरोजगारी और युवाओं के बीच पनपता असंतोष-इन सबके बीच सत्ता का कठोर रवैया समाज की जड़ों को कमजोर कर रहा है।

ट्रंप की भाषा मानो यह संदेश देती है कि अमेरिका इन दरारों को रणनीतिक अवसर की तरह देख रहा है। लेकिन इतिहास बार-बार यही सवाल उठाता है-क्या बाहरी सैन्य दबाव किसी देश को सुधार सकता है, या वह केवल अराजकता को और गहरा करता है? अनुभव बताता है कि ऐसे हमलों का सबसे भारी बोझ हमेशा सत्ता पर नहीं, बल्कि आम नागरिकों के कंधों पर ही टूटता है।

फिर भी ट्रंप की इस धमकी को केवल ईरान तक सीमित मानना एक गंभीर भूल होगी। उनकी राजनीति की सबसे पहचानने योग्य विशेषता यही है कि वह जानबूझकर अस्पष्ट रखी जाती है। रूस, जो यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिम से सीधे टकराव की स्थिति में है, आज भी अमेरिकी रणनीतिक सोच के केंद्र में बना हुआ है। चीन, जो ताइवान और दक्षिण चीन सागर में अपनी शक्ति का खुला प्रदर्शन कर रहा है, वॉशिंगटन के लिए एक दीर्घकालिक और निर्णायक चुनौती बन चुका है। वहीं उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम किसी भी क्षण हालात को विस्फोटक बना सकता है। हालांकि ट्रंप का यह स्पेसिफिक बयान ईरान पर केंद्रित है, लेकिन उनकी समग्र नीति (जैसे एनडीएस 2026) में चीन मुख्य थ्रेट है, और रूस/उत्तर कोरिया भी रडार पर बने हुए हैं। ऐसे परिदृश्य में "अगला हमला" एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक खुला संदेश बन जाता है-जो भी अमेरिकी लाल रेखाएं पार करेगा, उसके लिए परिणाम सुरक्षित नहीं होंगे।

आज के समय में युद्ध की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब लड़ाइयां केवल रणभूमि या सीमाओं तक सीमित नहीं रहीं। आर्थिक प्रतिबंध, साइबर हमले, सूचना युद्ध और कूटनीतिक दबाव आधुनिक युद्ध के सबसे प्रभावी हथियार बन चुके हैं। ट्रंप का यह बयान उसी मानसिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध का हिस्सा प्रतीत होता है। एक ही वाक्य वैश्विक बाजारों में भूचाल ला सकता है, तेल की कीमतों को आसमान पर पहुंचा सकता है और निवेशकों के भरोसे को डगमगा सकता है। आज शब्द मिसाइलों जितने ही घातक हो चुके हैं, और ट्रंप इस ताकत का इस्तेमाल करना भली-भांति जानते हैं। ट्रंप की इस रणनीति को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में "ब्रिंकमैनशिप" कहा जाता है-यानी दुनिया को जानबूझकर कगार तक ले जाना, ताकि सामने वाला पहले पीछे हट जाए। यह रणनीति दिखने में प्रभावी लग सकती है, लेकिन इसमें जोखिम असाधारण रूप से ऊंचा होता है।

कगार पर खड़े होकर संतुलन बिगड़ने में सिर्फ एक पल लगता है। यदि किसी संकेत को गलत समझ लिया गया, या किसी पक्ष ने जल्दबाजी में प्रतिक्रिया दे दी, तो सीमित टकराव भी पूर्ण युद्ध का रूप ले सकता है। खासकर तब, जब सामने खड़े देश भी तकनीकी और सैन्य रूप से सक्षम हों और पीछे हटने को तैयार न हों।

ट्रंप स्वयं को शांति का सौदागर कहलाना पसंद करते हैं, लेकिन उनकी भाषा में शांति की नरमी कम और शक्ति का कठोर प्रदर्शन अधिक झलकता है।

यही विरोधाभास उनकी राजनीति की स्थायी पहचान बन चुका है। उनका विश्वास है कि भय पैदा करके स्थिरता कायम की जा सकती है, जबकि इतिहास बार-बार साबित करता है कि डर अक्सर अस्थायी शांति और स्थायी संघर्ष को जन्म देता है। मध्य पूर्व पहले ही युद्ध, अस्थिरता और विभाजन की मार झेल रहा है। यदि वहां एक और बड़ा सैन्य टकराव भड़कता है, तो उसके झटके सीमाओं में नहीं रुकेंगे, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और सामूहिक सुरक्षा तंत्र को गहराई तक हिला देंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा नुकसान उस आम इंसान का होता है, जिसका किसी रणनीति, सत्ता या भू-राजनीतिक खेल से कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध की धमकियां नेताओं के भाषणों में जन्म लेती हैं, लेकिन उनकी कीमत नागरिक चुकाते हैं—घर उजड़ते हैं, रोज़गार छिन जाते हैं और डर रोज़मर्रा की जिंदगी का स्थायी साथी बन जाता है। ट्रंप की यह धमकी सुरक्षा का भरोसा नहीं देती, बल्कि अनिश्चितता और आशंका को और गहरा करती है। शायद यही कारण है कि इस बयान के बाद दुनिया के कई हिस्सों में बेचैनी और असहजता साफ महसूस की जा रही है।

ट्रंप का वर्तमान निशाना मुख्य रूप से ईरान है, जहाँ "मैसिव आर्माडा" भेजे जाने की तैयारी दिखाई दे रही है और परमाणु डील की सख़्त माँग दोहराई जा रही है। यह बयान एक असहज करने वाली सच्चाई को उजागर करता है-2026 की दुनिया तकनीक, सूचना और ज्ञान में चाहे जितनी भी उन्नत क्यों न हो गई हो, उसकी मानसिकता अब भी युद्ध की पुरानी और भयावह परछाइयों से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकी है। यदि सचमुच "अगला हमला" हुआ, तो वह केवल भयानक ही नहीं होगा, बल्कि ऐसा गहरा घाव छोड़ेगा जिसे भरने में दशकों नहीं, शायद पीढ़ियाँ लग जाएँ। अब यह वैश्विक समुदाय पर निर्भर करता है कि वह भय और टकराव के रास्ते पर आगे बढ़ता है, या संवाद, संयम और विवेक का साहसिक विकल्प चुनता है।

बड़े बेआबरू होकर प्रयागराज से लौटे अविमुक्तेश्वरानंद

मनोज अग्रवाल

प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या स्नान से रोके जाने के विवाद के बाद अब शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने लौटने का फैसला किया है. उन्होंने कहा कि प्रशासन ने उनसे माफी नहीं मांगी. इसे लेकर वह काफी दुखी हैं प्रयागराज में माघ मेले के दौरान हुए स्नान विवाद के बाद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने संगम नगरी से वापस लौटने का फैसला कर लिया है.अविमुक्तेश्वरानंद को मौनी अमावस्या के पावन स्नान से मेला पुलिस ने रोक दिया था. पुलिस पर आरोप लगे कि उनके शिष्यों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई. इस घटना के विरोध में शंकराचार्य बीते 10 दिनों से धरने पर बैठे थे.स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि वे अन्याय को अस्वीकार करते हैं और न्याय का इंतजार करेंगे. आज स्वर बोझिल हैं और शब्द साथ नहीं दे रहे हैं.

भारी मन लेकर प्रयाग से लौटना पड़ रहा है. प्रयाग में जो घटित हुआ उसने झकझोर दिया है. मन अत्यंत व्यथित है, बिना स्नान किए यहां से विदा ले रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि न्याय की प्रतीक्षा कभी समाप्त नहीं होती, लेकिन आत्मसम्मान से समझौता स्वीकार नहीं है.स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बताया कि आज सुबह प्रशासन की ओर से एक प्रस्ताव भेजा गया था. प्रस्ताव में कहा गया था कि जब भी वे स्नान के लिए जाना चाहें, उन्हें ससम्मान पालकी के साथ स्नान के लिए ले जाया जाएगा. यह भी जिक्र था कि उस दिन मौजूद अधिकारी खुद स्वागत के लिए उपस्थित रहेंगे और पुष्प वर्षा की जाएगी.

हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया. जिस माघ स्नान से देश और दुनिया में सनातन सांस्कृतिक और अध्यात्मिक संस्कृति का संदेश जाना चाहिए था उस सब को एक पालकी में सवार होकर स्नान की जिद कर रहे धर्मगुरु और प्रशासन के बीच पैदा विवाद ने ग्रहण बनकर डस लिया। सदियों से चले आ रहे प्रयागराज माघ स्नान की सनातनी महिमा को दरकिनार कर एक धर्मगुरु की अहमन्यता ने बखेड़ा खड़ा कर दिया है इस तरह एक माह चलने वाले जिस सनातनी महापर्व से देश के कोने-कोने तक और समूचे विश्व में अध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया जाना चाहिए था वह सिर्फ एक जबरिया महापद पर विराजमान धर्मगुरु की जिद से पैदा विवाद के चलते तमाम मीडिया को खुद पर केंद्रित कर संस्कृति और धर्म को ठेस पहुंचाने के धतकरम में फंस गया है।

यह एक बड़ा प्रोपेगेंडा है जिसकी कमान विरोधी दलों के नीति नियंताओ के हाथों में है और हमारे कथित धर्मगुरु उनकी उंगलियों के ईशारे पर एक महान संस्कृति के गौरव पूर्ण सांस्कृतिक अध्यात्मिक पर्व में विघ्न पहुंचाने

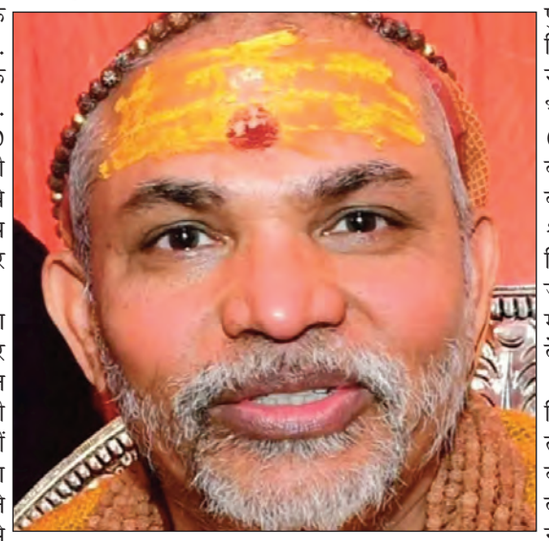

की कुचेष्ठा में फंसकर अपने अहम की तुष्टी कर रहे हैं। सवाल उठता है कि इन धर्मगुरु के लिए पालकी की सवारी अधिक महत्वपूर्ण है या माघ स्नान क्योकि इन्होंने सिर्फ अपनी पालकी से उतर कर पचास कदम पैदल चलना स्वीकार नहीं किया लेकिन माघ स्नान की परवी के स्नान को त्याग दिया स्पष्ट है कि इनके लिए सनातनी मान्यताओं से अधिक अपनी मिथ्या अहंकार और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन अधिक प्रिय है।

दरअसल यह वह व्यक्ति है जो पिछले एक लंबे समय से सनातन धर्मगुरु का चोला पहन कर सनातन को ही घोर अपमान और क्षति पहुचाने में व्यस्त हैं। इन दिनों अविमुक्तेश्वरानंद खुलेआम योगी आदित्यनाथ के लिए हुमायूं की औलाद औरंगजेब जैसे संबोधन बोल रहे हैं, योगी को संत मानने से इंकार कर रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ इतना एजेंडा सपा, कांग्रेस, बसपा और पूरा इंडी गठबंधन नहीं चला सका है, जितना एजेंडा ये तथाकथित शंकराचार्य चला रहे हैं। माघमेला में सभी अखाड़ों, हजारों संतों ने स्नान किया लेकिन कहीं कोई बवाल नहीं हुआ। करोड़ों श्रद्धालुओं ने स्नान किया लेकिन कहीं कोई बवाल नहीं हुआ जैसे ही अविमुक्तेश्वरानंद पहुंचे तो बवाल हो गया।

उनके नैरेटिव और इंगो के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ की जान के साथ नहीं खेला जा सकता है? अब आपको उस सनातन संस्कृति और सभ्यता का हवाला देते हैं जिसके पावन पुनीत ग्रंथ रामचरितमानस में लिखा है संतन्ह के लच्छन रघुबीरा। कहहु नाथ भव भंजन भीरा॥ हे रघुवीर! हे भव-भय (जन्म-मरण के भय) का नाश करने वाले मेरे नाथ! अब कृपा कर संतों के लक्षण कहिए!... श्री रामजी ने कहा- बिरति बिबेक बिनय बिग्याना। बोध जथारथ बेद पुराना॥ दंभ मान मद करहिं न काऊ। भूलि न देहिं कुमारग पाऊ॥॥

भावार्थ - संत वैराग्य, विवेक, विनय, विज्ञान (परमात्मा के तत्व का ज्ञान) और वेद-पुराण का यथार्थ ज्ञान रहता है। वे दम्भ, अभिमान और मद कभी नहीं करते और भूलकर भी कुमार्ग पर पैर नहीं रखते हैं। वे संत (काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर- इन) छह विकारों (दोषों) को जीते हुए, पापरहित, कामनारहित, निश्चल (स्थिरबुद्धि), अकिंचन (सर्वत्यागी), बाहर-भीतर से पवित्र, सुख के धाम, असीम ज्ञानवान्, इच्छारहित, मिताहारी, सत्यनिष्ठ, कवि, विद्वान, योगी हैं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अहम प्रशासन की व्यवस्था को स्वीकार करने में आड़े आ रहा था या वह जानबूझकर टकराव की स्थिति पैदा करना चाहते थे। यहां सवाल यही है कि शंकराचार्य राजनीतिक पूर्वाग्रह दुराग्रह से बाहर निकल रामचरितमानस की पंक्तियों पर चिंतन करें- संत हृदय नवनीत समाना और संत हृदय जस निर्मल बारि को चरितार्थ करें या धर्म का चोला उतार कर सीधे राजनीति में पदार्पण करें।

मुख्य सचिव ने हकीकत बयान कर दी

पुरुषोत्तम भदौरिया

कोई कलेक्टर बिना पैसे के नही करता है जनता के काम मध्य प्रदेश के मुख्यसचिव अनुराग कुमार जैन ने प्रदेश के जिलाधिकारियों पर बिना रिश्वत लिए आम जन का काम न करने का ठप्पा लगा दिया है यह सिर्फ आरोप नहीं हकीकत है। जिला में हर काम की दरें संबंधित विभाग के प्रमुख द्वारा तय कर दी गई है।

प्रदेश में भाजपा की सरकार पिछले चार बार से है तीसरी बार प्रदेश में कांग्रेस जीती थी। तब कमलनाथ के नेतृत्व में सरकार बनी लेकिन भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के विधायकों तोड़कर अपने पाले में लाकर भाजपा की सरकार बना ली। इस सरकार के बनने के बाद भाजपा में भ्रष्टाचार की वैतरिणी बहने लगी है। संबंधित मंत्रालयों के मंत्रियों ने ट्रांसफर पोस्टिंग में रेट तय कर दिए जाने के भी आरोप खुलेआम लगने लगे हैं। इसलिए अधिकारियों से वसूली के कारण हर जगह वसूली शुरू हो गई। जिलाधिकारी के अंडर में आने वाले खनिज पंजीयन आबकारी परिवहन सहित हर विभाग से हिस्सेदारी शुरू हो गई। परिणाम यह हुआ कि इन विभागों के द्वारा भी वसूली शुरू कर दी गई और वसूली से आई रकम नीचे से ऊपर तक पहुंचने लगी। कलेक्टरों ने सीधे रिश्वत मांगी जिसकी शिकायत होने पर जांच कराई गई और जांच में अशोकनगर जिले सहित कुछ और कलेक्टरो की शिकायतें सही पाई गई। हालांकि बाद में डैमेज कंट्रोल के लिए शासन ने अशोकनगर कलेक्टर को हटा दिया। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार केवल जिले के कार्यालयो में ही नहीं है इसकी जडें छोटे बड़े आफिस में ही फैल चुकी हैं। जहां देखो वहीं कीर्तन बजता रहता है कि हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे।

कुछ माह पहले परिवहन विभाग के सिपाही को करोड़ों की नकदी और 7 किलो सोने की सिल्ली के साथ भोपाल की लोकायुक्त टीम ने पकड़ा था। कुछ दिन मामला चला बाद में सरकार ने उसे ऐसा दबाया कि आज उसका कोई नामलेवा तक नहीं बचा है। इससे स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार की वैतरिणी में सभी अधिकारी अपने-अपने तरह से डुबकी लगा रहे हैं।

आरोप तो यह भी है कि जनप्रतिनिधि भी दूध के धुले नहीं है पत्थर की खदानों से लेकर रेत की खदानों पर नैतिक और अनैतिक तरीके से इनका अधिकार है। राजनेता जितनी जमीन का उत्खनन के लिए पट्टा कराते हैं उससे कई गुना जमीन पर पत्थर और मुरम का उत्खनन किया जा रहा है। इससे सरकार को करोड़ों की आर्थिक क्षति होती है। अभी कुछ माह पूर्व भाजपा विधायक पर अवैध उत्खनन के कारण कई सौ करोड़ का जुर्माना किया है लेकिन जुर्माने के बाद भी हर जगह भाजपा नेताओं द्वारा पत्थर और रेत का उत्खनन किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि इस अकूत अवैध कमाई को शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के माध्यम से हजम किया जा रहा है। अगर केंद्र सरकार जांच कराए तो हाइवे के दोनों ओर भाजपा नेताओं द्वारा खरीदीं गई सैकडों एकड जमीन के कागजात मिल सकते हैं।

कुछ तो है गांधी में

डॉ घनश्याम बादल

30 जनवरी 1948 को गोली खाकर देह त्यागने वाले गांधी की आज एक बार फिर देश में पुण्यतिथि मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति समेत देश के बड़े-बड़े नेता मंत्री, मुख्यमंत्री राजघाट पर जाकर एक बार फिर चार फूल गांधी की समाधि पर चढा रहे हैं लेकिन बहुत बड़ा सवाल यह है कि देश को आज़ादी दिलाने में अपने समय का अद्भुत योगदान देने वाले गांधी को हमने कितना समझा और कितना समझ कर भी न समझने का स्वांग रचा है।

1947 में आज़ादी पाने के बाद से ही गांधी की भूमिका पर सवाल उठने शुरू हो गए थे । देश का बंटवारा, पाकिस्तान को एक बड़ी रकम दिलवाना, खुद सत्ता में जिम्मेदारी न लेने के बावजूद सरकार को अपनी ही सोच के साथ चालवाने का अनशनकारी प्रयास गांधी जी के आज़ादी के बाद के व्यक्तित्व पर कई सवाल खड़े करता है लेकिन फिर भी कुछ तो चमत्कार रहा उसे डेढ़ पसली के व्यक्ति में जिसे आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिक ने एक चमत्कार कहा और माना कि आने वाली नस्लें इस बात पर यक़ीन नहीं करेंगी की कभी गांधी जैसा हाड़ मांस का बना इंसान भी पैदा हुआ होगा। 1947 के बाद से ही देश में नई सोच और नया चिंतन शुरू हो गया था । कुछ संकीर्णता वादियो की घातक सोच के चलते हुए ही गांधी जी आज़ादी के मैच डेढ़ साल बाद ही हिंसा का शिकार हो गए। वही हिंसा, जिसके ख़िलाफ़ वे जीवन भर लड़ते रहे और बिना हिंसा का सहारा लिए हुए उसे समय की दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के पंजों से देश की आज़ादी छीन कर ले आए ।

गांधी जी खुद उस हिंसा के शिकार हो गए तो सोचने वाली बात यह है कि कहीं न कहीं उनके जीते जी ही कुछ ऐसा चल रहा था जो उन्हें पसंद नहीं करता था और जब यह वैचारिक सोच प्रतिशोध पर उतरी तो हमने गांधी जैसे महान पुरुष को खो दिया। आज हम गांधी जी को याद करते हैं और याद करते हैं उन तीन गोलियां को जिन्होंने 'हे राम' कहने के बाद गांधी को एक शरीर से आत्मा में बदल दिया था ।

भले ही जिस पिस्टल से गोलियां निकली उसका ट्रिगर दबाने वाली उंगलियां नाथूराम गोडसे नाम के उन्मादी युवक की थी लेकिन ट्रिगर दबाने की सोच और ताकत उन उंगलियों को कहां से मिली इस पर आज भी विवाद है। गांधी की मौत के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि आज एक रोशनी की रुखसती का दिन है तो सारा देश उनसे सहमत था । हर तरफ एक अंदेशा और डर था कि अब क्या होगा और देश देश की दिशा, दशा कैसी होगी लेकिन यह सारे अंदेशे एक बार फिर भारतीयों के जज्बे और आज़ादी के प्रति उनके जुनून ने हाशिए पर पहुंचा दिए ।

जैसे गांधी चले गए वैसे ही इस लोकतांत्रिक देश में एक के बाद एक अलग-अलग सरकारें आती और जाती रहीं । एक लंबा समय उन सरकारों को मिला जो गांधी और उनके विचारों को प्रयोग करके सत्ता में आती रहीं और गांधी की गुण गाती रहीं। विपक्ष में बैठी एक खास सोच दबे स्वर में ही सही गांधी के विचारों, उनके आचरण, सोच , योगदान और उनके व्यक्तित्व पर उंगलियां उठती रहीं लेकिन यह आवाज़ बेहद कमजोर और अप्रासंगिक बनी रहीं।

दिल्ली में पहली बार 1977 में जब तक पार्टी की सरकार के रूप में ऐसी सत्ता ने दामन थामा जो उससे पहले की सरकारों से अलग थी। मगर उसका नेता भी गांधीवादी आंदोलन की देन था और गांधीवादी विचारों से ही ओतप्रोत था इसलिए उसे दौर में भी गांधी बन रहे । बदलाव की एक और हवा 1989 में आई जब विश्वनाथ प्रताप सिंह के सिर पर ताज रखा गया और उस छोटे से कार्यकाल में ही मंडल और कमंडल की भारी तबाही वाली राजनीति केंद्र में आ गई। अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में हिंदूवादी चिंतन सत्ता पर सवार रहा लेकिन गांधी पर उस दौर में भी कोई बड़ा आक्षेप नहीं लगा।

अटल सरकार के बाद 10 साल मनमोहन सिंह की सरकार के नाम रहा और फिर 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार का 2014 से वह दौर शुरू हुआ जब गांधी विरोधी ताकतों ने भी वोट तो गांधी के नाम के लिए लेकिन गांधी के निर्णय पर खुलकर उंगलियां उठाने से भी वह चूके नहीं। आज तो गांधी जी को राष्ट्रपिता मानने जैसे विचार पर भी आपत्ति व्यक्त की जाती है उन्हें देश के बंटवारे का सीधा-सीधा दोषी कहकर एक तरफ सरकाने की कोशिश की जाती और गांधी को अलग-अलग रखने की राजनीतिक कोशिश में भी जारी रहती हैं । आज गांधी की पुण्यतिथि है इसलिए गांधी को श्रद्धापूर्वक याद किए जाने की ज़रूरत है लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं कि गांधी की हर गलती को भुला दिया जाए।

पर, यदि गांधी ग़लती करके भी प्रासंगिक बने रहते हैं, देश का आम आदमी उन्हें आज भी पूजता है और दुनिया भर में जब-जब भी कहीं अहिंसा की बात के राजनीतिक मायने निकाले जाते हैं तो केवल और केवल गांधी ही याद आते हैं, जब भी स्वदेशी या अहिंसक आंदोलन की बात की जाती है तब भी केवल और केवल गांधी का ही स्मरण होता है, जब सत्ता में रहकर भी सत्ता से विरक्त रहने, सबके लिए सब कुछ करने और अपने लिए कुछ भी न चाहने के राजनीतिक निहित अर्थ ढूंढे जाते हैं तब भी केवल और केवल गांधी ही जीवन में आते हैं तो गांधी की प्रासंगिकता अपने आप सिद्ध हो जाती है।

बेशक गांधी भी एक हाड़ मांस के बने व्यक्ति थे उनके शरीर में भी मानव का वही मस्तिष्क था जो अपने प्रिय के लिए उसे पक्षपात ग़लत नहीं लगता तो अपनी सोच से अलग व्यक्ति को एक तरफ कर देने को भी वह सही मानता है । गांधी जी ने निश्चित ही कुछ गलतियां की लेकिन उसकी हर उपलब्धि पर उंगली उठाना उचित नहीं है।

'रणवीर सिंह ने किया दैव परंपरा का अपमान' एफआईआर के बाद पुलिस ने भेजा नोटिस

बॉलीवुड के एनर्जेटिक अभिनेता रणवीर सिंह कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। रणवीर के खिलाफ बेंगलूरू में एक एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह एफआईआर एडवोकेट प्रशांत मेथल द्वारा रणवीर सिंह पर पवित्र दैव परंपरा का अपमान और उपहास करने वाले कृत्यों के आरोप में दर्ज कराई गई है। ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' के दैव की नकल करने पर रणवीर के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगा है।

वकील ने बताया अब तक क्या कुछ हुआ

अब एडवोकेट प्रशांत मेथल ने एएनआई से बात करते हुए रणवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने वाली घटनाओं का विस्तृत विवरण दिया। वकील ने बताया कि 28 नवंबर 2025 को गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान अभिनेता रणवीर सिंह ने 'कंतारा चैप्टर 1' के 'गुलिगा दैवा' का मजाक उड़ाया और देवी चामुंडी को भूतनी कहकर संबोधित किया। इससे न केवल मेरी बल्कि लाखों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। 3 दिसंबर 2025 को मैं हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन गया और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। हाई ग्राउंड्स पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके बाद मैंने केंद्रीय प्रभाग के डिप्टी कमिश्नर और बेंगलुरु शहर के पुलिस कमिश्नर के पास एफआईआर दर्ज करने के निर्देश देने का अनुरोध करते हुए शिकायत दर्ज कराई। लेकिन सब व्यर्थ गया। इसलिए अंतत सभी ऑप्शन खत्म होने के बाद मैंने धारा 223 के तहत एक सक्षम न्यायालय में निजी शिकायत के रूप में अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

देवता को भूत कहना ईशनिंदा है

अधिवक्ता ने आगे बताया कि शिकायत में बीएनएस की धारा 196, 299 और 302 के तहत दंडनीय अपराध शामिल हैं। इसमें 3 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। 28 जनवरी 2026 को अदालत ने जांच का आदेश दिया और हाई ग्राउंड्स पुलिस इंस्पेक्टर को निर्देश जारी किया। इसके तहत पुलिस जांच शुरू करने से पहले एफआईआर दर्ज करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है। हाई ग्राउंड्स पुलिस ने अभिनेता को नोटिस भी जारी किया है। शिकायत में प्रशांत मेथल ने कहा कि रणवीर सिंह ने कथित तौर पर ऐसा काम किया है, जिससे पवित्र दैव परंपरा का अपमान और मजाक उड़ा है। देवता को भूत कहना ईशनिंदा है और हिंदू धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं का गंभीर अपमान है।

विवाद बढ़ने पर रणवीर ने मांगी थी माफी

यह विवाद पिछले साल गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) के समापन समारोह से शुरू हुआ था। जहां रणवीर सिंह ने 'कांतारा: चैप्टर 1' में ऋषभ शेट्टी की एक्टिंग की तारीफ करते हुए उनके किरदार की नकल की थी। इस दौरान रणवीर ने कहा था, 'मैंने वो फिल्म सिनेमाघरों में देखी थीष ऋषभ आपका अभिनय शानदार था। खासकर जब महिला भूत आपके शरीर में प्रवेश करती है, वो एक शॉट।' इस कार्यक्रम का वीडियो सामने आने के बाद रणवीर सिंह लोगों के निशाने पर आ गए थे। हालांकि, विवाद आगे बढ़ने पर रणवीर सिंह ने माफी भी मांग ली थी।

नंदमुरि खानदान का सबसे रईस सितारा कौन? बालैया-कल्याण राम- जूनियर एनटीआर, किसके पास है 1000 करोड की संपत्ति

नंदमुरी तारक रामाराव जी ने सिनेमा में करीब तीन दशकों तक राज किया. उस समय अन्नाजी की फिल्म रिलीज होती थी तो दोनों तेलुगु राज्यों में त्योहार जैसा माहौल रहता था. उनके नाम पर कोई ब्लॉकबस्टर नहीं बची थी. उनके नाम पर कोई इंडस्ट्री हिट नहीं बची थी. एक समय ऐसा था जब एनटीआर की फ्लॉप फिल्में भी कई हीरोज की हिट फिल्मों के कलेक्शन के बराबर होती थीं. उन्होंने तेलुगु दर्शकों के दिलों में ऐसी छाप छोड़ी थी जो कभी मिट नहीं सकती.

इतना ही नहीं, उन्होंने एक राजनेता के रूप में भी दोनों तेलुगु राज्यों में तहलका मचाया. मुख्यमंत्री के रूप में तेलुगु जनता को कई तरह की सेवाएं दीं. उनके बेटे भी इंडस्ट्री में जबरदस्त क्रेज हासिल कर चुके हैं. एनटीआर जी के 12 बच्चे हैं, जिनमें 8 बेटे और 4 बेटियां हैं.

उनके वारिसों ने इंडस्ट्री में एंट्री लेकर हीरो, निर्माता, डबिंग स्टूडियो, थिएटर के मालिक जैसे कई फिल्मी क्षेत्रों में काम किया. उनके पोते भी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं. एनटीआर के पोते के रूप में

इंडस्ट्री में एंट्री लेकर हीरो के तौर पर एक-दो फिल्में करने के बाद इंडस्ट्री से दूर हो गए लोगों में चैतन्य कृष्ण भी एक हैं.

फिल्मों से ज्यादा क्रेज नहीं मिला, लेकिन कई इंटरव्यू के जरिए चैतन्य काफी पॉपुलर हो गए. इस एक्टर ने अपने परिवार की संपत्ति के बारे में एक इंटरव्यू में बताया. नंदमुरी जयकृष्ण 'रामकृष्ण 70MM' थिएटर संभालते थे. रामकृष्ण 35MM, रामकृष्ण ग्लिटरैटी थिएटर नंदमुरी साईकृष्ण संभालते थे. होटलों को हरिकृष्ण संभालते थे.

तारक राम थिएटर को नंदमुरी मोहनकृष्ण संभालते थे. इसके अलावा मोहनकृष्ण सिनेमैटोग्राफर के तौर पर भी कई फिल्में कर चुके हैं. स्टूडियो को नंदमुरी जूनियर

रामकृष्ण संभालते थे. स्टूडियो में सभी की पार्टनरशिप है, ऐसा चैतन्य कृष्ण ने बताया. इसी तरह जयशंकर कृष्ण के पास चेन्नई में एक घर के साथ स्टूडियो में कुछ जमीन भी है. कुल मिलाकर सीनियर एनटीआर ने अपनी सारी संपत्ति अपने सभी बेटों में बराबर बांटी थी.

लेकिन सोशल मीडिया के मुताबिक, फिलहाल नंदमुरी हीरोज में सबसे ज्यादा संपत्ति बालैया बाबू के पास है. एक तरफ वे हीरो के तौर पर लगातार फिल्में कर रहे हैं, दूसरी तरफ राजनेता और बिजनेसमैन के तौर पर भी सफल हैं. बालैया की संपत्ति करीब 1000 करोड़ रुपये बताई जाती है. जूनियर एनटीआर के पास करीब 450 करोड़ रुपये की संपत्ति है, वहीं कल्याण राम के पास भी लगभग 400 करोड़ रुपये की संपत्ति है. फिलहाल यही तीनों इंडस्ट्री में सक्रिय हैं. कल्याण राम न सिर्फ हीरो बल्कि निर्माता के तौर पर भी फिल्में बना रहे हैं.

क्या बंद हो गई प्रभास की 'सालार 2'? 'द राजा साब' की असफलता बनी वजह!

पिछले काफी वक्त से ये चर्चाएं चल रही हैं कि 'द राजा साब' की असफलता के बाद प्रभास की 'सालार' का दूसरा पार्ट ठंडे बस्ते में चला गया है। इसके बाद प्रभास के फैंस को थोड़ा झटका जरूर लगा था। लेकिन अब मेकर्स ने 'सालार' को लेकर एक नई अपडेट दी है।

मेकर्स ने अटकलों पर लगाया विराम

मेकर्स की ओर फिल्म के बंद किए जाने की सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए 'सालार' के दूसरे पार्ट को लेकर जानकारी दी गई है। फिल्म निर्माताओं ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा करके इन अफवाहों को खारिज कर दिया। यह पोस्ट फिल्म में आद्या का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रुति हासन के जन्मदिन के अवसर पर साझा की गई थी। तस्वीर में श्रुति और प्रभास फोन में देखते हुए मुस्कुरा रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'आद्या देवा को दिखा रही है कि 'सालार 2' में उसके साथ क्या होता है!! आपको क्या लगता है वो क्या है?' मेकर्स की इस पोस्ट से मेकर्स ने साफ कर दिया 'सालार 2' बंद नहीं हुई है। इस पोस्ट ने प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर दिया, और कई लोगों ने इसे सीक्वल के पक्के संकेत के रूप में लिया।

'सालार 2' के बंद किए जाने की उठी थीं चर्चाएं

इससे पहले पिछले दिनों डेक्कन क्रॉनिकल की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि प्रभास की 2023 में आने वाली एक्शन एडवेंचर फिल्म के सीक्वल को अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया था कि यह संभवतः प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' के फ्लॉप होने के कारण लिया गया फैसला है। रिपोर्ट में कहा गया था कि निर्देशक प्रशांत नील और प्रभास दोनों ने 'सालार 2' को पूरी तरह से नया रूप देने का फैसला किया है। तीन साल पहले जो चल रहा था, वह अब नहीं चलेगा। दर्शकों की बदलती पसंद के अनुसार प्रोजेक्ट में बदलाव किए जा रहे हैं। हालांकि, अब मेकर्स ने इन सभी दावों को खारिज कर दिया है।

यह है फिल्म की कहानी

प्रशांत नील द्वारा निर्देशित 'सालार पार्ट 1' में प्रभास के अलावा श्रुति हासन और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म दो दोस्तों के बीच दुश्मनी की कहानी है।

फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे उनके आपसी संबंधों का खानसार पर असर पड़ता है। यह फिल्म 22 दिसंबर 2023 को तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी में रिलीज हुई थी। फिल्म में ईश्वरी राव, जगपति बाबू और श्रीया रेड्डी भी अहम भूमिका में हैं।

सनी देओल ने फैंस का जताया आभार बोले- आवाज आपके दिलों तक गई

वार ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन से अच्छी कमाई की है। इसका असर सोशल मीडिया पर साफ देखने को मिल रहा है। इस बीच, अभिनेता सनी देओल ने फैंस से मिल रहे प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें सनी देओल खुले माहौल में बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो में अभिनेता कहते हैं, आवाज कहां तक गई, आपके दिलों तक। आप सभी को मेरी फिल्म बॉर्डर 2 बहुत पसंद आई। इसके लिए धन्यवाद। मैं आप सभी से बहुत प्यार करता हूं। अभिनेता ने लिखा, मेरी, आपकी और हमारी फिल्म 'बॉर्डर 2' को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को रिपब्लिक डे वीकेंड पर रिलीज हुई थी। इसमें सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे सितारे मुख्य भूमिका में थे। इसके साथ ही आन्या, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा भी अहम भूमिका में नजर आईं।

यह 1997 की फिल्म 'बॉर्डर' की अगली कड़ी है, जो देशभक्ति और बहादुरी की कहानी बयां करती है। वहीं, फिल्म के गानों ने भी फैंस का काफी दिल जीता। फिल्म देखने के बाद आम दर्शकों समेत मनोरंजन जगत के बड़े-बड़े सेलेब्स भी इसकी तारीफ कर रहे हैं।

फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 295 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर दिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है।

बताया जा रहा है कि फिल्म का आखिरी पार्ट देखना लाजवाब है क्योंकि उसमें 1997 की बॉर्डर के मुख्य कलाकारों को भी दिखाया गया है।

'बॉर्डर 2' के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं।

श्रुति हासन के जन्मदिन पर मेकर्स का बड़ा तोहफा 'आकासमलो ओका तारा' में उनका पहला लुक जारी

साउथ सिनेमा के जाने-माने निर्देशक पवन साहिनेनी की अपकमिंग फिल्म 'आकासमलो ओका तारा' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में दुलकर सलमान के साथ सत्विका वीरवल्ली और अभिनेत्री श्रुति हासन अहम भूमिका में नजर आएंगी। बता दें कि अभिनेत्री का जन्मदिन बुधवार को मनाया जा रहा है। मेकर्स ने अभिनेत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनका पहला लुक जारी किया। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर श्रुति का फर्स्ट लुक जारी किया। इसमें श्रुति का लुक काफी इंटेंस और पावरफुल नजर आ रहा है, जिसमें वे चश्मा लगाए हुए हैं और एक मजबूत, आत्मविश्वासी अंदाज में नजर आ रही हैं। लुक जारी कर अभिनेत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्होंने लिखा, ₹हर मायने में एक ट्रेलब्लेजर...टीम 'आकासमलो ओका तारा' श्रुति हासन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

फिल्म का निर्देशन पवन सादिनेनी कर रहे हैं, जो अपनी अनोखी कहानी और अलग तरह के विजुअल स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। वहीं, फिल्म को गीता आर्ट्स और स्वप्ना सिनेमा ने प्रस्तुत किया है। इसके प्रोड्यूसर

संदीप गुन्नम और रम्या गुन्नम हैं। यह एक एडवेंचर-ड्रामा फिल्म है।

यह एक रोमांटिक या ड्रामा फिल्म हो सकती है, जो दुलकर सलमान के साथ श्रुति का पहला सहयोग है।

फिल्म को पैन-इंडिया में रिलीज होने की उम्मीदें जताई जा रही हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई साफ तौर पर पुष्टी नहीं की गई है। वहीं, श्रुति के जन्मदिन पर टीम ने पहले ही फिल्म का टीजर और फर्स्ट लुक जारी कर फैंस में काफी क्रेज पैदा किया था। इसी के साथ ही श्रुति ने एसएस राजामौली की मेगा बजट फिल्म 'वाराणसी' के लिए म्यूजिक कंपोजर एमएम कीरवानी के साथ मिलकर गाने को आवाज दी है। श्रुति हासन कमाल हासन की बेटी हैं। वे हिंदी से लेकर साउथ सिनेमा में अपनी अलग पहचान रखती हैं। उनका यह नया किरदार फैंस के लिए खास सरप्राइज साबित हो रहा है।

अब अक्षय कुमार की वजह से अटकी 'हेरा फेरी 3'? फिल्म को लेकर परेश रावल ने दी बड़ी अपडेट

'हेरा फेरी 3' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्म के बारे में हर छोटी-बड़ी अपडेट जानने को उत्सुक रहते हैं। हालांकि, पिछले साल परेश रावल के फिल्म से हटने की बात सामने आने के बाद फैंस को झटका लगा था। लेकिन अब बाद में वो फिर से फिल्म में शामिल हो गए। हालांकि, इसके बाद भी फिल्म की शूटिंग को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे फैंस थोड़ा चिंतित हैं। अब परेश रावल ने फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट साझा की है।

अक्षय और प्रोड्यूसर के बीच अटका है मामला

'द लावारी शो' से बातचीत में परेश रावल ने फिल्म को लेकर कहा कि 'हेरा फेरी 3' ट्रैक पर है, लेकिन कुछ शर्तें हैं। अभिनेता स्पष्ट किया कि फिल्म में देरी का कारण वह नहीं हैं, बल्कि अक्षय और निर्माताओं के बीच अनसुलझे मामले हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि फिल्म सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। फिल्म छोड़ने के बाद अक्षय द्वारा उन पर 25 करोड़ का मुकदमा दायर करने पर भी परेश रावल ने प्रतिक्रिया दी। मामले में शामिल रकम पर जोर देते हुए उन्होंने अक्षय कुमार को ही इस परेशानी का जिम्मेदार ठहराया और इसे तकनीकी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि यह सब जो इस बीच हुआ कि अक्षय कुमार ने मुझ पर 25 करोड़ रुपये का मुकदमा कर दिया है, ठीक है ना, ये तो बस कछुआ छाप अगरबत्ती की तरह है। परेश ने कहा कि अक्षय और निर्माताओं से जुड़े मुद्दे के सुलझने के बाद वह कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने के लिए तैयार हैं।

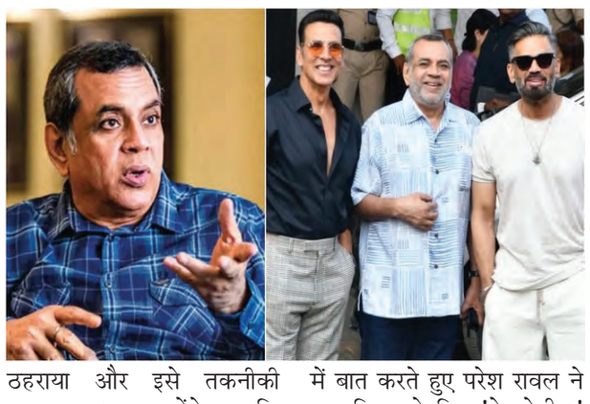

बाबू राव के बिना 'हेरा फेरी 3' संभव नहीं

अपने किरदार बाबू राव के बारे में बात करते हुए परेश रावल ने कहा कि उनके बिना 'हेरा फेरी 3' नहीं बन पाएगी। बाबू राव के बिना फिल्म बनाना एक विपदा होगी। लेकिन विनम्रता से भी मैं कह रहा हूं कि अगर वे बाबू राव के बिना हेरा फेरी बना रहे हैं, तो यह एक आपदा होगी। अगर दोनों पक्षों के बीच मामला सुलझ जाता है, तो मैं पेपर्स पर साइन कर दूंगा। यह 100% होगा।

अक्षय, परेश और सुनील शेट्टी की तिकड़ी की होगी वापसी

साल 2000 में शुरू हुई 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी की पिछली दोनों फिल्मों में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसीलिए जब 'हेरा फेरी 3' की घोषणा हुई तो मेकर्स ने साफ किया कि राजू, बाबू भैया और श्याम के किरदार में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी ही नजर आएंगे। वहीं फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ही करेंगे, जिन्होंने पहली 'हेरा फेरी' को भी निर्देशित किया था।

हालांकि, इन विवादों के चलते फिल्म की शूटिंग अभी तक शुरू नहीं हो पाई है और फैंस का इंतजार बढ़ता जा रहा है।

अंकिता लोखंडे ने उषा नाडकर्णी को बताया 'रॉकस्टार' सोशल मीडिया पर लिखा दिल छू लेने वाला नोट

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय सेतुपति की आगामी फिल्म 'गांधी टॉक्स' का टीजर मंगलवार को सामने आ गया। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है। फिल्म में एआर रहमान का म्यूजिक है, जो कहानी के उतार-चढ़ाव को जीवंत करेगा। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मराठी और हिंदी सिनेमा की वरिष्ठ कलाकार उषा नाडकर्णी भी शामिल हुईं। उन्हें फिल्म में काम करते देख उनकी पुरानी को-स्टार और 'पवित्र रिश्ता' फेम अभिनेत्री अंकिता लोखंडे भावुक हो गईं। अंकिता ने अपने इंस्टाग्राम पर उषा नाडकर्णी का एक वीडियो शेयर करते हुए उनके प्रति अपना सम्मान और प्यार व्यक्त किया।

अंकिता उन्हें प्यार से 'आई' (मां) कहकर बुलाती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में उषा जी

की जमकर तारीफ की और उन्हें एक 'रॉकस्टार' बताया। अंकिता ने लिखा, आई, आप वास्तव में एक रॉकस्टार हैं और हर तरह से हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। आपसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आप आज भी अपने काम के प्रति जुनूनी, समर्पित और विनम्र हैं। आपकी ईमानदारी और सादगी को मेरा सलाम है। मुझे आपसे बहुत प्यार है।

बता दें कि अंकिता और उषा ने टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता में साथ में काम किया था। इसमें उषा ने अंकिता की सास का रोल निभाया था। यह सीरियल 2009 में ऑन एयर हुआ था, जिसमें अंकिता लोखंडे और दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने अर्चना और मानव के रूप में लीड रोल निभाया था।

किशोर पांडुरंग द्वारा निर्देशित फिल्म 'गांधी टॉक्स' में विजय सेतुपति के अलावा अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ जाधव और महेश मांजरेकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'गांधी टॉक्स' के ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर पहले ही हलचल मचा दी है। यह फिल्म एक बेरोजगार की कहानी है, जिसे पड़ोसन अदिती राव से प्यार हो जाता है। एआर रहमान के दमदार संगीत और सेतुपति, स्वामी और अदिति के शानदार अभिनय ने ट्रेलर को और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया है। 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आत्मकथा लिख रहे रजनीकांत; बेटी ने किया खुलासा संघर्ष के दिनों से सुपरस्टार तक का सफर करेंगे साझा

साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' जल्द रिलीज होने वाली है। अब रजनीकंत की बेटी सौंदर्या रजनीकांत ने एक इंटरव्यू में बताया कि जल्द रजनीकांत अपनी आत्मकथा फैंस के बीच ला सकते हैं। एक्टर इसपर काम कर रहें हैं। सौंदर्या रजनीकांत अपनी आने वाली फिल्म 'विथ लव ' के प्रमोशन के लिए आई थी। फिल्म मेकर ने बताया कि इस आत्मकथा में 'थलाइवा' के वो पहलू भी सामने आयेगें जिन्हें कोई नहीं जानता।

रजनीकांत लिख रहे हैं अपनी आत्मकथा

एक इंटरव्यू में सौंदर्या ने अपने पिता रजनीकंत का जिक्र किया। सौंदर्या ने कहा कि रंजनीकांत अपनी आत्मकथा पर काम कर रहें हैं। फिल्म मेकर ने 'थलाइवा' के फैंस को बताया कि सुपरस्टार जल्द ही अपनी आत्मकथा को फैंस के बीच ला सकते है। जिसमें वो ये बताएगें कि किस तरह एक बस के कंडक्टर से फिल्मी दुनिया के सुपरस्टार तक का सफर तय किया। साथ ही इसमें वो अपने जीवन के उन घटनाओं के बारे में भी बताएगें जिन्हें उनके फैंस नहीं जानते।

निर्देशक लोकेश कनगराज ने भी दी थी खबर

कुछ समय पहले भी रजनीकांत के आत्मकथा लिखने की जानकारी ' कुली ' के निर्देशक लोकेश कनगराज ने भी दी थी। उन्होंने बताया था कि फिल्म ' कुली ' के प्रमोशन के दौरान रजनीकांत अपनी आत्मकथा में व्यस्त थे। आगे निर्देशक ने यह भी कहा कि वो हर रोज रजनीकांत को ' कुली ' के सेट पर कुछ लिखता हुआ देखते थे।

रजनीकांत 'जेलर 2'में आयेगें नजर

नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित 'जेलर 2' 2023 में आई उनकी सुपरहिट फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है। फिल्म में रजनीकांत के अलावा विद्या बालन, मिथुन चक्रवर्ती, एस. जे. सूर्या, राम्या कृष्णन और योगी बाबू सहित कई कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार और विनायकान जैसे कलाकारों के कैमियो भी देखने को मिलेंगे। 'जेलर 2' फिलहाल 12 जून 2026 रिलीज होनी है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं।

फिल्मी परिवार से ताल्लुक, 20 साल तक दिए कल्ट हिट्स कहलाया थ्रिलर किंग, फिर भी नहीं जीता एक भी अवॉर्ड

बॉलीवुड में एक ऐसा सितारे भी है, जिसने फिल्मी परिवार से ताल्लुक होने के बावजूद अपनी पहचान खुद गढ़ी. करीब दो दशकों तक उसने लगातार ऐसी फिल्में दीं जिन्हें आज भी 'कल्ट क्लासिक' माना जाता है. रोमांस हो, सस्पेंस हो या डार्क थ्रिलर हर जॉनर में उसने अलग तरह की भूमिकाएं चुनकर दर्शकों को चौंकाया.खासकर 2000 के दशक में उसकी फिल्मों ने युवा दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज पैदा किया और उसे 'थ्रिलर किंग' जैसी उपाधि भी मिली.दिलचस्प बात यह है कि कई सुपरहिट और चर्चित फिल्मों के बावजूद अवॉर्ड्स की ट्रॉफी उससे हमेशा दूर रही. नॉमिनेशन तो कई बार मिले, लेकिन जीत कभी नहीं मिली. इसके बावजूद उसकी लोकप्रियता कम नहीं हुई, बल्कि दर्शकों का प्यार लगातार बढ़ता गया. जानते हैं किसकी बात कर रहे हैं?

इमरान हाशमी का करियर किसी तय ढर्रे पर नहीं चला. उन्होंने हमेशा अलग और बोल्ड सब्जेट वाली फिल्मों का चुनाव किया. डार्क रोमांस, सस्पेंस और थ्रिलर जैसे जॉनर में उन्होंने जो छाप छोड़ी, उसने 2000 के दशक के मध्य में बॉलीवुड की दिशा ही बदल दी. जहर, आशिक बनाया आपने, कलयुग, अक्सर और गैंगस्टर जैसी फिल्मों ने उन्हें एक नए तरह के हीरो के रूप में स्थापित किया.

इमरान हाशमी का फिल्मी परिवार से गहरा नाता है. वह आलिया भट्ट, पूजा भट्ट और राहुल भट्ट के कजिन हैं. यह रिश्ता उनकी नानी पूर्णिमा दास के जरिए जुड़ता है, जो महेश भट्ट और मुकेश भट्ट की मां की बहन थीं. यानी महेश और मुकेश भट्ट उनके मामा लगते हैं. हालांकि, पारिवारिक कनेक्शन के बावजूद इमरान ने अपनी पहचान खुद बनाई.

उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट 2004 की फिल्म मर्डर रही, जिसे अनुराग बसु ने निर्देशित किया था. इस फिल्म में उनके किरदार ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया. इसके बाद 'सीरियल किसर' का टैग भी उन्हें मिला, जिसने शुरुआत में उन्हें सुर्खियां दीं, लेकिन बाद में यह उनकी बहुमुखी प्रतिभा पर हावी होने लगा. बावजूद इसके उन्होंने अपनी इमेज से बाहर निकलकर कई गंभीर और दमदार भूमिकाएं निभाईं.

2010 में आई 'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई' ने उनके अभिनय की नई परतें दिखाईं. मिलन लुथरिया की इस पीरियड ड्रामा फिल्म में उनके प्रदर्शन को आलोचकों ने खूब सराहा. वहीं द डर्टी पिक्चर उनके करियर की सबसे सफल फिल्मों में से एक साबित हुई, जिसमें उन्होंने विद्या बालन के साथ एक परिपक्व और संयमित किरदार निभाया. यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और उनके अभिनय की नई पहचान बनी.

इसके अलावा आवारापन, जन्नत, राज 3, शंघाई, हमारी अधूरी कहानी जैसी फिल्मों ने साबित किया कि इमरान केवल रोमांटिक या बोल्ड इमेज तक सीमित नहीं हैं. दिलचस्प बात यह है कि उन्हें कई बार नामांकन मिले, लेकिन कोई बड़ा अवॉर्ड नहीं मिला.खुद इमरान कई इंटरव्यू में कह चुके हैं कि उन्हें अवॉर्ड समारोहों से ज्यादा दर्शकों का प्यार मायने रखता है.

दो दशक से ज्यादा लंबे करियर में इमरान हाशमी ने यह साबित कर दिया कि असली सफलता ट्रॉफियों से नहीं, बल्कि दर्शकों के दिलों में जगह बनाने से मिलती है. यही वजह है कि आज भी फैंस कहते हैं 'आधा बॉलीवुड एक तरफ, इमरान हाशमी एक तरफ.'

जॉन अब्राहम का बदला-बदला अंदाज, 54 की उम्र में पहचानना मुश्किल, फैंस हैरान बोले- 'ये क्या हो गया'

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम अपने दमदार एक्शन अवतार और सिग्नेचर दाढ़ी वाले लुक के लिए जाने जाते हैं. 54 की उम्र में उनका नया स्टाइल देख फैंस हैरान हैं. हाल ही में उनका एक नया क्लीन शेव ट्रांसफॉर्मेशन सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसने फैंस को हैरान कर दिया. दाढ़ी के बिना वे इतने अलग लग रहे हैं कि सोशल मीडिया पर लोग उन्हें पहचान नहीं पा रहे हैं और पूछ रहे हैं कि आखिर हुआ क्या है?

हाल ही में जॉन अब्राहम का क्लीन शेव ट्रांसफॉर्मेशन सोशल मीडिया पर सामने आया. नए लुक कुछ लोगों को पसंद आ रहा है. तो उनके कुछ फैंस बोल रहे हैं कि उन्हें क्लीन शेव नहीं होना चाहिए था.

कैसी है तस्वीर?

इंटरनेट पर वायरल हुई तस्वीरों में जॉन काले टी-शर्ट में अपनी टीम के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं. उनकी सॉल्ट एंड पेपर हेयर और क्लीन शेव्ड फेस ने उनके फीचर्स को और हाइलाइट कर दिया है. यह बदलाव इतना जबरदस्त है कि कई फैंस ने उन्हें पहचानने में भी देर लगा दी और उनकी सेहत को लेकर चर्चा शुरू हो गई है.

54 साल के जॉन अब्राहम हमेशा फिटनेस पर फोकस करते रहे हैं. उनके एक फैन ने इंस्टाग्राम पर ये फोटो शेयर की और लिखा- 'शायद में भ्रम में जी रहा हूं. लेकिन IPS राकेश मारिया की बायोपिक की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसी वजह से जॉन हाल ही में क्लीन-शेव लुक में नजर आए. अब कयास लगाए जा रहे हैं कि वह जल्द ही 'फोर्स 3' के लिए दोबारा दाढ़ी बढ़ाते दिखेंगे. हालांकि, इन प्रोजेक्ट्स को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि बाकी है, लेकिन जॉन का बदला हुआ लुक अटकलों को जरूर हवा दे रहा है.

फैंस की रिएक्शन में मिक्स्ड रिस्पॉन्स आया है. कुछ ने इसे 'कंपलीट ट्रांसफॉर्मेशन' कहा तो कई ने हैरानी जताई. एक यूजर ने लिखा, 'ये क्या हो गया जॉन को?' वहीं, दूसरे ने कमेंट किया, 'दाढ़ी वापस बढ़ा लो!'

कुछ ने उनकी सेहत पर सवाल उठाए, जैसे 'वे बीमार लग रहे हैं' या 'क्या ये असली फोटो है?' एक कॉमेंट में कहा गया, 'वजन कम होने से चेहरा दुबला और झुर्रियां ज्यादा दिख रही हैं.' कुछ फैंस ने उनका बचाव भी किया. एक ने लिखा, 'उम्र के हिसाब से वे ऐसे ही दिखने चाहिए, 54 साल के हैं.' दूसरे ने लिखा, 'उन्हें जज मत करो.'

महिलाएं जब पूरी ताकत से गेम में उतरती हैं, तो कोई उनके सामने खड़ा नहीं हो सकता : युविका चौधरी

एक्ट्रेस युविका चौधरी जल्द ही अपकमिंग रियलिटी शो 'द 50' में नजर आएंगी, उन्होंने रियलिटी शो में महिलाओं के साथ होने वाले दोहरे मापदंडों पर खुलकर बात की। जहां अक्सर उनकी भावनाओं को गलत या कमजोर समझा जाता है। इस धारणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कि महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अपनी कमजोरी या भावनाएं दिखाने पर ज्यादा सख्ती से जज किया जाता है, युविका ने कहा कि जब महिलाएं पूरे विश्वास के साथ गेम में उतरती हैं, तो वे एक ऐसी ताकत बन जाती हैं जिसे कोई रोक नहीं सकता और वे शानदार प्रस्तुति देती हैं।

उन्होंने बताया, जब कोई महिला सच में खेलती है, तो किसी और के लिए कोई जगह नहीं बचती। अगर महिलाएं पूरी तरह से गेम में उतरती हैं, तो कोई उनके सामने खड़ा नहीं हो सकता, वे इतनी मजबूत होती हैं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह अपनी इस यात्रा को अपनी व्यक्तिगत भागीदारी से कहीं ज्यादा देखती हैं। युविका ने बताया, मुझे ऐसा ही लगता है। मैं यहां सभी महिलाओं को रिप्रेजेंट करने और दुनिया को यह दिखाने आई हूं कि हम सब बहुत कुछ कर सकती हैं। बस अपने लिए स्टैंड लो।

युविका 'ओम शांति ओम' और 'तो बात पक्की!' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। साल 2009 में वह कन्नड़ फिल्म मलयाली जोतयाली में गणेश के साथ लीड रोल में भी काम कर चुकी हैं। साल 2015 में वह रियलिटी शो बिग बॉस 9 में कंटेस्टेंट थीं और साल 2019 में उन्होंने पति प्रिंस नरूला के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 9 में हिस्सा लिया और विनर बनीं।

उन्हें पिछली बार अंकुश भट्ट निर्देशित साइबर वार में देखा गया था। इसमें मोहित मलिक और सनाया ईरानी भी उनके साथ लीड रोल में हैं।

युविका नच बलिए के बाद एक बार फिर से पति के साथ रियलिटी शो में नजर आएंगी। युविका की प्रिंस से मुलाकात बिग बॉस 9 के सेट पर हुई थी। प्रिंस ने साल 2018 में उन्हें प्रपोज किया और उनकी सगाई हो गई। उन्होंने साल 2018 में मुंबई में शादी की। उनकी एक बेटी है।

बनिजय एशिया के रियलिटी शो द 50 जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर स्ट्रीम होने वाला, द 50 में युविका चौधरी, प्रिंस नरूला के साथ रिद्धि डोगरा, करण पटेल, मिस्टर फैजू, मोनालिसा, विक्रांत सिंह, दिव्या अग्रवाल, शाइनी दोशी, दुष्यंत कुकरेजा, शिव ठाकरे, नीलम गिरी, डिंपल सिंह, चाहत पांडे, हामिद बार्कजी, सुमायरा शेख, लवकेश कटारिया, नेहल चुडासमा, सपना चौधरी, निक्की तंबोली, अरबाज पटेल, वंशज सिंह, कृष्णा श्रॉफ समेत अन्य सितारे नजर आएंगे।

क्या 'बॉर्डर 2' की वजह से अरिजीत सिंह ने छोड़ी प्लेबैक सिंगिंग? प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने दी तीखी प्रतिक्रिया

सिंगर अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की घोषणा से फैंस दुखी हैं। इसी बीच एक चर्चा सोशल मीडिया पर यह भी है कि फिल्म 'बॉर्डर 2' के गाने 'घर कब आओगे' को अरिजीत से जबरदस्ती रिकॉर्ड करवाया गया। इस मामले पर जब टी-सीरीज के मालिक और प्रोड्यूसर भूषण कुमार से सवाल किया गया तो वह काफी नाराज नजर आए। उन्होंने इस मामले पर क्या रिएक्शन दिया, जानिए?

भूषण कुमार बोले- यह सब बकवास है

अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने और 'घर कब आओगे' गाने की कंट्रोवर्सी को लेकर भूषण कुमार ने हालिया एक इंटरव्यू में अपना पक्ष रखा है। वह एचटी सिटी को दिए एक इंटरव्यू में कहते हैं, 'प्लीज अरिजीत को फोन करके पूछिए, यह सब बकवास है।'

अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की पीछे क्या वजह बताई?

अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर अरिजीत ने एक पोस्ट किया और अपने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने का ऐलान किया। वह पोस्ट लिखा, 'इसका सिर्फ एक कारण नहीं है। कई कारण हैं। मैं इस बारे में काफी समय से सोच रहा था। आखिरकार मैंने हिम्मत जुटा ली है।' अरिजीत सिंह ने बताया कि उनका जाना किसी खास घटना का नतीजा नहीं था बल्कि यह एक धीरे-धीरे होने वाला प्रोसेस था।

अपने बचे हुए प्रोजेक्ट्स को पूरा करेंगे अरिजीत सिंह

अरिजीत सिंह ने फैंस को भरोसा दिलाया कि वह अपने बचे हुए प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स को पूरा करेंगे। वह पोस्ट में लिखते हैं, 'मेरे पास अभी भी कुछ काम बाकी हैं, जिन्हें मुझे पूरा करना है। मैं उन्हें पूरा करूंगा। इसलिए हो सकता है कि आप इस साल कुछ और गाने रिलीज होते हुए देखें। बस यह साफ कर दूं, मैं म्यूजिक बनाना बंद नहीं करूंगा।'

'फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की एक्सपायरी डेट होती है' 'बॉर्डर 2' एक्ट्रेस मोना सिंह ने क्यों कही ऐसी बात?

एक्ट्रेस मोना सिंह फिल्म 'बॉर्डर 2' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। वह जल्द ही 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आने वाली है। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर का चैलेंजिंग रोल निभा रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार और फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी उम्र के कलाकारों के बारे में बात की है।

स्क्रीन पर बूढ़ी क्यों दिखती हैं मोना?

मोना सिंह ने 40 की उम्र में भी स्क्रीन पर 50 और 60 साल के किरदारों को निभाने के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी ऑन-स्क्रीन उम्र की परवाह नहीं की है, क्योंकि मैं बहुत कॉन्फिडेंट हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है, इसलिए मैं रिस्क लेती रहती हूं। लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं, 'आप स्क्रीन पर इतनी बूढ़ी क्यों दिखती हैं?' मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह वह किरदार है जिसे मैं निभा रही हूं और यह मुझे सच में एक्साइट करता है।'

60 की उम्र में पुरुष करते हैं रोमांटिक रोल

एक्ट्रेस ने माना कि इंडस्ट्री में लोग बड़ी उम्र के एक्टर्स को अच्छे रोल देने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ इसी इंडस्ट्री में होता है कि महिलाओं की एक एक्सपायरी डेट होती है। यह बहुत दुख की बात है। 60 साल के पुरुष अभी भी रोमांटिक लीड रोल कर सकते हैं, जबकि महिलाएं नहीं कर सकतीं। मैंने कभी इस बारे में ज्यादा परवाह नहीं की।'

'बॉर्डर 2' में मोना का किरदार

आपको बता दें कि मोना सिंह ने 23 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' में सनी देओल की पत्नी का किरदार निभाया है। इसके लिए उनकी काफी तारीफ हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। छह दिनों में इसने 213 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

कब रिलीज होगी 'कोहरा 2'?

मोना ने 'कोहरा सीजन 2' का हिस्सा बनने को एक बहुत बड़ा सम्मान बताया। दूसरे सीजन में, वह धनवंत कौर का रोल निभा रही हैं। 'कोहरा 2' 11 फरवरी को रिलीज होगी।

कौन हैं उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया? 300 करोड़ कमाने वाली फिल्म के सीक्वल में आएंगी नजर

धर्म परिवर्तन पर आधारित 'द केरल स्टोरी' की कहानी ने दर्शकों के झकझोंर कर रख दिया था। अब इस फिल्म के मेकर्स ने दूसरे पार्ट का भी ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर 'द केरल स्टोरी 2' का फर्स्ट लुक शेयर किया गया है। इस फिल्म में तीन नई एक्ट्रेस उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया नजर आएंगी। जानिए, ये तीनों एक्ट्रेस कौन हैं? इनका करियर प्रोफाइल क्या है?

उल्का गुप्ता

उल्का गुप्ता पहली बार टीवी सीरियल 'झांसी' की रानी में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।

हिंदी टीवी इंडस्ट्री में काम करने के बाद उल्का ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया।

उल्का की पहली तेलुगु फिल्म 2015 में 'आंध्र पोरी' नाम से रिलीज हुई थी।

उल्का गुप्ता ने रणवीर सिंह की 'सिम्बा' में भी अभिनय किया था।

उल्का को अपने उम्दा अभिनय के लिए कई टीवी अवॉर्ड भी मिल चुके हैं।

ऐश्वर्या ओझा

ऐश्वर्या ओझा ने अमिताभ बच्चन के साथ एक कमर्शियल करके अपने करियर की शुरुआत की थी।

वेब सीरीज 'हाफ सीए' में भी एश्वर्या ओझा ने अभिनय किया था।

ऐश्वर्या ओझा ने 'रामयुग' में माता सीता का किरदार भी निभाया था।

तापसी पन्नू की फिल्म 'हसीना दिलरुबा' में भी ऐश्वर्या नजर आई थीं।

साउथ सुपरस्टार मोहनलाल और पृथवीराज सुकुमारन के साथ वो 'L2 एम्पुरान' का भी हिस्सा रही थीं।

अदिति भाटिया

अदिति भाटिया ने चाइल्ड एक्टर के तौर पर करियर की शुरुआत की थी।

टेलीवीजन के फेमस शो 'ये हैं मोहब्बतें' में उन्होंने रुही का किरदार निभाया था।

अदिति भाटिया फिल्म 'विवाह' में भी नजर आई थीं, वह उस वक्त 7 साल की थीं।

'शूटआउट एट लोखंडवाला' फिल्म में भी अदिति भाटिया ने अभिनय किया था।

अब अदिति एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर पर सक्रिया हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 6.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

महिलाओं को लेकर दिए बयान पर ट्रोल हुईं रानी मुखर्जी फूटा यूजर्स का गुस्सा; बोले- आपको यह मजाक लग रहा है?

रानी मुखर्जी ने हाल ही में इंडस्ट्री में अपने तीस साल पूरे कर लिए हैं।अब उनकी फिल्म' 'मर्दानी 3' जल्द ही सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है।इस फिल्म का प्रमोशन रानी जोर-शोर से कर रहीं हैं जिसमें वो महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर खुल कर बातें कर रहीं हैं।मगर इस बार कुछ ऐसा हुआ की रानी को सोशल मीडिया यूजर्स के गुस्से का सामना करना पड़ गया।

अभिनेत्री रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' कल सिनेमा घरों में रिलीज होने जा रही है। इसी फिल्म के प्रमोशन में रानी इन दिनो काफी व्यस्त हैं। पिछले दिनों जब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था तब रानी को फैंस समेत सेलेब्स का भी काफी प्यार मिला था। हाल ही में रानी ने महिलाओं को लेकर ऐसा बयान दे दिया जो फैंस को कुछ खास पसंद नहीं आया। जानें क्या कहा-

महिलाओं को भी पुरुषों पर चिल्लाना चाहिए

रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3', 30 जनवरी को सिनेमा घरों में रिलीज होने जा रही है। अभिनेत्री आम घरों में महिलाओं की स्थिती पर बात कर रहीं थीं। एक इंटरव्यू में कहा की 'एक घर में रहने वाले जोड़े के बीच बराबरी होनी चाहिए।अगर पुरुष अपनी आवाज

तेज कर सकता है तो महिलाओं को भी चिल्ला कर बात करनी चाहिए। बेटे का व्यवहार उसके पिता पर आधारित होते है। जिस तरह उसके पिता उसकी मां के साथ व्यवहार करेंगे वैसा ही वो करेगा।

अगर मां के साथ व्यवहार अच्छा होगा तो वो आगे जा कर समाज में भी में लड़कियों के साथ अच्छा व्यवहार करेगा। ये सब कुछ हमारे घर से शुरु होता है।'

स्कूल में रानी ने मारा था थप्पड़

अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपने बचपन का एक किस्सा साझा किया।रानी ने याद करते हुए कहा की उन्होंने अपने जीवन में सिर्फ एक बार किसी को थप्पड़ मारा है। स्कूल के दिनों में रानी ने एक लड़के को उसके व्यवहार के लिए सबक सिखाया था।

आगे रानी ने कहा की उस लड़के को छोड़ कर बाकी के सारे लड़के उनके दोस्त थे। हंसते हुए रानी ने मजाकिया अंदाज में कहा की 'अब ये मेरे पति से मत पूछना की उनके साथ मैं घर पर क्या करती हूं।'

सोशल मीडिया यूजर्स हुए नाराज

रानी के महिलाओं को पुरुषों पर घर पर चिल्लाने का बयान देना अभिनेत्री पर भारी पड़ गया। इस इंटरव्यू के वायरल होने के बाद रानी मुखर्जी को सोशल मीडिया यूजर्स के गुस्से का सामना करना पड़ा। यूजर्स ने लिखा यह कहते हुए रानी को लग रहा है कि वो काफी मजाकिया लग रहीं हैं मगर ऐसा नहीं है। अन्य यूजर ने प्रतिक्रिया दी की उन्हें लग रहा है की उन्होंने काफी अलग और अच्छी बात की है। वहीं एक दूसरे प्लेटफार्म पर यूजर ने लिखा 'यह किस तरह का व्यवहार है?अगर रानी पुरानी पीडी की हैं तो इसका मतलब ये नहीं है की कुछ भी कह सकतीं हैं।'

'मर्दानी 3'कब होगी रिलीज

फिल्म 'मर्दानी 3' के ट्रेलर के साथ रिलीज डेट भी शेयर की गई है। यह फिल्म इस महीने रिलीज होगी। फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में आएगी। 'मर्दानी 3' को यशराज फिल्म ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के डायरेक्टर अभिराज मीनावाला हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से

15 बैठकें होंगी, 20 मार्च तक चलेगी कार्यवाही, मंत्रियों को घेरेंगे कांग्रेस विधायक

रायपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी 2026 से शुरू होगा। सत्र 20 मार्च 2026 तक चलेगा। इस दौरान कुल 15 बैठकें होंगी। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर दी है।

बजट सत्र में कांग्रेस विधायक विभिन्न मुद्दों पर सवाल पूछकर सरकार के मंत्रियों को घेरेंगे। विपक्ष सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है।

बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल रमेन डेका विधानसभा को संबोधित करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण के साथ ही बजट सत्र की औपचारिक शुरुआत मानी जाएगी। अभिभाषण के दौरान राज्यपाल सरकार की उपलब्धियों, नीतियों और आने वाले समय की प्राथमिकताओं को सदन के सामने रखेंगे।

बजट सत्र में राज्य सरकार वित्तीय वर्ष के लिए आय-व्यय का पूरा ब्यौरा पेश करेगी। बजट पेश होने के बाद सदन में विभिन्न विभागों के खर्च, विकास योजनाओं और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सड़क, बिजली-पानी जैसे विषयों पर भी सदन में बहस होने की संभावना है।

इस सत्र में नए विधेयक भी पेश किए जा सकते हैं। साथ ही जरूरत पड़ने पर अनुपूरक बजट पर भी विचार किया जा सकता है। माना जा रहा है कि बजट सत्र के दौरान कई अहम मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिलेगी।

बजट सत्र को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। विपक्ष एक ओर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है, वहीं सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों और आगामी योजनाओं को मजबूती से सदन में रखने की तैयारी में है। कुल मिलाकर बजट सत्र के दौरान राज्य की आर्थिक दिशा और विकास प्राथमिकताओं को लेकर सदन में अहम फैसले और चर्चा होने वाली है।

लोहरदगा से गुमला पहुंचा 22 हाथियों का झुंड

गुमला, 29 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला का भरनो प्रखंड में गुरुवार को 22 हाथियों का झुंड पहुंचा है। हाथी लोहरदगा जिले की ओर से अम्लीय क्षेत्र में आए हैं। इधर, हाथियों को देखने और उनका वीडियो बनाने के लिए लोग उनके पास जाते भी नजर आए, जो खतरनाक हो सकता है।

हाथियों के झुंड में छोटे बच्चे भी हैं और उनकी सुरक्षा को देखते हुए हाथी लोगों पर हमला कर सकते हैं। इधर, ग्रामीणों ने शोर मचाकर हाथियों को गांव में प्रवेश करने से रोक दिया। हाथी आसपास के सीमावर्ती जंगलों में डेरा डाले हुए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, लोहरदगा जिले की ओर से छोटे-बड़े करीब 22 हाथियों का यह झुंड क्षेत्र में प्रवेश किया है। हाथियों के आने से ग्रामीण और किसान दहशत में हैं। जंगली हाथियों के झुंड की सूचना मिलते ही स्थानीय वन कर्मी सक्रिय हो गए हैं। वन विभाग की टीम हाथियों की रेकी कर रही है। जिला वन पदाधिकारी बेलाल अहमद ने ग्रामीणों से हाथियों के पास न जाने की अपील की है।

बेलाल अहमद ने बताया कि विभाग पूरी तरह सक्रिय है और सभी वन कर्मियों को अलर्ट कर दिया गया है। ग्रामीणों को अप्रिय घटना से बचाने के लिए उन्हें हाथियों से दूर रहने और सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

यह भी बताया गया है कि पूर्व में भी 22 हाथियों का एक झुंड इस क्षेत्र में सक्रिय हुआ था। तब वे दो-तीन दिनों तक डेरा डाले रहे थे, जिससे धान की फसल को नुकसान हुआ था। हाथी भगाओ दस्ते द्वारा उन्हें सुरक्षित क्षेत्र की ओर पहुंचाया गया था।

इधर, ग्रामीणों का कहना है कि उनके खेतों में आलू, गोभी, मटर जैसी सब्जियों के अलावा गेहूं और रबी की फसलें लगी हुई हैं। हाथियों के झुंड से उन्हें भारी नुकसान होने की आशंका है।

जवानों ने हर मोर्चे पर दिखाया असाधारण साहस

सीएम ने पुलिस को समर्पित किया रजत जयंती पदक

रायपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस मुख्यालय में छत्तीसगढ़ पुलिस बल को समर्पित रजत जयंती पदक का विमोचन किया। उन्होंने पुलिस बल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पदक प्रदेश में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान की अमिट पहचान बनेगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य पुलिस बल को रजत जयंती पदक प्रदान किए जाने की घोषणा की गई थी, जिस पर त्वरित अमल करते हुए आज इस पदक का विमोचन किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ पुलिस बल ने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने और नक्सल विरोधी अभियानों में असाधारण साहस का परिचय देते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह पदक उनके समर्पण को सदैव स्मरणीय बनाए रखेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह पदक छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति और परंपरा की पहचान को आत्मसात करता है। पदक गोल आकार का एवं चांदी के रंग का होगा, जिसके अग्र भाग में साल वृक्ष तथा पीछे के भाग में पहाड़ी मैना का उभरा हुआ चित्र अंकित रहेगा और इसे रिबन के साथ धारण किया जाएगा। वर्दी के बाईं ओर जेब के ऊपर यह पदक अशोक चक्र, कीर्ति चक्र, वीरता पदक, राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक तथा राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक के पश्चात वरीयता क्रम में लगाया जाएगा।

पदक में अंकित पहाड़ी मैना सतर्कता, संवाद, निडरता, स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव और पुलिस बल की टीम भावना का प्रतीक है, जबकि साल वृक्ष मजबूती, दृढ़ता, दीर्घायु, संरक्षण, प्राकृतिक संतुलन तथा मौन रहकर भी प्रभावशाली योगदान का संदेश देता है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा अंचल में पूजनीय साल वृक्ष की भांति यह पदक भी पुलिस बल के समर्पण, सेवा और समाज के प्रति प्रतिबद्धता को सम्मानित करेगा और छत्तीसगढ़ पुलिस की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक बनेगा।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर 2 नक्सली मारे गए

शव और एके 47 समेत गोला-बारूद बरामद, जवानों ने नक्सलियों को घेरा, 30किलो के 2 आईईडी भी डिफ्यूज

बीजापुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर के पास बीजापुर जिले में जवानों और नक्सलियों के बीच सुबह 7 बजे से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। मुठभेड़ में 2 नक्सली मारे गए हैं। सुरक्षाबलों ने 2 शव और हथियार बरामद किया है। मामला पामेड थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक बीजापुर जिले के दक्षिणी इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद डीआरजी जवानों को सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। इसी दौरान जंगल में नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। बीजापुर पुलिस ने मारे गए नक्सलियों की पुष्टि की है।

वहीं बीजापुर जिले के लंकापल्ली गांव के पास जंगल में नक्सलियों ने 2 आईईडी लगाए थे। सर्च ऑपरेशन पर निकली सुरक्षाकर्मियों की टीम ने आज सुबह आईईडी को डिफ्यूज कर दिया है। मामला इलमिडी थाना क्षेत्र का है। बीजापुर पुलिस के मुताबिक बीजापुर, सुकमा और तेलंगाना के सीमावर्ती इलाकों में नक्सलियों की बटालियन सक्रिय है। विशेष रूप से पामेड़ थाना क्षेत्र में नक्सलियों की सक्रियता ज्यादा देखी जा रही है। पामेड़ इलाके के नक्सलियों से मुठभेड़ हो रही है।

सर्चिंग के दौरान अब तक मुठभेड स्थल से 2 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। इसके साथ ही एके-47 राइफल, 9एमएम पिस्टल, गोला-बारूद भी मौके से बरामद किए गए हैं। डीआरजी के जवान सर्च ऑपरेश चला रहे हैं।

बीजापुर पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन अभी भी जारी है। ऑपरेशन में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुठभेड़ की जगह, ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाकर्मियों की संख्या और दूसरी संवेदनशील जानकारी इस समय शेयर नहीं की जा सकती। बीजापुर जिले के लंकापल्ली गांव में डीआरजी बीजापुर, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 9वीं वाहिनी और बीडीएस की संयुक्त टीम ने सड़क किनारे लगाए गए 2 शक्तिशाली आईईडी बरामद किए गए हैं। दोनों को जवानों ने डिफ्यूज कर दिया है।

पुलिस के अनुसार, 29 जनवरी को संयुक्त सुरक्षा बल ईलमिड़ी-लंकापल्ली क्षेत्र में सर्चिंग अभियान पर निकले थे। इसी दौरान लंकापल्ली की कच्ची सड़क पर डिमाइनिंग के दौरान नक्सलियों के लगाए गए 20 से 30 किलोग्राम वजन के दो आईईडी का पता चला। नक्सलियों ने इन आईईडी को कमांड स्विच सिस्टम के जरिए सड़क के बीचों-बीच लगाया था, जिसका मकसद बड़ी गाड़ियों को निशाना बनाना था।

गर्लफ्रेंड को कीचड़ में दबाकर मार डाला

जांजगीर-चांपा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में बॉयफ्रेंड ने कीचड़ में सिर दबाकर अपनी गर्लफ्रेंड को मार डाला। कीचड़ में गले तक गाड़कर तड़पाया। आरोपी थाने में कहा कि, वो मुझे समय नहीं देती थी। दूसरे युवक से बात करती थी, इसलिए गुस्से में मार दिया। मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान पूजा महंत (22) के रूप में हुई है। प्रेमी ने हत्या के बाद लाश को पिपरा और बरगांव के बीच खेत में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी प्रेमी प्रवीण प्रकाश चंद्र (28), भाई लव प्रकाश चंद्र (32), मददगार केशव चंद्र (34) को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, 27 जनवरी की सुबह बरगांव में रामेश्वर साहू के खेत में पूजा महंत की अर्धनग्न लाश मिली थी। पुलिस ने शुरुआती जांच में हत्या की आशंका जताई। केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले।

इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में तड़के सुबह 4.38 बजे 2 युवक बाइक पर जाते दिखाई दिए। इसके कुछ ही मिनट बाद 4.45 बजे पूजा महंत अकेली मोबाइल पर बात करते हुए उसी रास्ते से गुजरती नजर आई थी।

जांच में पता चला कि पूजा महंत कीरित गांव में त्योहार में शामिल होने के बाद रात 12 से 1 बजे के बीच घर लौटी थी। उसके पिता ने भी उसे देखा था। इसके बाद उसे फिर सुबह करीब 4:45 बजे कॉल आया और बॉयफ्रेंड से मिलने के लिए घर से निकल गई।

परिवार वालों के मुताबिक, जब सुबह पूजा महंत घर पर नहीं मिलीं, तो उन्होंने पड़ोस में लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई पता नहीं चला। सुबह करीब 9 बजे उसी गांव का किसान रामेश्वर साहू अपने खेत में गया था। उसने कीचड़ में पूजा महंत की लाश देखी। उसने पूजा महंत के परिवार को जानकारी दी। इस दौरान परिजनों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने डेडबॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजनों से बयान के बाद एफआईआर दर्ज की गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूजा महंत के बॉयफ्रेंड प्रवीण प्रकाश चंद्रा पर शक हुआ।

पुलिस ने आरोपी को कोरिया के पटना से प्रवीण प्रकाश चंद्रा को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने पहले पुलिस को गुमराह किया, लेकिन सीसीटीवी फुटेज और अपने बयानों से पकड़ा गया। आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी प्रवीण प्रकाश चंद्रा ने बताया कि, उसे शक था कि पूजा किसी दूसरे युवक से बातचीत करती है। उसे समय नहीं देती है।

इसी बात को लेकर विवाद हुआ। गुस्से में उसने खेत में पूजा को धक्का देकर उसका सिर कीचड़ में दबा दिया। पूजा की तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

आदिवासी नेता हत्याकांड में मुख्य शूटर सहित छह और पकड़े गए

खूंटी, 29 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के खूंटी जिले में चर्चित आदिवासी नेता पड़हा राजा सोमा मुंडा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य शूटर सहित छह और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही इस हत्याकांड में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने से पहले पुलिस लाइन में परेड कराई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दानियल सांगा (44), सुमित दाल सांड (20), मार्कुस सांगा (20), रोशन मिंज (25), संदीप खलखो (35) और संतोष डलसांड (32) शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सोमा मुंडा हत्याकांड जमीन कारोबार से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे विवाद और सुनियोजित साजिश का परिणाम था।

कोर्ट कर्मचारी रेगुलर स्टूडेंट की तरह नहीं कर सकेंगे पढ़ाई

बिलासपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा है कि, अदालतों में कार्यरत कोई भी कर्मचारी सेवा में रहते हुए नियमित छात्र की तरह शैक्षणिक डिग्री हासिल नहीं कर सकता।

नियमित छात्र के तौर पर पढ़ाई करने से कार्यालय के कामकाज और प्रशासनिक अनुशासन पर सीधा असर पड़ता है। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश को रद्द कर दिया है। बता दें कि सिंगल बेंच ने एक कर्मचारी को नियमित छात्र के तौर पर एलएलबी फाइनल ईयर की पढ़ाई करने की अनुमति दे दी थी।

रायपुर जिला कोर्ट में असिस्टेंट ग्रेड-3 के पद पर कार्यरत अजीत चौबेलाल गोहर ने अपनी परिवीक्षा अवधि के दौरान एलएलबी की पढ़ाई शुरू की थी। उसे प्रथम और द्वितीय वर्ष की अनुमति दी गई थी। लेकिन, सत्र 2025-26) में विभाग ने तीसरे वर्ष की पढ़ाई करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

विभाग का कहना था कि नए नियमों के तहत नियमित छात्र के तौर पर पढ़ाई की अनुमति नहीं दी जा सकती। कर्मचारी ने विभाग से अनुमति नहीं देने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर सिंगल बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि चूंकि उसने दो साल की पढ़ाई पूरी कर ली है, इसलिए तीसरे वर्ष की अनुमति मिलनी चाहिए। जिसके बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से इस फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच में अपील की थी।

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने नए नियमों का हवाला देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ जिला न्यायपालिका स्थापना नियम 2023 के नियम 11 के तहत कोई भी कर्मचारी नियमित उम्मीदवार के रूप में परीक्षा में शामिल नहीं हो सकता। केवल निजी या पत्राचार के माध्यम से ही पढ़ाई की जा सकती है।

डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के 10 दिसंबर 2025 के आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही विभाग द्वारा 4 सितंबर 2025 को कर्मचारी को अनुमति देने से इनकार करने के आदेश को बरकरार रखा है।

तीन लाख रुपए की अवैध शराब जब्त

जामताड़ा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जामताड़ा जिले में आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले में अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में, एसपी राजकुमार मेहता को मिली गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने लगभग तीन लाख रुपए मूल्य की अवैध शराब जब्त की है। उत्पाद अधीक्षक कुणाल कोशल ने जानकारी देते हुए बताया कि केंदबेना के पास एक ब्रिज के पास खड़े ट्रक में अवैध शराब के भंडारण और तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद, उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर ट्रक को जब्त किया।

रांची से जमशेदपुर तक आयकर का एक्शन

बाबा राइस मिल ग्रुप के ठिकानों पर पहुंची टीम, बड़े खुलासे के आसार, चल रही जांच

रांची/जमशेदपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी रांची में गुरुवार को आयकर विभाग ने बड़ी और सुनियोजित कार्रवाई करते हुए बाबा राइस मिल ग्रुप से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। आयकर विभाग की कई टीमें एकसाथ कांके रोड, रातू रोड समेत शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंचीं और मिल व उसके संचालकों से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच शुरू कर दी।

यह कार्रवाई इतनी गोपनीय रखी गई कि स्थानीय पुलिस को भी इसकी पूर्व जानकारी नहीं दी गई थी। अचानक हुई इस कार्रवाई से शहर के कारोबारी जगत में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि छापेमारी केवल रांची तक सीमित नहीं है, बल्कि झारखंड के अन्य जिलों में भी आयकर विभाग की टीमें एकसाथ जांच में जुटी हैं।

पिस्का नगड़ी थाना क्षेत्र के बंधेया इलाके में स्थित बाबा राइस के आटा और चावल मिल प्लांट पर भी आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा है। यहां मशीनों, स्टॉक रजिस्टर, बिल-बुक, कंप्यूटर और डिजिटल रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की जा रही है।

इसके अलावा नगड़ी के बांध टोली क्षेत्र में स्थित बाबा राइस के एक अन्य प्लांट पर भी अलग टीम द्वारा कार्रवाई की जा रही है। दोनों ही स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बिना अनुमति किसी को भी अंदर या बाहर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। आयकर विभाग के अधिकारी घंटों से दस्तावेजों की छानबीन में जुटे हुए हैं। इधर जमशेदपुर में भी आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने कार्रवाई तेज कर दी है। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस रोड नंबर-3 स्थित 33सी नंबर बंगले में सुबह से विभाग की टीम मौजूद है। यह आवास कारोबारी मनोज चौधरी का बताया जा रहा है।

टीम द्वारा घर के अंदर वित्तीय दस्तावेजों, खातों और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। इसके अलावा हजारीबाग और अन्य जिलों में भी विभाग की टीमें अलग-अलग ठिकानों पर दस्तावेज खंगाल रही हैं।

बनारस यूनिवर्सिटी में बवाल हॉस्टल के 30-40 छात्रों का हमला

पीजी छात्र के सिर में चोट, सर्च ऑपरेशन में आपत्तिजनक सामान मिला

वाराणसी, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बीएचयू (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) के दो हॉस्टल के छात्रों के बीच गुरुवार को मारपीट और पथराव हुआ। घटना में पीजी के छात्र पीयूष तिवारी के सिर में गंभीर चोट आई। उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

आरोप है कि निष्कासित छात्र दर्शित पांडेय, रौनक मिश्रा, अंकित पाल और विश्वजीत यादव ने रुइया हॉस्टल के गेट पर पीयूष तिवारी के साथ मारपीट की। घटना के बाद हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर इंस्पेक्टर लंका राजकुमार शर्मा बीएचयू चौकी प्रभारी सौरभ तिवारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। आक्रोशित छात्रों को समझाया। आक्रोशित छात्र आरोपियों पर कार्रवाई के लिए मांग कर रहे हैं। छात्रों का आक्रोश देखकर डीसीपी काशी गौरव समेत 500 पुलिसकर्मी मौके पर हॉस्टल में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। भाग रहे 1 छात्र को पकड़कर पूछताछ के लिए ले जाया गया है।

चीफ प्रॉक्टर के अनुसार, बिरला-सी हॉस्टल के 11 कमरों को सील कर दिया गया है।

मध्यान्ह भोजन रसोइयों की हड़ताल

रायपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मध्याह्न भोजन योजना में काम करने वाली रसोइयों की हड़ताल जारी है। हड़ताल पर बैठी दो महिला रसोइयों की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दोनों महिलाएं मध्याह्न भोजन रसोइयों के मानदेय में बढ़ोतरी की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन में शामिल थीं। हालांकि, सरकार ने मौतों का आंदोलन से सीधा संबंध होने से इनकार किया है।

छत्तीसगढ़ स्कूल मध्याह्न भोजन रसोइया संयुक्त संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि बालोद जिले की रुकमणी सिन्हा की 26 जनवरी को पड़ोसी राजनांदगांव जिले के एक अस्पताल में मौत हो गई, जबकि बेमेतरा जिले की दुलारी बाई यादव की उसी दिन तड़के दुर्ग जिले के भिलाई शहर के एक अस्पताल में मौत हो गई।

नवा रायपुर अटल नगर के तूता धरना स्थल पर हजारों मध्याह्न भोजन रसोइया 29 दिसंबर से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। प्रदर्शनकारी अपनी दैनिक मजदूरी 66 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये से अधिक करने की मांग कर रहे हैं। रुकमणी सिन्हा के दामाद मुकेश कुमार सिन्हा ने बुधवार को बताया कि उनकी सास, बालोद जिले के कुसुमकासा गांव की रहने वाली थीं, 20 से 23 जनवरी तक रायपुर में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं और 24 जनवरी को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण घर लौट आईं।

कैरव गांधी अपहरणकांड: फिरौती लेकर ही अपराधियों ने छोड़ा

जमशेदपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के युवा उद्यमी कैरव गांधी के अपहरण मामले में पुलिस ने अहम सफलता हासिल की है। कैरव की रिहाई के बाद पुलिस ने बिहार के गया और नालंदा से छापेमारी कर तीन आरोपियों को पकड़कर अलग-अलग थाना में ले जाकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक जिला पुलिस की टीम ने गया जिले के बुनियादगंज थाना क्षेत्र के सोंधी गांव में छापेमारी कर गांव निवासी उपेंद्र सिंह और अर्जुन सिंह को गिरफ्तार किया।

दोनों की निशानदेही और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ीतल गांव में छापेमारी की गई, जहां से उपेंद्र सिंह के रिश्तेदार गुड्डू सिंह को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में रहने वाले पांच अन्य लोगों को भी हिरासत में लेकर छानबीन की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई के दौरान घटना में इस्तेमाल स्कॉर्पियो वाहन, हथियार और एक कार भी बरामद की गई है, हालांकि जिला पुलिस के किसी अधिकारी ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं, पुलिस की एक अन्य टीम बिहार में लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस को शुरुआती जांच में यह जानकारी मिली थी कि जेम्को निवासी सोनू नामक युवक की इस अपहरणकांड में संलिप्तता है। सोनू फिलहाल फरार है। उसकी तलाश में पुलिस ने बिहार स्थित उसके ससुराल में भी छापेमारी की, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। उपेंद्र सिंह और गुड्डू सिंह का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। दोनों अपहरण, बैंक लूट और अवैध शराब कारोबार जैसे मामलों में जेल जा चुके हैं। वहीं अर्जुन सिंह के बारे में बताया जा रहा है कि वह जल्द पैसा कमाने के लालच में अपराध की दुनिया में उतरा।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि फिरौती की रकम मिलने के बाद गणतंत्र दिवस की देर रात कैरव गांधी को बिहार-झारखंड सीमा पर बरही-चौपारण के बीच एक सुनसान इलाके में छोड़ दिया गया था। इसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील कब होगी फाइनल?

सर्वे में सरकार ने बताया, लेकिन ये चिंताएं कैसी

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण (इकनॉमिक सर्वे) पेश किया। इसमें भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील को लेकर भी बात कही गई है। सर्वे में कहा गया है कि फिलहाल भारत को बाहरी दुनिया से कुछ चिंताएं हैं, लेकिन कोई बड़ी आर्थिक समस्या नहीं है।

सर्वे के अनुसार, हमारे बड़े व्यापारिक साझेदारों की धीमी रफ्तार, व्यापार पर लगने वाले टैरिफ और पैसों के प्रवाह में उतार-चढ़ाव से कभी-कभी हमारे निर्यात और निवेशकों के भरोसे पर असर पड़ सकता है।

सर्वे में कहा गया है कि अमेरिका के साथ चल रही व्यापार बातचीत इस साल पूरी होने की उम्मीद है, जिससे बाहरी मोर्चे पर अनिश्चितता कम हो सकती है। भारत और अमेरिका पिछले साल मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक छह दौर की बातचीत हो चुकी है। पिछले साल अगस्त में जब अमेरिकी सरकार ने भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाया था, उसके बाद से बातचीत धीमी हो गई थी।

वैश्विक संस्थाओं का क्या अनुमान?

गोल्डमैन सैक्स ग्रुप का अनुमान है कि मार्च तक अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की उम्मीद के बावजूद, अगले वित्तीय वर्ष में विकास दर घटकर 6.8% हो जाएगी। वहीं संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कहा है कि यूरोप और पश्चिम एशिया जैसे अन्य प्रमुख बाजारों से मजबूत मांग इन टैरिफों के प्रभाव को कुछ हद तक कम कर देगी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच व्यापार समझौते का अंतिम रूप देना इस प्रवृत्ति को दर्शाता है, जो वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बदलाव का संकेत है।

अमेरिका ने लगाया है 50% टैरिफ

अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 25% टैरिफ और अतिरिक्त 25% जुर्माना लगाया था। अमेरिका का कहना था कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, इसलिए यह कदम उठाया गया है। दिसंबर 2025 में, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया था। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डिप्टी यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव एंबेसडर रिक स्विट्जर ने किया था। यह टैरिफ लगने के बाद अमेरिकी अधिकारियों का दूसरा भारत दौरा था।

कैसी रहेगी जीडीपी ग्रोथ?

आर्थिक सर्वेक्षण में कहा है कि वित्त वर्ष 2027 तक भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.8% से 7.2% के बीच रहने का अनुमान है। यह अनुमान इस बात पर आधारित है कि घरेलू मांग मजबूत रहेगी और अर्थव्यवस्था स्थिर रहेगी, भले ही दुनिया भर में आर्थिक हालात अनिश्चित बने हुए हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत आने वाले सालों में मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ प्रवेश कर रहा है। पांच महीने बाद, भारत अब पूरे साल के लिए 7% से अधिक की रियल ग्रोथ रेट की उम्मीद कर रहा है और अगले साल भी रियल ग्रोथ 7% या उसके आसपास रहने की संभावना है।

रेल कर्मचारियों को रिटायर होने के दिन अब नहीं मिलेगा चांदी का सिक्का : रेलवे बोर्ड का नया फैसला

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)। देश में सेना और रेलवे में अभी भी काफी परंपरा अंग्रेजों के जमाने की चली आ रही है। हालांकि इनमें धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। साथ ही जो नई परंपरा शुरू हुई है, उसमें भी बदलाव हो रहा है। इसी क्रम में रेल मंत्रालय ने एक बड़ा फैसला लिया है। फैसला यह है कि अब रिटायर होने वाले रेल कर्मचारियों और अधिकारियों को गोल्ड प्लेटेड चांदी का सिक्का नहीं दिया जाएगा।

सिक्के में भी हुआ भ्रष्टाचार?

रेलवे से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इस फैसले के पीछे चांदी की कीमत में भारी बढ़ोतरी और भ्रष्टाचार का योगदान है। पिछले दिनों ही मध्य प्रदेश से ऐसी खबर आई थी कि रेलवे ने कार्मिक के रिटायर होने के दिन जो सिल्वर क्वाइन दिए थे, वे मिलावटी थे। जांच में पता चला कि उसमें चांदी की काफी कम मात्रा थी। सिक्के ज़्यादातर तांबे के बने थे। मतलब कि सिक्के खरीदने वालों ने गड़बड़ी की थी। इसलिए अब फैसला लिया गया कि रिटायर होने के दिन कोई सिक्का नहीं दिया जाएगा।

सभी जोन को भेजी गई चिट्ठी

रेलवे बोर्ड की तरफ से सभी ज़ोन और प्रोडक्शन यूनिट्स के प्रमुखों को एक चिट्ठी भेजी गई है। इसमें लिखा है, ...अब यह तय किया गया है कि रिटायर होने वाले रेल कर्मचारियों और अधिकारियों को गोल्ड प्लेटेड सिल्वर क्वाइन या मेडल देने की परंपरा खत्म कर दी जाए। जो चांदी के सिक्के रेलवे के पास पहले से खरीदे हुए या स्टॉक में हैं, उनका हिसाब-किताब रखा जाए और उन्हें दूसरी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाए, ताकि उनके इस्तेमाल से जुड़ी चिंताएं दूर हो सकें। इस फैसले को राष्ट्रपति की मंजूरी है।

वजह नहीं बताई गई

हालांकि, इस चिट्ठी में फैसला लेने की कोई खास वजह नहीं बताई है। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि कई तरह की चिंताएं थीं। जैसे कि बाहर के वेंडरों से खरीदे गए सिक्कों की क्वालिटी खराब थी। साथ ही, चांदी महंगी होने की वजह से खर्च कम करने की भी ज़रूरत थी।

कब शुरू हुई यह परंपरा

रिटायर्ड लोगों को चांदी का सिक्का भेंट करने की परंपरा मार्च 2006 में शुरू हुई थी। तब मंत्रालय ने फैसला किया था कि जो भी रेलवे कर्मचारी या अधिकारी वॉलंटरी रिटायरमेंट लेते हैं या अपनी नौकरी पूरी करके रिटायर होते हैं, उन्हें करीब 20 ग्राम का सोने की परत चढ़ा हुआ चांदी का सिक्का दिया जाएगा। उस समय इस सिक्के की कीमत करीब एक हजार रुपये पड़ती थी। अब इसकी कीमत करीब 10 हजार रुपये पड़ रही है।

घरेलू बाजार बढ़त के साथ हुआ बंद

सेंसेक्स 222 अंक उछला, निफ्टी 25400 के पार

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। ब्लू-चिप शेयरों लार्सन एंड टुब्रो में तेजी और आर्थिक सर्वेक्षण में आगामी वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि के 6.8-7.2 प्रतिशत के अनुमान के कारण बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को उच्च स्तर पर बंद हुए। शुरुआती गिरावट से उबरते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 221.69 अंक या 0.27 प्रतिशत चढ़कर 82,566.37 पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार के दौरान, इसमें 636.74 अंक या 0.77 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 81,707.94 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 76.15 अंक या 0.30 प्रतिशत बढ़कर 25,418.90 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में व्यापक सूचकांक 182.95 अंक या 0.72 प्रतिशत गिरकर 25,159.80 के निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी फंडों के बिकवाली दबाव और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की भावना के बीच रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 91.96 (अस्थायी) के करीब बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.41 प्रतिशत की उछाल देखी गई। एक्सिस बैंक, इटरनल, एनटीपीसी, अदानी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक भी लाभ कमाने वालों में शामिल थे। हालांकि, एशियन पेंट्स, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में लार्सन एंड टुब्रो का समेकित परिचालन राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 64,668 करोड़ रुपये से 10 प्रतिशत बढ़कर 71,450 करोड़ रुपये हो जाने के बाद इसके शेयरों में 3.66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में सुधारों के संचयी प्रभाव के आधार पर अगले वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि 6.8-7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है और कहा गया है कि अर्थव्यवस्था स्थिर स्थिति में बनी हुई है।आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत इस वर्ष के दौरान समाप्त होने की उम्मीद है, एक ऐसा घटनाक्रम जो बाहरी मोर्चे पर अनिश्चितता को कम करने में मदद कर सकता है।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार मजबूत आर्थिक सर्वेक्षण के समर्थन से उच्च स्तर पर बंद हुए, जिसने वित्त वर्ष 2027 के लिए मजबूत विकास दृष्टिकोण की पुष्टि की और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मुद्रास्फीति के स्थिर माहौल को बनाए रखा।

दुनिया पस्त, भारत मस्तः इस साल देश की अर्थव्यवस्था 7.4% की रफ्तार से बढ़ेगी

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण (इकनॉमिक सर्वे) 2026 पेश किया। सर्वेक्षण में बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज होने वाली है। साल 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 6.8% से 7.2% तक बढ़ सकती है। यह तब है जब दुनिया में कई तरह की परेशानियां चल रही हैं, जैसे देशों के बीच तनाव, पैसों की तंगी और अलग-अलग देशों में मांग का कम-ज्यादा होना।

सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि साल 2025 में एक अजीब बात देखने को मिल रही है। भारत की अर्थव्यवस्था दशकों में सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन दुनिया का सिस्टम ऐसा हो गया है कि अच्छी आर्थिक चाल का फायदा करेंसी की स्थिरता, बाहर से पैसा आने या दुनिया की मुश्किलों से बचने के रूप में नहीं मिल रहा है।

अब भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद भारत का नंबर आता है। सरकार ने पिछले महीने ही बताया था कि भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है। भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है।

सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4% की दर से बढ़ेगी, जो उम्मीद से बेहतर है। 2025 में यह 6.5% बढ़ी थी। इस तेजी की वजह निवेश का बढ़ना और मैन्युफैक्चरिंग यानी सामान बनाने वाले उद्योगों में उछाल है। यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के 7.3% के अनुमान से भी ज्यादा है। पिछले साल की 6.5% की ग्रोथ से यह काफी बेहतर है। अगर हम कैलेंडर साल की बात करें, तो 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.3% और 2027 में 6.5% की दर से बढ़ सकती है।

2026 की दूसरी तिमाही में भारत की आर्थिक रफ्तार और तेज हुई। जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 8.2% हो गई, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे ज्यादा है। यह अप्रैल-जून की तिमाही के 7.8% के आंकड़े से भी बेहतर है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर भारत की रफ्तार साल दर साल बढ़ती गई। ऐसा तब हुआ जब अमेरिका ने भारत के सामानों पर 50% का भारी टैरिफ लगाया। सरकार ने कई सुधार किए और मांग को बढ़ाने के लिए जीएसटी को भी कम किया।

शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, 2026 तक भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगी। नॉमिनल ग्रोथ यानी बिना महंगाई को एडजस्ट किए ग्रोथ 8% रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के बजट के 10.1% के अनुमान से कम है। महंगाई कम रहने की वजह से आरबीआई ने 2025 में ब्याज दरों में 1.25% की कटौती की। इससे लोगों को लोन मिलना आसान हुआ और मांग बढ़ी।

वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड का भी मानना है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। चालू वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में अर्थव्यवस्था 8% की दर से बढ़ी। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, दूसरी छमाही में ग्रोथ 6.9% रहने की उम्मीद है।

30 दिन में 50% का इजाफा... हिंदुस्तान कॉपर के शेयर में रॉकेट जैसी तेजी, कहां पहुंचा भाव?

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)। हिंदुस्तान कॉपर के शेयर गुरुवार को रॉकेट की तरह चढ़ गए और अपने 52-हफ्ते के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। पिछले चार दिनों में इस शेयर ने 40% का शानदार उछाल दिखाया है। वहीं 30 दिन में इसमें करीब 50 फीसदी की तेजी आई है। वहीं 6 महीने में यह 180 फीसदी से ज्यादा उछल गया है। दुनिया भर में तांबे की कीमतों में तेजी और हिन्दुस्तान कॉपर का एक नया तांबे का ब्लॉक हासिल करने के कारण इसके शेयर में इतना बड़ा उछाल आया है। गुरुवार को हिंदुस्तान कॉपर के शेयर बीएसई पर 17.7% तक उछलकर 721 रुपये पर पहुंच गए। सुबह करीब 11:30 बजे यह करीब 15.62% के उछाल के साथ 731.55 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस शेयर में यह उछाल पिछले हफ्ते से ही शुरू हो गया था। 22 जनवरी को शेयर 531.80 रुपये पर बंद हुए थे और उसके बाद से लगातार चढ़ाई जारी है। मंगलवार को 5% और बुधवार को 12.5% की तेजी आई, जिससे धातुओं के बाजार में हलचल बढ़ गई।

दुनिया भर में तांबे की तेजी

इस समय दुनिया भर में तांबे की कीमतों में काफी तेजी है। गुरुवार को एमसीएक्स पर जनवरी डिलीवरी वाले तांबे में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह प्रति किलोग्राम 1350 रुपये के पार पहुंच गया। भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार को लेकर अनिश्चितता और डॉलर के कमजोर होने से तांबे की मांग बढ़ी है। इंडसइंड सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी कहते हैं कि तांबा अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि तांबे के फ्यूचर में 5% की तेजी आई और यह 6.2 डॉलर प्रति पाउंड से ऊपर चला गया। यह रिकॉर्ड इसलिए टूटा क्योंकि निवेशक रियल एसेट्स (जैसे सोना, चांदी, तांबा) की ओर भाग रहे हैं। भू-राजनीतिक और व्यापारिक अनिश्चितताओं और डॉलर में अचानक आई गिरावट ने निवेशकों को डरा दिया है।

इस कारण भी आ रही तेजी

उन्होंने यह भी कहा कि फंडामेंटल भी मजबूत हैं। तांबे को लगातार सप्लाई की कमी और मजबूत औद्योगिक मांग का भी सहारा मिल रहा है। खासकर, दुनिया भर में रिन्यूएबल एनर्जी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल से इसकी मांग बढ़ी है। वहीं शंघाई, लंदन और न्यूयॉर्क में तांबे का स्टॉक हाल के हफ्तों में बढ़ा है, जिससे कुल स्टॉक 900,000 टन से ऊपर चला गया है।

नए तांबे के ब्लॉक से बढ़ी विकास की उम्मीद

कंपनी से जुड़ी खबरों ने भी इस तेजी को और हवा दी है। पिछले हफ्ते हिंदुस्तान कॉपर ने बताया कि वह मध्य प्रदेश में एक नए तांबे के ब्लॉक के लिए सबसे पसंदीदा बोलीदाता बनकर उभरा है। इससे भविष्य में उत्पादन बढ़ने की उम्मीदें और मजबूत हुई हैं, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया भर में तांबे की मांग बढ़ रही है।

सोना एक दिन में 10,705 बढ़कर 1.75 लाख पहुंचा

चांदी 4 दिन में 62,283 महंगी, 3.80 लाख हुई, दोनों ऑल टाइम हाई पर

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। चांदी-सोने के दाम लगातार चौथे दिन अपने सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज 29 जनवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,76,121 रुपए पर ओपन हुआ। हालांकि इसके बाद इसकी कीमत में थोड़ी कमी आई और ये 10,705 रुपए बढ़कर 1,75,340 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले सोना कल 1,64,635 रुपए पर था। वहीं चार कारोबारी दिनों में सोना 21,030 महंगा हो चुका है। 23 जनवरी को ये 1,54,310 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 21,721 रुपए बढ़कर 3,79,988 रुपए किलो पर पहुंच गई है। चार दिन में चांदी की कीमत 62,283 रुपए महंगी हुई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 3,17,705 रुपए किलो थी।

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

29 दिन में सोना 42,145 और चांदी 1,49,568 महंगी हुई

इस साल जनवरी के 29 दिन में ही सोने की कीमत 42,145 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,75,340 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी 1,49,568 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 3,79,988 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

क्या जंक फूड के विज्ञापनों पर लगेगी रोक?

आर्थिक सर्वे में मोटापे को लेकर कही गई बड़ी बात

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड यानी जंक फूड की बढ़ती खपत और बच्चों में मोटापे के बढ़ते मामलों पर आर्थिक सर्वेक्षण ने गंभीर चिंता जताई है। सर्वेक्षण ने सुबह से देर रात तक ऐसे खाद्य पदार्थों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। लोकसभा में पेश प्री-बजट दस्तावेज में कहा गया है कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड बाजारों में शामिल हो गया है, जो देश में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को बढ़ा रहा है।

पांच वर्षों में बच्चों में अधिक वजन की समस्या बढ़कर 3.4% पहुंची

सर्वेक्षण के अनुसार, पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में अधिक वजन की समस्या 2015-16 में 2.1 प्रतिशत थी, जो 2019-21 में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई। अनुमान है कि 2020 में भारत में करीब 3.3 करोड़ बच्चे मोटापे से ग्रस्त थे, जो 2035 तक बढ़कर 8.3 करोड़ हो सकते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 24 प्रतिशत महिलाएं और 23 प्रतिशत पुरुष अधिक वजन या मोटापे की श्रेणी में आते हैं। वहीं 15 से 49 वर्ष की महिलाओं में 6.4 प्रतिशत मोटापे से ग्रस्त हैं, जबकि पुरुषों में 4 प्रतिशत अधिक वजन की समस्या पाई गई है।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड पर नियंत्रण के लिए आर्थिक सर्वेक्षण ने कई उपाय सुझाए

इनमें हाई फैट, शुगर और नमक वाले खाद्य पदार्थों पर चेतावनी के साथ फ्रंट-ऑफ-पैक न्यूट्रिशन लेबलिंग, बच्चों को लक्षित विज्ञापनों पर रोक, और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति को कमजोर न करने वाले व्यापार समझौते शामिल हैं। सर्वेक्षण ने यह भी कहा कि सिर्फ उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव से स्वस्थ खानपान संभव नहीं है, बल्कि खाद्य प्रणाली से जुड़े समन्वित नीतिगत सुधार जरूरी हैं। इसमें यूपीएफ उत्पादन का नियमन, स्वस्थ आहार को बढ़ावा और जिम्मेदार मार्केटिंग शामिल है। सर्वेक्षण के अनुसार, सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक सभी मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूपीएफ के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का विकल्प भी तलाशा जा सकता है। साथ ही डिजिटल मीडिया और बच्चों के लिए दूध व पेय पदार्थों के प्रचार पर भी सख्ती की सिफारिश की गई है।

आर्थिक सर्वेक्षण ने चिली, नॉर्वे और ब्रिटेन जैसे देशों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां जंक फूड के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लागू है। हाल ही में ब्रिटेन ने बच्चों पर प्रभाव कम करने के लिए रात 9 बजे से पहले जंक फूड विज्ञापनों पर रोक लगाई है।सर्वेक्षण ने मौजूदा नियमों की कमजोरियों पर भी सवाल उठाए हैं। इसमें कहा गया है कि विज्ञापन कोड और सीसीपीए दिशानिर्देशों में पोषण आधारित स्पष्ट मानक नहीं हैं, जिससे कंपनियां स्वास्थ्य और ऊर्जा जैसे दावे करके नियमों से बच निकलती हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण ने चेतावनी दी है कि भारत में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की बिक्री तेजी से बढ़ रही है, जिससे क्रॉनिक बीमारियों और स्वास्थ्य असमानताओं का खतरा बढ़ रहा है।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-53**
भोग्य कलि वर्ष. - **426874** सूर्यास्त. **18-03**
कलियुग संवत् - **5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885126**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष शुक्रवार **30 January 2026**
तिथि - द्वादशी **11-09** रात तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - आर्द्रा **03-27** रात तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - वैधृति **16-58** तक उप. विष्कुंभ
करण - बालव **11-09** तक कौलव
प्रदोष व्रत
धनिष्ठा मे बुध

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर	मे	मकर....	05-51 बजे
चंद्र	मिथुन	मे	कुंभ....	07-42 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	09-20 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	10-56 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	12-41 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	14-41 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	16-53 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---	19-06 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	21-12 बजे
			तुला----	23-17 बजे
			वृश्चिक.	01-28 बजे
			धनु.....	03-41 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 11-05 से 12-30 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
चंचल	06-53 - 08-15 शुभ	रोग	18-03 - 19-44 अशुभ
लाभ	08-15 - 09-40 शुभ	काल	19-44 - 21-19 अशुभ
अमृत	09-40 - 11-05 शुभ	लाभ	21-19 - 22-54 शुभ
काल	11-05 - 12-30 अशुभ	उत्पात	22-54 - 00-29 अशुभ
शुभ	12-30 - 13-54 शुभ	शुभ	00-29 - 02-04 शुभ
रोग	13-54 - 15-19 अशुभ	अमृत	02-04 - 03-40 शुभ
उत्पात	15-19 - 16-44 अशुभ	चंचल	03-40 - 05-19 शुभ
चंचल	16-44 - 18-03 शुभ	रोग	05-19 - 06-53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है । आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओहसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें ।अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संक्रमण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता –पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं ।अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विधानसभा में गूंजा जयपुर में लेपर्ड मूवमेंट का मुद्दा

वन मंत्री बोले- जल्द शुरू होगी हेल्पलाइन

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के आबादी इलाकों में लेपर्ड के बढ़ते मूवमेंट का मुद्दा गुरुवार को विधानसभा में गूंजा। भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने पूछा कि क्या महाराष्ट्र की तर्ज पर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल लागू किए जाएंगे। जिस पर वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि आबादी इलाकों में लेपर्ड के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए जल्द ही हेल्पलाइन बनेगी।

राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक कालीचरण सराफ ने रिहायशी इलाकों में लेपर्ड मूवमेंट को लेकर सवाल किया। विधायक सराफ ने कहा कि आए दिन रिहायशी

इलाकों में लेपर्ड के मूवमेंट के मामले सामने आ रहे है और लगातार घटनाएं हो रही है। लेकिन कोई हेल्पलाइन नहीं है। कई बार तो वन्य जीव और लोगों के बीच संघर्ष के हालात हो जाते है। जिसके चलते लोगों में दहशत का माहौल भी रहता है।

एक महीने में शुरू होगी 1926 हेल्पलाइन

जिस पर वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि माननीय सदस्य ने ठीक कहा है। आबादी इलाकों में लेपर्ड सहित वन्यजीवों के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए एक हेल्पलाइन बनेगी। एक महीने में यह 1926 हेल्पलाइन शुरू हो जाएगी। इस हेल्पलाइन पर आबादी इलाकों में लेपर्ड सहित वन्यजीवों के मूवमेंट की जानकारी दी जा सकेगी।

महाराष्ट्र की तर्ज पर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल लागू करने का सुझाव

विधायक कालीचरण सराफ ने पूरक सवाल पूछते हुए महाराष्ट्र की तर्ज पर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल लागू करने का सुझाव दिया, जिस पर वन मंत्री ने पूरा करने का आश्वासन दिया। मंत्री ने कहा कि आने वाले समय महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की स्टडी की जाएगी। साथ ही एसओपी भी बनाई जाएगी, जिसे इसी वित्तीय वर्ष में लागू कर दिया जाएगा।

राजस्थान में क्यों कमजोर हुई कांग्रेस?

पंचायत चुनाव से पहले सुखजिंदर रंधावा ने दिया बड़ा बयान

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस के पंचायती राज संगठन की ओर से बिड़ला सभागार में आयोजित 'पंचायती राज सशक्तीकरण सम्मेलन' में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने संगठन की कमजोरियों को खुले तौर पर स्वीकार करते हुए तीखा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी इसलिए कमजोर हुई, क्योंकि भाई-भतीजावाद हावी रहा। मंत्री बनते ही बेटे को विधायक और पत्नी को प्रधान बनाने की परंपरा गलत है। ऐसे में आम कार्यकर्ता का नंबर कब आएगा।

रंधावा ने स्पष्ट किया कि अब पंचायती राज संस्थाओं में जमीनी कार्यकर्ताओं को अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग केवल सत्ता के लिए राजनीति करते हैं, वे चाहें तो पार्टी छोड़ सकते हैं।

डोटासरा बोले- पंचायत चुनावों में कार्यकर्ताओं को मिलेगा हक

प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पंचायत चुनावों में कार्यकर्ताओं को उनका हक दिया जाएगा। उन्होंने गुटबाजी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। जूली ने आरोप लगाया कि चार महीने से वृद्धावस्था और विधवा पेंशन का भुगतान नहीं हो रहा। उधर, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सी.बी. यादव ने पंचायत एवं निकाय चुनावों के लिए माइक्रो-लेवल चुनावी तैयारी पर आधारित प्रशिक्षण दिया।

सम्मेलन को पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील पंवार, प्रदेश प्रभारी रीना वाल्मीकि व प्रधान संघ अध्यक्ष दिनेश सूण्डा सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

पंचायत चुनावों की घोषणा नहीं हुई तो आमरण अनशन

डोटासरा ने चेतावनी दी कि यदि विधानसभा सत्र की समाप्ति तक पंचायत चुनावों की घोषणा नहीं हुई, तो वे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के साथ आमरण अनशन पर बैठेंगे।

पश्चिमी राजस्थान में 50 लाख खेजड़ी के पेड़ काटने की तैयारी : रविंद्र सिंह भाटी

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में शून्यकाल के दौरान शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने पश्चिमी राजस्थान में खेजड़ी के पेड़ काटने से हो रहे नुकसान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में 50 लाख खेजड़ी के पेड़ काटने की तैयारी है। ऐसे में प्रदेश में खेजड़ी संरक्षण कानून लागू किया जाए।

विधानसभा में निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि खेजड़ी मात्र एक पेड़ नहीं है। मरुस्थलीय राजस्थान में खेजड़ी जल, जीवन और जीविका का आधार है। अमृता देवी सहित 363 लोगों ने खेजड़ी की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर सिर साटे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण की परंपरा को जीवित रखा।

चार जिलों में काटे जा चुके 26 लाख से अधिक खेजड़ी के पेड़

उन्होंने कहा कि आज उसी खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई की जा रही है, जिससे क्षेत्र की संस्कृति, पर्यावरण, पारिस्थितिकी तथा सामाजिक-आर्थिक संतुलन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। पिछले 15 साल में जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर जिले में 26 लाख से अधिक खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं। आने वाले समय में पश्चिमी राजस्थान में 50 लाख खेजड़ी के पेड़ और काटने की तैयारी है।

खेजड़ी संरक्षण के लिए कठोर कानून की मांग

विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि राजस्थान आज उस मोड़ पर खड़ा है, जहां उसका राज्य वृक्ष खेजड़ी, राज्य पशु ऊंट और राज्य पक्षी गोडावण विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुके हैं। लोग पश्चिमी राजस्थान से पलायन बढ़ा है। खेजड़ी बचाने के लिए जन आंदोलन हो रहे हैं। सरकार को खेजड़ी संरक्षण के लिए कठोर कानून बनाना जाना चाहिए, ताकि खेजड़ी को बचाया जा सके।

पेड़ पर लटका मिला पैंथर

शिकारी के 'सुअर वाले फंदे' ने ली बेगुनाह की जान

अलवर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां शिकार के क्रूर जाल ने एक दो साल के पैंथर की जान ले ली। वन नाका प्रतापगढ़ के अंतर्गत झिरी ग्राम पंचायत के पास एक पैंथर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला। चौंकाने वाली बात यह है कि वन विभाग ने इस मामले को दो दिनों तक दबाए रखा, लेकिन अब शिकारी पुलिस की गिरफ्त में है। शाखा के गुवाड़ा गांव में एक पैंथर पेड़ पर फंदे से लटका हुआ था। पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. मनोज मीणा ने बताया कि पैंथर के पेट पर रस्सी का फंदा लगा था। फंदे में फंसने के बाद पैंथर जान बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ा, लेकिन रस्सी डाल में उलझ गई। करीब 3-4 घंटे तक पैंथर का मुंह नीचे की ओर लटका रहा और वजन के कारण दम घुटने से उसकी तड़प-तड़प कर मौत हो गई। जांच के दौरान मामला पूरी तरह संदिग्ध लगने पर डीएफओ आर के हुड्डा के निर्देश पर टीम ने ग्रामीणों से पूछताछ की। शक के घेरे में आए स्थानीय निवासी प्रभुदयाल मीणा को हिरासत में लिया गया। सख्त पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने खेत में फसल को सूअरों से बचाने के लिए फंदा लगाया था, जिसमें अनजाने में पैंथर फंस गया। आरोपी को गुरुवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। हैरानी की बात यह रही कि 26 जनवरी की घटना होने के बावजूद वन विभाग की टीम ने इसे मंगलवार तक सार्वजनिक नहीं किया। जब उच्चाधिकारियों ने मौका मुआयना किया और पोस्टमार्टम हुआ, तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। अब विभाग इस क्षेत्र में अवैध फंदों को लेकर सर्च ऑपरेशन चला रहा है।

गहलोत राज के 'ऑनर किलिंग' बिल पर राज्यपाल का 'ब्रेक'

अब बीएनएस बनेगा ढाल, पुराना कानून डस्टबिन में!

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर 'राजभवन बनाम पुरानी सरकार' के फैसलों का टकराव देखने को मिल रहा है। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के उस महत्वाकांक्षी बिल को वापस लौटा दिया है, जिसे 'ऑनर किलिंग' (इज्जत के नाम पर हत्या) रोकने के लिए साल 2019 में पास किया गया था। बजट सत्र के पहले ही दिन विधानसभा में इस संदेश ने सियासी हलचल तेज कर दी है।

राज्य सरकार का तर्क है कि जिस समय यह बिल बना था, तब देश में IPC और CrPC प्रभावी थे। अब कानून बदल चुके हैं और भारतीय न्याय संहिता 2023 लागू हो चुकी है। सरकार के अनुसार, BNS की धारा 103 ऑनर किलिंग जैसे जघन्य अपराधों से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम है। इस धारा के तहत हत्या के दोषियों को मौत की सजा या आजीवन कारावास का स्पष्ट प्रावधान है, ऐसे में अलग से किसी राज्य स्तरीय कानून की आवश्यकता नहीं समझी गई।

साल 2017 में हुए पहलू खान मामले जैसी घटनाओं की पृष्ठभूमि में गहलोत सरकार 'लिंचिंग' और 'ऑनर किलिंग' के खिलाफ सख्त कानून लाई थी। इस बिल में अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले जोड़ों को धमकाने वाली स्वघोषित 'खाप पंचायतों' और बहिष्कार करने वालों पर नकेल कसने का प्रावधान था। इसमें दोषियों के लिए 'प्राकृतिक जीवन के अंत' तक जेल और 5 लाख रुपये जुर्माने जैसी कठोर शर्तें थीं।

यह पहली बार नहीं है जब राज्यपाल ने पिछली सरकार के बिल लौटाए हों। इससे पहले मब लिंचिंग बिल, 2019, तीन कृषि कानून और वसुंधरा राजे के समय का धर्म की स्वतंत्रता विधेयक भी वापस भेजे जा चुके हैं। हाल ही में भजनलाल सरकार ने अपना नया 'राजस्थान गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध विधेयक, 2025' पारित कर अपनी मंशा साफ कर दी है। राज्यपाल के इस कदम से साफ है कि अब राजस्थान में अपराधों से निपटने के लिए राज्य के अलग कानूनों के बजाय केंद्र के नए संहिताओं पर ही भरोसा जताया जाएगा।

सड़कों को लेकर सदन में जमकर हंगामा

दीया कुमारी के आंकड़ों पर कांग्रेस ने जताई आपत्ति

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सड़कों से जुड़े सवाल को लेकर जमकर हंगामा हुआ। प्रश्नकाल के दौरान पीपलदा विधायक चेतन पटेल कोलाना ने अपनी विधानसभा क्षेत्र में नॉन-पैचेबल और मिसिंग लिंक सड़कों के निर्माण को लेकर की गई बजट घोषणाओं पर अमल नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस पर पीडब्ल्यूडी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी से जवाब मांगा।

जवाब देते हुए दीया कुमारी ने जैसे ही मौजूदा सरकार और पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की तुलना करते हुए आंकड़े पेश करने की बात कही, कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई और सदन में हंगामा शुरू हो गया। इस पर डिप्टी सीएम ने कहा कि वे कुछ तथ्य रखना चाहती हैं, लेकिन विपक्ष बिना सुने ही विरोध कर रहा है। कांग्रेस विधायकों की आपत्ति पर पलटवार करते हुए दीया कुमारी ने कहा कि मैंने यह नहीं कहा कि आपने कितने काम नहीं किए। आप इतनी आक्रामकता क्यों दिखा रहे हैं? आपको क्या पता मैं क्या बोलने वाली हूं?

हंगामे के दौरान मंत्री अविनाश गहलोत सहित कई भाजपा विधायक भी अपनी सीटों से खड़े हो गए। अविनाश गहलोत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में भाजपा विधायकों की सिफारिश पर एक किलोमीटर सड़क तक मंजूर नहीं की गई थी।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने सदन में दावा किया कि पिछली कांग्रेस सरकार ने पांच साल में करीब 13 हजार किलोमीटर नई सड़कें बनाई थीं, जबकि मौजूदा सरकार ने केवल दो साल में 16,864 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण किया है।

डीपफेक वीडियो मामले में छलका ऋतु बनावत का दर्द

मुख्य आरोपी को सम्मानित किए जाने पर उठे सवाल

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक ऋतु बनावत ने प्रेस से बातचीत में अपने साथ हुए डीपफेक वीडियो मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भारी मतों से चुनाव जीतने के कुछ ही दिनों बाद उनके खिलाफ एक फर्जी और अश्लील डीपफेक वीडियो बनाकर उसे उनका बताया गया, जबकि उस वीडियो से उनका कोई लेना-देना नहीं था।

विधायक ऋतु बनावत ने बताया कि इस मामले में उन्होंने अपने निर्दलीय साथियों के साथ जाकर पुलिस महानिदेशक दिनेश एम.एन. को शिकायत दी, साथ ही विधानसभा अध्यक्ष को भी पत्र लिखा। उनके हस्तक्षेप के बाद कार्रवाई हुई और कुछ सह-आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई, जो बाद में जेल की सजा काटकर बाहर आए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले का मुख्य अभियुक्त दिनेश मांजू, जो बाड़मेर का निवासी बताया जा रहा है, अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने कई बार उसके ठिकानों पर दबिश दी लेकिन वह हर बार फरार मिला। ऋतु बनावत ने यह भी बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखकर पूरे मामले से अवगत कराया और मुख्यमंत्री ने भी इस संबंध में निर्देश दिए लेकिन इसके बावजूद मुख्य आरोपी कानून की पकड़ से बाहर है।

विधायक ने इस पूरे प्रकरण को और भी दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि 26 जनवरी के अवसर पर उसी मुख्य आरोपी को बाड़मेर में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस व्यक्ति पर एक महिला विधायक का डीपफेक वीडियो बनाने और उसे बदनाम करने का आरोप है, उसे किसकी सिफारिश पर सम्मानित किया गया।

ऋतु बनावत ने कहा कि अगर एक महिला विधायक के साथ ऐसा हो सकता है, तो एक आम महिला की आवाज कितनी आसानी से दबाई जा रही होगी। क्या आज भी महिलाओं को इस देश में हल्के में लिया जा रहा है? उन्होंने सरकार और बाड़मेर जिला प्रशासन से जवाब मांगते हुए पूछा कि क्या उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि सम्मानित किया गया व्यक्ति इस गंभीर मामले का मुख्य आरोपी है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे इस मामले में चुप नहीं बैठेंगी। उन्होंने कहा कि मैं अपने स्वाभिमान पर किसी को चोट नहीं पहुंचाने दूंगी। मुझे सदन के माध्यम से और सरकार से यह जवाब चाहिए कि उस दोषी को किसके रिकमेंडेशन पर सम्मानित किया गया।

कच्चे मकान की दीवार ढही

मलबे के नीचे दबने से दो की मौत

डूंगरपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र के आसेला गांव में नया मकान बनाने के दौरान पुराने कच्चे मकान की दीवार गिराते समय अचानक दीवार ढह जाने से मकान मालिक और एक मजदूर मलबे में दब गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवाया है। जानकारी के अनुसार मनीष रोत निवासी आसेला रोत फला ने सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया कि गांव में उसके पुराने कच्चे मकान को गिराने का कार्य चल रहा था। उसके पिता कांतिलाल रोत (60) दीवार गिरवाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान मजदूर गौतमलाल (50) पुत्र धुला रोत निवासी आसेला दीवार के नीचे की मिट्टी निकाल रहा था। तभी करीब 15 फीट ऊंची मिट्टी की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। इससे कांतिलाल और गौतमलाल दोनों मलबे के नीचे दब गए। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और मलबा हटाने में जुट गए।

मशहूर कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा का निधन, जिनकी डेथ बन गई मिस्ट्री

जोधपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की मशहूर कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा का निधन हो गया। पर साध्वी प्रेम बाईसा की डेथ एक मिस्ट्री बन गई है। राजस्थान के बाड़मेर जिले के परेऊ गांव की मूल निवासी हैं साध्वी प्रेम बाईसा। साध्वी संत समाज में एक बेहद जाना-पहचाना नाम थीं। वे लंबे समय से संत परंपरा से जुड़ी हुई थीं। कथावाचन के माध्यम से सनातन धर्म का प्रचार करती थीं। बताया जा रहा है कि साध्वी प्रेम बाईसा बीते एक साल से एक विवादित वीडियो को लेकर तनाव में थीं। इस पर साध्वी ने सार्वजनिक रूप से अग्निपरीक्षा देने की बात कही थी। उन्होंने संत समाज से अपील की थी कि अग्निपरीक्षा के लिए स्थान और तारीख तय की जाए। साध्वी का कहना था कि वह स्वयं को निर्दोष साबित करेंगी और यह दिखाएंगी कि सनातन धर्म में कितनी शक्ति है। बताया जा रहा है कि साध्वी प्रेम बाईसा ने यह भी कहा था कि उनके खिलाफ रची गई साजिश का पर्दाफाश होगा। पुलिस अधिकारी शकील अहमद इस पूरे मामले की जांच स्वयं कर रहे थे।

जोधपुर के बोरानाडा थाना इलाके के पाल गांव स्थित आश्रम में राजस्थान की चर्चित साध्वी प्रेम बाईसा की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें निजी अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर प्रवीण जैन ने उन्हें 'ब्रॉड डेड' (मृत अवस्था में लाना) घोषित किया था। अस्पताल की सूचना के बावजूद परिजन शव लेकर आश्रम चले गए थे। पुलिस ने आश्रम को सील कर शव महात्मा गांधी अस्पताल मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस अब मौत के कारणों का पता लगाने के लिए मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा रही है। देर रात आश्रम पर सैकड़ों भक्तों की भीड़ जमा हो गई और उसने नारेबाजी शुरू कर दी थी। समर्थक मौत की निष्पक्ष जांच और पोस्टमार्टम की मांग कर रहे थे, जबकि उनके पिता इसके लिए तैयार नहीं थे।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, 15.97 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

कोटा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बहुचर्चित अपेक्षा समूह चिटफंड घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), जयपुर आंचलिक कार्यालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत 15.97 करोड़ रुपए की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। कुर्क की गई संपत्तियों में कुल 37 अचल संपत्तियां और 1.50 करोड़ रुपए की एक चल संपत्ति शामिल है।

कुर्क की गई 37 अचल संपत्तियां कृषि और आवासीय भूमि के रूप में हैं, जो बूंदी, बारां और कोटा जिलों में स्थित हैं। ये संपत्तियां मुरली मनोहर नामदेव, दुर्गाशंकर मेरोठा, अनिल कुमार, गिरिराज नायक, शोभा रानी सहित अन्य आरोपियों और उनसे जुड़े व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं। इसके अलावा समूह से संबंधित 1.50 करोड़

रुपए के बैंक खाते को भी कुर्क किया गया है। यह कार्रवाई 22 जनवरी को की गई।

यह पूरा मामला वर्ष 2012 से जुड़ा हुआ है। जांच में सामने आया कि अपेक्षा समूह ने वर्ष 2012 से 2020 के बीच निवेशकों को असाधारण और अव्यावहारिक लाभ का लालच देकर करीब 194.76 करोड़ रुपए की राशि एकत्र की। समूह का मुख्य संचालन कोटा से किया जा रहा था और इसकी गतिविधियां राजस्थान के कई जिलों तक फैली हुई थीं। पुलिस की ओर से मुरली मनोहर नामदेव और अन्य आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने इस प्रकरण में जांच शुरू की।

ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने आपराधिक और दुर्भावनापूर्ण इरादे से ऐसी योजनाएं तैयार कीं, जिनका उद्देश्य केवल भोले-भाले और आर्थिक रूप से कमजोर निवेशकों को फंसाना था। निवेश पर भारी मुनाफे का कोई वैध आधार या वित्तीय तंत्र मौजूद नहीं था। लाभ देकर पुनः करवाया निवेश

जांच में यह भी सामने आया कि शुरुआती वर्षों में निवेशकों को नाममात्र का लाभ देकर भरोसा बनाया गया। यह राशि या तो नए निवेशकों से जुटाए गए पैसों से दी जाती थी या पुराने निवेशकों को मिले लाभ को दोबारा निवेश कराने के लिए प्रेरित किया जाता था।

पहले फोन पर बात करता रहा फिर घर के बाहर खड़े वाहनों में लगा दी आग

सीसीटीवी में कैद हुआ मामला

कोटा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में कल रात एक युवक ने अंधेरे का फायदा उठाकर घर के बाहर खड़े दो वाहनों में आग लगा दी और मौके से फरार हो गया। आग की ऊंची लपटें देखकर पड़ोसियों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद उन्होंने पानी डालकर आग बुझाई। यह घटना शहर के रेलवे कॉलोनी थाना क्षेत्र के रिद्धि-सिद्धि नगर, कृष्ण विहार भदाना की है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें युवक वारदात के बाद भागता हुआ दिखाई दे रहा है।

पीड़िता अनीता ने बताया कि वह देर रात अपने बच्चों के साथ घर में सो रही थीं। इसी दौरान स्कूटी पर सवार एक युवक उनके घर के बाहर रुका। वह मोबाइल पर बात कर रहा था और उसके पास पेट्रोल से भरी बोतल थी। युवक बोतल लेकर घर के पास आया और वहां खड़े दो वाहनों पर पेट्रोल छिड़क दिया। इसके बाद उसने माचिस की तीली जलाकर स्कूटी की ओर फेंक दी। आग लगते ही ऊंची लपटें उठने लगीं और युवक मौके से फरार हो गया।

वहीं रेलवे कॉलोनी थाना के एसआई राम सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा वाहनों में आग लगाने की शिकायत दर्ज कराई गई है। इस संबंध में एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है, जिसमें एक युवक घर के बाहर खड़ी दो स्कूटियों में आग लगाकर भागता हुआ नजर आ रहा है।

कोहरे के कारण खड़े ट्रेलर में जा घुसी स्लीपर बस

मां-बेटे समेत 4 की मौत, छह गंभीर घायल

भरतपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसा सेवर थाना क्षेत्र के लुढ़ाबई टोल प्लाजा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात करीब 2:30 बजे हुआ। मथुरा से जयपुर जा रही निजी ट्रेवल्स की स्लीपर कोच बस सड़क किनारे खराब खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई। कोहरे के कारण ट्रेलर दिखाई नहीं दिया, जिससे बस चालक समय पर ब्रेक नहीं लगा सका और बस पीछे से ट्रेलर में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक मां और उसका बेटा भी शामिल हैं, वहीं छह से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खराब खड़े ट्रेलर के पीछे न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही कोई चेतावनी संकेत लगाए गए थे। इसे लेकर नेशनल हाईवे अथॉरिटी और पुलिस की लापरवाही भी सामने आई है। सूचना मिलते ही सेवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि बस में अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे यात्री सवार थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और काफी देर तक यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

जाट महासभा के महासचिव सहित 3 लोगों की हरियाणा में मौत

भरतपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान जाट महासभा के महासचिव सहित 3 लोगों की हरियाणा में हुए भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई। जब जाट महासभा के प्रदेश महासचिव खेम सिंह चौधरी देर रात संत रामपाल के आश्रम से दर्शन कर लौट रहे थे। तभी महेंद्रगढ़ जिले में बचावास गांव के पास नेशनल हाईवे नंबर 152 डी पर दर्दनाक हादसा हो गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। जाट महासभा के प्रदेश महासचिव खेम सिंह चौधरी निवासी मानोता खुर्द अपने साथी रमेश चंद मीणा व भागचंद मीणा के साथ अपने गुरुजी से मिलने महेंद्रगढ़ गए थे। वापसी के दौरान अचानक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

मेडारम जातरा के श्रद्धालुओं के लिए आरटीसी की बेहतर सेवाएं

वीसी एवं एमडी नागी रेड्डी ने स्वयं परिवहन व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हर दो वर्ष में आयोजित होने वाली देश की सबसे बड़ी जातराओं में से एक मेडारम महाजातरा में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) द्वारा व्यापक और विशेष परिवहन व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मेडारम में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में उमड़ने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए आरटीसी ने अलग-अलग स्थानों से विशेष बस सेवाएं शुरू की हैं, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इसी क्रम में आरटीसी के वाइस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर नागी रेड्डी ने गुरुवार को स्वयं इन परिवहन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने उप्पल से मेडाराम जाने वाले मार्ग पर कई प्रमुख स्थानों का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मेडारम महाजातरा में जाने वाले श्रद्धालुओं के बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उप्पल बस स्टॉप और हनमकोंडा बस स्टैंड पर विशेष रूप से स्थापित सुरक्षित केंद्रों में बच्चों को पहचान टैग लगाए जाने की व्यवस्था का उन्होंने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं बच्चों को पहचान टैग पहनाए। उन्होंने कहा कि मेडाराम यात्रा के दौरान बच्चों के भटकने से बचाने में यह सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। वीसी एवं एमडी ने आरटीसी अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ रूप से की जाएं।

तेलंगाना ने केंद्रीय कृषि निधियों का पूरा उपयोग किया : मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि तेलंगाना ने केंद्रीय प्रायोजित कृषि योजनाओं के तहत आवंटित निधियों का पूर्ण उपयोग कर पिछले दशक की कमी को सही किया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 2025-26 के लिए अपनी हिस्सेदारी समय पर जारी की और केंद्र सहायता का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया। मंत्री ने सब्सिडी पर उपलब्ध कृषि मशीनरी के माध्यम से किसानों को चल रहे सहयोग का हवाला देते हुए नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन पर ड्रॉप मोर क्रॉप और मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर जैसी योजनाओं के लिए अतिरिक्त 200 करोड़ रुपये की मांग की।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने दिया 100 साल पुरानी गोशाला हटाने का आदेश

हैदराबाद नगरपालिका दो हफ्ते में कराएगी खाली

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने इस महीने की शुरूआत में हैदराबाद में एक जमीन से अतिक्रमणकारियों को तत्काल हटाने का आदेश दिया था। इस जमीन पर एक प्राइवेट चैरिटेबल ट्रस्ट एक सदी से अधिक समय से पशु चिकित्सालय और गोशाला का संचालन कर रहा है। अदालत ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए दो सप्ताह का समय देते हुए 9 जनवरी को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम और बंदोबस्ती विभाग को परिसर को किसी भी अतिक्रमण से बचाने और अगली सुनवाई की तारीख 30 जनवरी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सुद्दला चलपति राव ने वर्ष 2007 में पशु क्रूरता निवारण सोसायटी (एसपीसीए) द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश पारित किए। न्यायमूर्ति सुद्दला चलपति राव ने साल 2007 में पशु क्रूरता निवारण सोसायटी (एसपीसीए) द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश पारित किए। न्यायाधीश ने अधिकारियों को हैदराबाद पुलिस से संपर्क करने और आदेश के क्रियान्वयन के लिए पुलिस सुरक्षा मांगने का निर्देश दिया और हैदराबाद पुलिस आयुक्त को अतिक्रमण हटाने में पूर्ण सहयोग देने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता, एससीपीए, 1927 में स्थापित एक निजी ट्रस्ट है जो मूसी नदी पर मुसजंम जंग पुल के पास एक पशु चिकित्सालय और गोशाला चला रहा है। न्यायालय के समक्ष दायर याचिका में जीएचएमसी को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह सोसाइटी की संपत्ति पर किसी भी प्रकार का निर्माण या सड़क निर्माण न करे और मौजूदा अतिक्रमणों को हटाए। संस्था की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के हरिहरन ने कहा कि याचिकाकर्ता ट्रस्ट लाभ कमाने के उद्देश्य के बिना पशुओं के कल्याण को सर्वोपरि मानते हुए चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि संपत्ति पर सड़क बनाई जा चुकी है और जमीन के एक हिस्से पर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसके कारण याचिकाकर्ता ट्रस्ट पशुओं को सेवाएं प्रदान करने से वंचित हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हालांकि ट्रस्ट को मूल रूप से 4000 वर्ग गज भूमि आवंटित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता ऐतिहासिक रूप से आंध्र प्रदेश के पूर्व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और तत्कालीन निजाम सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाती थी। अब इसमें केवल लगभग 2096 वर्ग गज भूमि ही शेष है और उसमें एक सड़क भी बना दी है और एक होटल भी अवैध रूप से निर्मित हो गया है।

सरकारी वकील और जीएचएमसी के स्थायी वकील ने अपनी ओर से यह तर्क दिया कि पशु चिकित्सालय के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि का एक हिस्सा अभी भी गोशाला के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इन तर्कों पर ध्यान देते हुए, न्यायालय ने यह दर्ज किया कि ट्रस्ट द्वारा पशु चिकित्सालय और गौशाला के रूप में उपयोग की जाने वाली भूमि पर एक निजी व्यक्ति ने होटल चलाने के उद्देश्य से अतिक्रमण कर लिया है। इसके बाद, अदालत ने प्रतिवादी अधिकारियों को कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करने, दो हफ्ते के भीतर विवादित भूमि पर अतिक्रमण हटाने और रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

घासमंडी स्थित दी ए.पी.महाजन कॉपोरेटिव उर्बन बैंक लिमिटेड के सभा भवन में सायं 4 बजे मासिक मीटिंग आयोजित कर बैंक के विकासशील कार्यो, आय-व्याय का विवरण, बैंक के अंर्तगत चेयरमैन, सीईओं के लिए अतिरिक्त रूम एवं तेलंगाना में तीसरी ब्रांच के शुभारम्भ, के लिए विचार-विमर्श करते हुए चेयरमैन बी.पारसमल रांका, सीनियर वाईस चेयरमैन अशोक शेरमल बोहरा, वाईस चेयरमैन सुरेशचन्द संचेती, डायरेक्टर उत्तमचन्द जैन, पारसमल कोठारी, गौतमचन्द श्रीश्रीमाल, ताराचन्द शर्मा, शंकरसिंह राजपुरोहित, डी.महेश कुमार, जगदीशप्रसाद वर्मा, डी.मोहनदास, प्रकाशचन्द भंडारी, सुरेशचन्द कोठारी, श्वेता रांका, निशिता जैन, प्रोफेशनल डायरेक्टर जिनेन्द्रराज गुलेच्छा, पंकज संचेती एवं बैंक सीईओ विजय प्रसाद।

बोडुप्पल स्थित कराड़ी वडेर सीरवी समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुने जाने पर भीमाराम आगलेचा का समाज के प्रवासी बन्धुओं द्वारा राजस्थानी साफा व पुष्प-माला से सम्मान कर उपस्थित चम्पालाल सोलंकी, गमनाराम सेपटा, चिमनाराम वरपा, देवाराम राठौड़, नारायणलाल गेहलोत, धन्नाराम सैंणचा, मोहनलाल मुलैवा, भुराराम, दलाराम आगलेचा, मांगीलाल, पुनाराम चोयल व अन्य।

राज्यपाल ने आर्मी गैरीसन में 108-फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के माननीय राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में हैदराबाद के मेहदीपटनम गैरीसन में 108-फीट ऊंचे खंभे पर लगाए गए राष्ट्रीय ध्वज का उद्घाटन किया। इस समारोह में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, नागरिक गणमान्य व्यक्ति, फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि, सैनिक, पूर्व सैनिक और एनसीसी कैडेट शामिल हुए। इस कार्यक्रम में गार्ड ऑफ ऑनर, राष्ट्रीय ध्वज फहराना और राष्ट्रगान शामिल था। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी, व्यावसायिकता और निस्वार्थ सेवा को श्रद्धांजलि दी और सैनिकों और उनके परिवारों द्वारा किए गए बलिदानों को स्वीकार किया।

उन्होंने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के योगदान की सराहना की और एनसीसी कैडेटों को अनुशासन, सेवा और देशभक्ति के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने 108-फीट ऊंचे खंभे वाले झंडे को प्रायोजित करने के लिए फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री नवीन जिंदल को भी धन्यवाद दिया, और तिरंगे के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय गौरव को मजबूत करने के उनके प्रयासों की सराहना की। मेजर जनरल राहुल देव शर्मा, जनरल-ऑफिसर-कमांडिंग बाइसन डिवीजन ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया और राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा को बनाए रखने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कहा कि इस ऊंचे खंभे वाले झंडे की स्थापना नागरिक प्रशासन और बाइसन डिवीजन के बीच सहज तालमेल का प्रमाण है।

आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने विभिन्न धर्मगुरुओं, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारीयों को निमंत्रीत करते हुए जसमत पटेल, अशोक पटेल, वसंत पटेल, प्रभु पटेल, मनसुख पटेल किरणा पटेल, हरिभाई मायछ, सुरेश पटेल, भरत पटेल, अनील पटेल, चमन पटेल, बलदेव पटेल, प्रभु पटेल, हसमुख पटेल एवं अन्य।

ओमान से हैदराबाद लाया गया गोल्लू अब्बुल्लू का शव

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने गोल्लू अब्बुल्लू, निजामाबाद जिले के यांचा गांव के प्रवासी मजदूर, का पार्थिव शरीर को ओमान से हैदराबाद लाकर उनके परिवार को सुपुर्द किया। अब्बुल्लू 9 दिसंबर को ओमान के इब्री रेगिस्तान में मृत पाए गए थे। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री राहत कोष से 1.50 लाख रुपये मृतक की पत्नी को प्रदान किए और प्रत्यावर्तन की सभी व्यवस्थाएं की। परिवार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और सीएम प्रजावाणी टीम का आभार व्यक्त किया।

एकादशी उद्यापन एवं घोड़ा उजवना कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर (बडेर) में राजस्थानी मित्र मंडल जगदगिरीगुटा आलविन कालोनी हैदराबाद के तत्वावधान में माघ मास के पावन अवसर पर ग्यारस उद्यापन कार्यक्रम सम्पन्न, जागरण व महा प्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें भजन गायक भेराराम सैणचा, भुराराम सैणचा एण्ड पार्टी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। श्री बाबा रामदेवजी मंदिर में ग्यारस उधपान कार्यक्रम में घोड़ा चढ़ावा किया। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित भोजन प्रसादी में सर्व समाज बन्धुओं व भक्तों ने सपरिवार लाभ लिया। कार्यक्रम में पधारे सर्व समाज बन्धुओं व भक्तों का राजस्थानी महिला मित्र मंडल जगदगिरीगुटा आलविन कालोनी हैदराबाद के सभी कार्यकर्ताओं ने तहदिल से आभार किया। पुजा अर्चना व आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

यादाद्री भुवनगिरी में बाघ के पदचिह्न मिलने से ग्रामीणों में दहशत

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भुवनगिरी जिले के तुरकापल्ली मंडल के गांवों में बाघ के घूमने की खबर ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी है। वन अधिकारियों का अनुमान है कि यह बाघ सिद्दिपेट जिले से इस क्षेत्र में प्रवेश कर गया है। गुरुवार को थिरुमलपुर गांव के कृषि क्षेत्रों में बाघ के पदचिह्न पाए गए। एक किसान ने खेतों में इन निशानों को देखा और इसकी सूचना गांव के सरपंच वेंकटेश यादव को दी, जिन्होंने वन अधिकारियों को सूचित किया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर पदचिह्नों की जांच कर रही है। पड़ोसी गांवों श्रीनिवासपुरम, धर्माराम और वीरारेड्डीपल्ली में भी बाघ के घूमने की खबरों के बाद दहशत का माहौल है। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और जानवरों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। वन अधिकारियों के अनुसार, बाघ अब पीरलापल्ली वन क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। माना जा रहा है कि यह बाघ महाराष्ट्र से तेलंगाना में प्रवेश कर यादद्री भुवनगिरी पहुंचा है और वर्तमान में दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ रहा है। पिछले कुछ दिनों में बाघ ने मवेशियों पर हमला किया था, लेकिन अब तक कोई नया शिकार नहीं हुआ है।

प्रो. तुषार जाना को पॉलिमर विज्ञान में योगदान के लिए आईएएस का फेलो चुना गया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के रसायन विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर तुषार जाना को वर्ष 2026 के लिए भारतीय विज्ञान अकादमी (आईएएस), बेंगलुरू का फेलो चुना गया है। यह सम्मान उन्हें पॉलिमर रसायन विज्ञान और सामग्री विज्ञान में उनके उत्कृष्ट और निरंतर योगदान के लिए दिया गया है। प्रोफेसर जाना ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में बीएससी और एमएससी की डिग्री प्राप्त की और इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस), कोलकाता से पीएचडी पूरी की।

राजभाषा प्रदर्शनी स्टॉल का उद्घाटन

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, बेगमपेट हवाईअड्डा में जारी विंग्स इंडिया 2026 में राजभाषा प्रदर्शनी स्टॉल का उद्घाटन आज नागर विमानन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। अवसर पर श्री सिन्हा ने बताया कि नागर विमनन मंत्रालय में राजभाषा हिंदी का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाता है।

उन्होंने कहा की इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन एक नई पहल है इससे हिंदी एवं भारतीय भाषाओं का व्यापक प्रसार होगा। मंत्रालय के निदेशक राजभाषा लेफ्टनेंट कर्नल एम के सिंह ने कहा कि नागर विमानन मंत्रालय तथा इससे अंतर्गत आनेवाले सभी कार्यालयों उपक्रमों तथा संगठनों में राजभाषा हिंदी का विकास व्यापक प्रचार प्रसार हो रहा है। आज वैश्विक स्तर पर हिंदी का प्रभाव बढ़ रहा है ऐसे में इस प्रकार की प्रदर्शनियों के आयोजन से हिंदी की व्यापकता और अधिक सुदृढ़ होगी।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान निदेशक राजभाषा, लेफ्टनेंट कर्नल एम के सिंह, मंत्रालय के रवींदर कुमार राजभाषा प्रदर्शनी के नोडल अधिकारी एवं भारतीय विमानपत्तन प्रधिकरण के संयुक्त महाप्रबंधक राजभाषा संजीव कुमार, हैदराबाद हवाई अड्डा के महाप्रबंधक वी वेंकटेश्वर राव, अचिंत कुमार दत्त, वरूड्ड वेंकटेश्वर राव, गोपकुमार, शुक्ला उपेंद्र कुमार, पर्यवेक्षक राजभाषा व अन्य अधिकारी उपस्थित थे। विंग्स इंडिया 2026 अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विमानन प्रदर्शनी है इसमें विश्व के कई दिग्गज विमानन कंपनियों द्वारा भाग लिया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

ई-निविदा सूचना सं.02-2026 दि.27-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि & समय 23-02-2026 के 15.00 बजे

क्रम संख्याः1, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2008, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः डीइएन/उत्तर/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू (I)-हगारी स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उच्च स्तर पर उठाना, एसडब्ल्यू (II) -विरापुर स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उंचे स्तर पर उठाना, एसडब्ल्यू (III)-बन्टानहल स्टेशन पर प्लेटफार्म को उच्च स्तर पर उठाना। विज्ञापित मूल्य रु.8,65,13,552.19 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.5,82,600.00

क्रम संख्याः2, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2009, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः डीइएन/उत्तर/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू (I)-संपूराहल्ली हाल्ट स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उच्च स्तर पर उठाना, एसडब्ल्यू (II) -थानगुडी स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उंचे स्तर पर उठाना। विज्ञापित मूल्य रु.,5,49,40,718.74 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.4,24,700.00

क्रम संख्याः3, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2010, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः डीइएन/उत्तर/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू (I)-चेगुंटा स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उच्च स्तर पर उठाना, एसडब्ल्यू (II) -याड्लापुर स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उंचे स्तर पर उठाना, एसडब्ल्यू (III)-चिकसुगुर स्टेशन पर प्लेटफार्म को उच्च स्तर पर उठाना। विज्ञापित मूल्य रु.5,23,44,557.02 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.4,11,700.00

क्रम संख्याः4, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2011, कार्य विवरणः गूटी डिवीजनः गूटी स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उच्च स्तर पर उठाना। विज्ञापित मूल्य रु.6,64,02,270.66 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.4,82,000.00

क्रम संख्याः5, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2012, कार्य विवरणः एसआर.डीइएन/सेंट्रल/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू (I)-जक्कलाचेरुवुः जक्कलाचेरुवु स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उच्च स्तर पर उठाना, एसडब्ल्यू (II) जुटुरू- जुटुरू स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उंचे स्तर पर उठाना, एसडब्ल्यू (III)-रायलचेरुवु स्टेशन पर प्लेटफार्म को उच्च स्तर पर उठाना। विज्ञापित मूल्य रु.9,05,11,478.92 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.6,02,600.00

क्रम संख्याः6, निविदा सख्याः इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2013, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः जक्कलचेरुवु (जेकेओ) - गूटी (जीवाय)-रेणीगुंटा (आरयु) सेक्शन में अप लूप लाइन के कामन लूप सुविधाओं हेतु क्रासओवर्स कोंडापुरम (केडीपी)-गूटी (जीवाय)-रेणीगुंटा (आरयु) सेक्शन में डाउन लूप के कामन लूप सुविधा हेतु क्रासओवर्स विज्ञापित मूल्य रु.56,53,637.15 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.1,13,100.00

क्रम संख्याः7, निविदा सख्याः इएनजीजी-जीटीएल-कोआर्ड-2014, कार्य विवरणः गुंटकलः लान्स या घास के मैदान/बगीचों, झाडियां या श्रब्स, हेजेस या बाड का रखरखाव कार्य। विभिन्न वेकेशंस जैसे एनवायरनमेंटल ए डे, हायर आफिशियल इंस्पेक्शन, सूखे/मृत पौधों प्रतिस्थापन आदि के दौरान बागवानी पौधारोपण सहित 12 महिनों की अवधि हेतु एडीइएन/एसडब्ल्यू/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत नर्सरी पोधों, वृक्षारोपण की व्यवस्था की जायेगी। (एसएसइ/डब्ल्यू/दक्षिण तथा एसएसइ/डब्ल्यू/उत्तर)। विज्ञापित मूल्य रु.1,38,46,520.02 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.2,19,200.00

क्रम संख्याः8, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2015, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः डीइएन/पश्चिम/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। विज्ञापित मूल्य रु.5,96,41,083.63 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.4,48,200.00

क्रम संख्याः9, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2016, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः धर्मावरम स्टेशन पर कोच वाटरिंग व्यवस्थाओं में वृध्दि तथा तुरंत पानी या वाटरिंग सुविधाएं। विज्ञापित मूल्य रु.9,00,95,470.39 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.6,00,500.00

क्रम संख्याः10, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-2017, कार्य विवरणः रेणीगुंटाः पीएफ नं. 2 & 3 को मानक उंचाई तक उठाना। विज्ञापित मूल्य रु.4,43,09,803.32 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.3,71,600.00

क्रम संख्याः11, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2018, कार्य विवरणः रेणीगुंटाःडीइएन/उत्तर/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत आरडीएसओ अनुमोदित ट्रांसलामैटिक रोबोटिक टेक्नालाजी सहित वर्नआउट या घिसेपीटे सीएमएस क्रासिंग्स 1 इन 8.5, 1 इन 12 तथा 1 इन 16 (60केजी/52केजी रेल सेक्शंस) की प्रस्तावित इनसिटु रिकंडीशनींग करना। विज्ञापित मूल्य रु.98,50,745.25 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.1,97,000.00

क्रम संख्याः12, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2019, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-कोंडापुरम-केडीपी (रोड नं.1&4) पर प्रस्तावित बल्लास्टलेस्स ट्रैक्स को बिछाना। विज्ञापित मूल्य रु.9,38,66,468.04 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.6,19,300.00

क्रम संख्याः13, निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल- सेंट्रल-2020, कार्य विवरणः ताडीपत्रीः स्टोर्स सहित एसएसइ/पी.वे आफिस का प्रस्तावित निर्माण कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.1,80,75,068.16 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु. 2,40,400.00

कोई भी शुद्धिपत्र, केवल आनलाइन पर ही जारी होगा। सं. जी/डब्ल्यू.496/टीसी/ई-नोटिस-02-2026, दि.27-01-2026

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटकल

निविदा सं. जीटीएल-इएम-72-2025-26, जीटीएल-इएम-73-2025-26, दि.28-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव /गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः जीटीएल-इएम-72-2025-26, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-1. अनंतपुरः- 12 एम एफओबी हेतु 6 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान। 2. श्रीकालहस्तीः - 12 एम एफओबी हेतु 4 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान। 3. कड्पाः- नई 12 एम एफओबी हेतु 3 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान। (एस्केलेटर्स पोर्शन)। अनुमानित मूल्य रु.11,92,86,023.87

निविदा संख्याः जीटीएल-इएम-73-2025-26, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-1. ताडीपत्री- नई 12 एमएफओबी हेतु 3 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान। 2. मंत्रालयम रोड - नई 12 एम एफओबी हेतु 3 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान। 3. ढोने- नई 12 एम एफओबी हेतु 4 संख्यक एस्केलेटर्स (अप एण्ड डाउन) का प्रावधान। (एस्केलेटर्स पोर्शन)। अनुमानित मूल्य रु.9,17,58,479.90

बंद करने की तिथि व समयः 16-02-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकारों द्वारा निविदा दस्तावेज को मुफ्त में https://www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

टिप्पणीः ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

सी/ई.29/टीआरडी/एससी/61/2025-26, दि.12-01-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदा की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्याः1, एनआयटी संख्याः सी/ई.29/टीआरडी/एससी/61/2025-26, कार्य विवरणः टेंडर नं. सी/इ.29 /टीआरडी/एससी/61/2025-26, दि.12-01-2026, एससी डिवीजनः सुरक्षा के दृष्टिगत केजेडजे-डब्ल्यूडी सेक्शन में एससीएडीए सिस्टम हेतु साइबर सेक्युरिटी फीचर का प्रावधान। विवरणः अनुमानित लागत रु.7,10,08,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 9 महिने, बंद करने की तिथिः 20-02-2026 के 15.00 बजे

1. बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
2. निविदाकार तत्संबंधित में केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।
3. आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ire ps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते /अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड कर सकते हैं, जिसमें भाग ले सकते हैं तथा तत्संबंधित कोई भी परिवर्तन यदि कोई हो तो, उसका अवलोकन कर सकते हैं।
4. सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स के माध्यम से ही निविदा प्रपत्र मूल्य तथा पूर्व धरोहर राशि या पूधरा को जमा करें।
5. इस निविदा सूचना को, सीनि. डीइइ/टीआरडी कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद पर स्थित नोटिस बोर्ड पर दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देख सकते हैं।
6. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित हैं।
7. सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा उसे अपने आफर्स सहित प्रस्तुत करें।
8. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

सी/ई.29/टीआरडी/एससी/62/2025-26, दि.12-01-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेंडरिंग की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः1, एनआयटी सं.-सी/इ.29/टीआरडी/एससी/62/2025-26, कार्य विवरणः टेंडर नं. सी/इ.29/टीआरडी/एससी/62/2025-26, दि.12-01-2026, एससी डिवीजनः सुरक्षा के दृष्टिगत केजेडजे-केआय सेक्शन में एससीएडीए हेतु साइबर सेक्युरिटी फीचर का प्रावधान। विवरणः अनुमानित लागत रु.5,22,15,050.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 9 महिने, बंद करने की तिथिः 20-02-2026 के 15.00 बजे

1. बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
2. निविदाकार तत्संबंधित में केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।
3.आईआरपीएस वेबसाइटः www. ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा इसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसका अवलोकन कर सकते हैं।
4. सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स के माध्यम से ही निविदा प्रपत्र मूल्य एवं पूर्व धरोहर राशि को जमा करें।
5. इस निविदा सूचना को, सीनि. डीडीइ/टीआरडी कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।
6. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।
7. सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर्स सहित प्रस्तुत करें।
8. निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन द्वारा जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

A2312

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-WAT-DCM-02-2026, दिनांक : 22.01.2026

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल में ABSS स्टेशनों- सिम्हाचलम (SCM), दुव्वाडा (DVD), बोब्बिलि (VBL), जयपुर (JYP) एवं जगदलपुर (JDB) पर आर्ट कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 99,95,870/-, EMD (रुपये में) : 1,99,900/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 13.02.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 10(दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-1057/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.EPC-CECONII VSKP2026001, दिनांक : 16.01.2026

कार्य का नाम : खोरधा रोड-विजयनगरम तीसरी लाईन परियोजना : 16 संख्यक मेजर (Major) पुल का डिजाइन एवं निर्माण अर्थात् (1) (सीएच.627.620 कि.मी. स्थित पुल नं.1045 (1x12.2m PSC स्लैब), (2) (सीएच.627.812 कि.मी. स्थित पुल नं.1046 (5x18.3m+1x24.4m CG), (3) (सीएच.629.143 कि.मी. स्थित पुल नं.1046a (1x30.5m OWT गर्डर), (4) (सीएच.630.183 कि.मी. स्थित पुल नं.1047a (1x45.7m OWT गर्डर), (5) (सीएच.630.899 कि.मी. स्थित पुल नं.1050 (4x12.2m PSC स्लैब), (6) (सीएच.632.046 कि.मी. स्थित पुल नं.1052 (6x12.2m PSC स्लैब), (7) (सीएच.647.752 कि.मी. स्थित पुल नं.1098 (1x24.4m CG), (8) (सीएच.650.807 कि.मी. स्थित पुल नं.1106 (1x30.5m OWT गर्डर), (9) (सीएच.652.655 कि.मी. स्थित पुल नं.1110 (1x30.5m OWT गर्डर), (10) (सीएच.656.969 कि.मी. स्थित पुल नं.1122 (5x18.3m CG), (11) (सीएच.678.044 कि.मी. स्थित पुल नं.1176 (1x18.3m CG),(12) (सीएच.681.139 कि.मी. स्थित पुल नं.1185 (6x12.2m+2x6.10m PSC स्लैब), (13) (सीएच.681.889 कि.मी. स्थित पुल नं.1187 (3x12.2m PSC स्लैब), (14) (सीएच.698.695 कि.मी. स्थित पुल नं.1227 (8x6.1m PSC स्लैब), (15) (सीएच.699.454 कि.मी. स्थित पुल नं.1228 (6x6.1m PSC स्लैब) एवं (16) (सीएच.700.249 कि.मी. स्थित पुल नं.1230 (8x6.1m PSC स्लैब) के साथ पुलों के किसी भी छोर पर 100 मीटर पहुंच में फॉर्मेशन एवं EPC मोड में पूर्व तट रेलवे के खोरधा एवं वाल्टियर मण्डल में इच्छापुरम (626.35 कि.मी.) एवं नौपाडा (701.581 कि.मी.) के बीच अन्य अनुषंगिक सुरक्षा कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 14,399.89 लाख, EMD (रुपये में) 72,00,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 18.03.2026 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ने के साथ सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण)/ भुवनेश्वर

PR-239/CI/25-26

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.DYCEGSUWAT ENGG2026002, दिनांक :17.01.2026

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे में वाल्टियर मण्डल के गरिविडि-नेल्लिमार्ला स्टेशन के बीच कि.मी.801/1-3 स्थित मौजूदा मानवयुक्त समपार-453 के बदले में RE वॉल्स के साथ पुल पहुंच सहित (1x42 मीटर कम्पोजिट गर्डर +2x18 मीटर कम्पोजिट गर्डर +7x24.0 मीटर RCC T-बीम गर्डर) के साथ आरओबी (रोड ओवर ब्रिज) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 50,10,03,261.91, EMD (रुपये में) : 26,55,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.02.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकरों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ने के साथ-साथ सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (GSU)/ वाल्टियर

PR-241/CI/25-26

युवराज बोले- सम्मान-समर्थन नहीं मिलने के कारण लिया था संन्यास

खुद से सवाल करने लगा था कि क्रिकेट क्यों खेल रहा हूं

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के महान खिलाड़ियों में शुमार रहे युवराज सिंह ने अपना करियर खत्म होने के 6 साल बाद अचानक कई बड़े खुलासे कर दिए हैं। उन्होंने वो सारी विवादित बातें भी कह डालीं जिसको लेकर अब तक उन्होंने चुप्पी साधी हुई थी।

सिक्सर किंग के नाम से मशहूर रहे भारत को दो फॉर्मेट के वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज सिंह ने आखिर चुप्पी तोड़ दी है। उन्होंने ना सिर्फ ये बताया कि उनको किस वजह से संन्यास लेना पड़ा, बल्कि इसके अलावा भी सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट के दौरान कई बड़े खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

दिग्गज भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने जून 2019 में क्रिकेट से संन्यास लेने के कारणों के बारे में खुलकर बात की है। उस वर्ष वनडे विश्व कप के लिए भारत की टीम से बाहर किए जाने के बाद, युवराज ने इंडियन प्रीमियर लीग और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट दोनों छोड़ दिए। जिस खेल को उन्होंने बचपन से खेला था, उसमें उनकी लंबी और भावनात्मक यात्रा इस फैसले के साथ समाप्त हो गई।

युवराज सिंह ने क्रिकेट को अलविदा कहने के 6 सालों बाद अब सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट इंटरव्यू के दौरान दावा किया कि वो अब खेल का आनंद नहीं ले रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पसंद में एक महत्वपूर्ण कारण उनके आसपास के लोगों से मिलने वाली सम्मान और प्रोत्साहन की कमी थी। यह युवराज के लिए एक भी खराब सीरीज या मुश्किल दौर नहीं था। खेल एक जिम्मेदारी की तरह महसूस होने लगा था जो मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक थकान के गहरे स्तर के कारण देने से ज्यादा ले रहा था। युवराज सिंह ने अपनी बात रखते हुए कहा- मैं अपने खेल का आनंद नहीं ले रहा था। मुझे लग रहा था कि मैं क्रिकेट क्यों खेल रहा हूं जब मैं इसका आनंद नहीं ले रहा हूं। मुझे समर्थित महसूस नहीं हो रहा था। मुझे सम्मानित महसूस नहीं हो रहा था। और मुझे लगा, मुझे यह क्यों करना चाहिए जब मेरे पास यह नहीं है। मैं किसी ऐसी चीज पर क्यों टिका रहूं जिसका मैं आनंद नहीं ले रहा हूं। मुझे क्यों खेलने की ज़रूरत है? क्या साबित करने के लिए? मैं इससे ज्यादा मानसिक या शारीरिक रूप से नहीं कर सकता, और यह मुझे चोट पहुँचा रहा था। और जिस दिन मैंने छोड़ा, मैं फिर से खुद बन गया।

सानिया मिर्जा से बातचीत के दौरान युवी ने अपने बचपन को लेकर भी एक बड़ा खुलासा किया। युवराज सिंह ने अपने किशोरावस्था के एक समय को भी याद किया जब उनकी प्रतिभा पर सवाल उठाया गया था। हालांकि, उन्होंने नाराजगी के बजाय व्यक्तिगत अपमान की तुलना में समय और धारणा के बारे में अधिक पेश किया। ये किसी पूर्व भारतीय क्रिकेट के बारे में था जिन्होंने युवराज की प्रतिभा का सम्मान नहीं किया था।

युवराज ने कहा, अब जब मैं इसे वापस देखता हूं, तो मुझे लगता है कि उसके पास मुझे ठीक से देखने का समय नहीं था। वो बस मेरे पिताजी के साथ अच्छा व्यवहार कर रहा था। फिर जाहिर है, वह उस समय भारत के लिए खेल रहा था, इसलिए उसने शायद ऐसा कहा होगा। मैं उस समय 13-14 साल का था, बस एक खेल का पता लगा रहा था। मैं इसे व्यक्तिगत रूप से नहीं लेता, लेकिन मेरे पिता ने इसे व्यक्तिगत रूप से लिया।

गौरतलब है कि युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने कई बार पूर्व भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी पर भड़ास निकाली है और कुछ ऐसी अजीब बातें कही हैं जो धोनी फैंस के आज भी गले नहीं उतरती। युवराज और धोनी के बीच मतभेदों की अफवाहों बीच योगराज के बयान आग में घी का काम करते रहे थे।

युवराज सिंह ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को हराने के बाद मैदान पर वापसी की थी, लेकिन फिर उनका करियर पटरी पर लौट नहीं सका और उन्हें रिटायर होना पड़ा। बाद में युवी ने अपने ही शहर के एक युवा खिलाड़ी को ट्रेनिंग देने में अहम भूमिका निभाई और उसे अपने जैसा ही विस्फोटक बल्लेबाज बना दिया। आज दुनिया उन्हें अभिषेक शर्मा के नाम से जानती है, जो इस समय भारतीय टी20 टीम के ओपनर हैं और आईसीसी रैंकिंग में दुनिया के नंबर.1 टी20 बल्लेबाज भी बन चुके हैं।

टीम इंडिया के ओपनिंग मैच से 72 घंटे पहले होगा वॉशिंगटन सुंदर के खेलने पर फैसला?

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वॉशिंगटन सुंदर के T20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलने को लेकर सस्पेंस बरकरार ही है. अब खबर आ रही है कि उनके खेलने पर टूर्नामेंट में भारत के ओपनिंग मैच से 72 घंटे पहले कोई ना कोई नतीजा आ सकता है. टीम इंडिया को T20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान का आगाज यानी कि अपना ओपनिंग मैच 7 फरवरी को USA से खेलना है. उस मैच से ही 72 घंटे पहले ये डिसाइड हो सकता है कि वॉशिंगटन सुंदर टूर्नामेंट में टीम इंडिया का हिस्सा होंगे या नहीं. रिपोर्ट के मुताबिक ओपनिंग मैच से 72 घंटे पहले यानी 4 फरवरी को वॉशिंगटन सुंदर का फिटनेस टेस्ट हो सकता है.

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक वॉशिंगटन सुंदर का 4 फरवरी को फिटनेस टेस्ट हो सकता है. उनका फिटनेस टेस्ट बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा. वॉशिंगटन सुंदर को 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले पहले वनडे के दौरान इंजरी हुई, जिसके बाद से ही वो टीम से बाहर हैं.

टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक वॉशिंगटन सुंदर पर कोई भी बैकअप प्लान पर अमल करने से पहले टीम मैनेजमेंट और सेलेक्टर्स आधिकारिक मेडिकल अपडेट के इंतजार में है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम में बदलाव करने की अंतिम तारीख 30 जनवरी है. लेकिन इंजरी के केस में टेक्निकल कमेटी के अप्रूवल पर खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के बीच में भी रिप्लेस किया जा सकता है.

वॉशिंगटन सुंदर को लेकर 28 जनवरी को खबर आई थी कि उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में काफी देर तक बल्लेबाजी की थी. लेकिन, 29 जनवरी को उन्होंने ड्रील भी नहीं किया. वहीं तिलक वर्मा और रियान पराग ने मैच जरूर खेला. तिलक वर्मा भी अपनी सर्जरी के चलते टीम इंडिया से बाहर थे. लेकिन, उन्हें लेकर खबर है कि वो 3 फरवरी को टीम इंडिया से जुड़ जाएंगे. भारतीय टीम का जमावड़ा T20 वर्ल्ड कप को लेकर 3 फरवरी को मुंबई में लगने वाला है. उस दिन ट्रेनिंग के बाद टीम को पहला वॉर्म अप मैच 4 फरवरी को साउथ अफ्रीका से खेलना है. 4 फरवरी को ही इधर बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में वॉशिंगटन सुंदर का फिटनेस टेस्ट हो सकता है, जहां ऐसा माना जा रहा है कि टूर्नामेंट के बाद के चरण में भी उनके पूरी तरह से फिट होने की उम्मीद रही तो वो टीम में बने रहेंगे. अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर रियान पराग को वर्ल्ड कप की टीम से जोड़ा जा सकता है.

बिना मैदान पर उतरे ही ऑस्ट्रेलिया ने बनाया पाकिस्तान का मजाक! घर में ही बेइज्जत महसूस करेगा पड़ोसी मुल्क

लाहौर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ल्ड क्रिकेट में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और प्लेयर्स का इन दिनों खूब मजाक बन रहा है. हाल ही में बिग बैश लीग में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की घनघोर बेइज्जती हुई थी. वहीं, बांग्लादेश प्रीमियर लीग में एंकर की भूमिका निभाने पहुंचे पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा को भी बेइज्जत होना पड़ा था.

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तान की धरती पर टी-20 सीरीज खेलने पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पड़ोसी मुल्क का बिना मैदान पर उतरे ही मजाक बना डाला है. कंगारू टीम की इस हरकत से यकीनन पाकिस्तान अपनी ही सरजमीं पर बेइज्जत महसूस करेगा. क्या है पूरा मामला आइए आपको समझाते हैं.

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले पहले टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग 11 का ऐलान कर दिया है. अब चौंकाने वाली बात यह है कि पहले ही मैच के लिए कंगारू टीम ने अपने नियमित कप्तान मिचेल मार्श को आराम दे दिया है और कप्तानी की जिम्मेदारी ट्रेविस हेड के हाथों में सौंप दी है.

वहीं, प्लेइंग 11 में एक साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन ऐसे प्लेयर्स को उतराने का फैसला किया है, जो इस फॉर्मेट में अपना डेब्यू करेंगे. यानी पाकिस्तान की मजबूत प्लेइंग 11 के सामने ऑस्ट्रेलिया ने अपनी लगभग बी टीम को खिलाने का फैसला लिया है.

ये तीन खिलाड़ी करेंगे डेब्यू

पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले पहले टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की ओर से माहिल बियर्डमैन, जैक एडवर्ड्स और मैथ्यू रेनशॉ डेब्यू करेंगे. वहीं, ट्रेविस हेड टीम की अगुवाई करते हुए दिखाई देंगे. टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले दोनों टीमों के पास अपनी तैयारियों को परखने का बढ़िया मौका होगा.

हालांकि, पाकिस्तान विश्व कप में हिस्सा लेगा या नहीं इस पर अभी सस्पेंस बना हुआ है. पाकिस्तान सरकार की ओर से इस पर आखिरी फैसला 30 जनवरी से 2 फरवरी के बीच में आने की उम्मीद जताई जा रही है.

टी20 विश्व कप में उतरने से पहले पाकिस्तान की बड़ी धमकी!

अब हर मुकाबले में पाकिस्तानी खिलाड़ी पहनेंगे काली पट्टी

लाहौर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से पहले क्रिकेट जगत में हाई-वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया है। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 7 फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में अब पाकिस्तान ने विरोध जताने का एक अनोखा और हैरान कर देने वाला तरीका निकाला है। खबर है कि बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से बाहर किए जाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अब आईसीसी के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में है, लेकिन इस बार उनका तरीका थोड़ा अलग होगा। हाल ही में जब बांग्लादेश ने भारत में खेलने से मना किया और आईसीसी ने उसे टूर्नामेंट से बाहर कर स्कॉटलैंड को एंट्री दे दी, तब पाकिस्तान सबसे पहले बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा हुआ था।

पाकिस्तान ने धमकी दी थी कि अगर बांग्लादेश के साथ न्याय नहीं हुआ तो वह भी वर्ल्ड कप का बहिष्कार कर देगा। हालांकि, जैसे ही बांग्लादेश को बाहर का रास्ता दिखाया गया, पाकिस्तान के सुर रातों-रात बदल गए और उसने अगले ही दिन अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। अब पाकिस्तान की इस 'दोहरी चाल' की सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा हो रही है कि आखिर वर्ल्ड कप और करोड़ों की कमाई के सामने उनकी सहानुभूति कहां गायब हो गई। अब नई रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान सीधे तौर पर वर्ल्ड कप का बहिष्कार तो नहीं करेगा, लेकिन वह 'साइलेंट प्रोटेस्ट' के जरिए अपना विरोध दर्ज कराएगा।

पीसीबी जल्द ही आईसीसी को एक आधिकारिक पत्र भेजने वाला है, जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश के साथ हुई कार्रवाई के विरोध में पाकिस्तानी खिलाड़ी हर मैच में काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरेंगे। पाकिस्तान इस वर्ल्ड कप का उद्घाटन मैच नीदरलैंड के खिलाफ कोलंबो में खेलने जा रहा है, जिसे दर्शक सुबह 11:00 बजे से लाइव देख सकेंगे। अब देखना यह होगा कि पाकिस्तान की इस 'काली पट्टी' वाली सियासत पर आईसीसी क्या कड़ा रुख अपनाता है।

बांग्लादेश का दोहरा चरित्र उजागर: एनआरएआई ने की पुष्टि- वहां के निशानेबाज भारत आएंगे, क्रिकेट में मचाया था बवाल

ढाका, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर भारत में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप से अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को दूर रखने वाला बांग्लादेश अब अपने ही फैसले पर सवालों के घेरे में आ गया है। वजह यह है कि उसी सरकार ने अगले महीने भारत में होने वाली एशियाई राइफल और पिस्टल चैंपियनशिप के लिए अपने निशानेबाजों को भारत आने की अनुमति दे दी है। टी20 विश्व कप सात फरवरी से आठ मार्च के बीच भारत और श्रीलंका के विभिन्न स्थलों पर खेला जाना है, जबकि निशानेबाजी की यह प्रतिष्ठित एशियाई प्रतियोगिता दो से 14 फरवरी तक नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में आयोजित होगी।

इस प्रतियोगिता में 17 देशों के 300 से अधिक निशानेबाज हिस्सा लेंगे। बांग्लादेश की ओर से दो राइफल निशानेबाज इस टूर्नामेंट में उतरेंगे, जो कुल तीन स्पर्धाओं में भाग लेंगे। इनमें व्यक्तिगत मुकाबलों के साथ-साथ मिश्रित टीम स्पर्धा भी शामिल है। बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व महिला निशानेबाज शर्मिन अख्तर और 26 वर्षीय ओलंपियन मोहम्मद रोबिउल इस्लाम करेंगे। दोनों 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में व्यक्तिगत और मिक्स्ड टीम इवेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इसकी पुष्टि बांग्लादेश शूटिंग फेडरेशन के महासचिव अलेया फिरदौसी ने की है।

क्रिकेट विश्व कप से बांग्लादेश के हटने के बाद यह अटकलें तेज थीं कि सुरक्षा कारणों का हवाला देकर उसकी निशानेबाजी टीम भी भारत आने से इनकार कर सकती है। हालांकि भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने इन अटकलों को खारिज कर दिया। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने साफ शब्दों में कहा, 'अब तक ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि बांग्लादेश की टीम नहीं आ रही है। उनकी टीम आ रही है, इसमें कोई संदेह नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'एनआरएआई के तौर पर हम उनके (बांग्लादेश महासंघ के अधिकारियों) साथ लगातार संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय ने अपनी मंजूरी दे दी है और हमने वीजा प्रक्रिया के लिए इसे (भारतीय) दूतावास को भेज दिया है।'

जसप्रीत बुमराह लगातार क्यों पिट रहे हैं?

पिछले 12 महीनों का प्रदर्शन बहुत कुछ कहता है

खेल डेस्क, 29 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के लिए जसप्रीत बुमराह मतलब मैच विनर. वो जो भारत के विरोधियों के स्कोर बोर्ड पर नकेल कसता है. मगर क्या बुमराह की ये पहचान अब भी कायम है? क्या उनकी धार पहले से कमजोर नहीं पड़ी है? क्या बुमराह लगातार पिट नहीं रहे हैं? पिछले 2 महीने के अंदर ही बुमराह 4 बार बुरी तरह से पिटते दिखे हैं. वो भी डेथओवर्स में खासकर, जहां के तो वो स्पेशलिस्ट माने जाते हैं. सवाल है कि इस तरह से गुमराह दिख रहे बुमराह की वजह क्या है? इसके अलावा उनका पिछले 12 महीनों का प्रदर्शन भी है, जो बहुत कुछ कहता दिखता है.

टी20 इंटरनेशनल में जसप्रीत बुमराह की पिटाई में आई तेजी की वजह की सबसे बड़ी वजह उनका इंजरी से जूझना हो सकता है. बुमराह जो थे और बुमराह जो अब हैं, उनके बीच इंजरी की लकीर खींच गई है. बुमराह ने इंजरी से कमबैक जोरदार किया था मगर जो बुमराह पहले बल्लेबाजों की पकड़ से दूर होते थे, वो अब उन्हें समझ में आने लगे हैं.

बुमराह की टी20 इंटरनेशनल में हाल के दिनों में किस तरह से पिटाई हुई है, उसका पता 2 महीने के अंदर उनके साथ जो हुआ, उससे भी चलता है. इस दौरान 4 बार ऐसा देखने को मिला जब बुमराह ने एक ही ओवर 15 या उससे ज्यादा रन लुटाए. चौथी बार तो बुमराह के साथ ऐसा होता 28 जनवरी 2026 की शाम वाइजैग में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले T20 में ही दिखा. बुमराह को डेथ ओवर्स स्पेशलिस्ट माना जाता है. लेकिन, जैसे ही वो इस मैच में 19वां ओवर डालने आए, उनकी उस ओवर में जमकर पिटाई हो गई. उन्होंने उस ओवर में 19 रन लुटा दिए, जो कि उनके T20 इंटरनेशनल करियर का दूसरा सबसे महंगा ओवर भी बन गया.

न्यूजीलैंड के खिलाफ वाइजैग टी20 के दौरान एक ओवर में 19 रन लुटाने वाले बुमराह ने इसी सीरीज के पहले मैच में जब डेथ ओवर्स में18वां ओवर डालने तो 15 रन लुटा दिए. मतलब एक ही सीरीज में उन्होंने दो बार 15 या उससे ज्यादा रन डेथ ओवर्स में डाले एक ही ओवर में लुटा दिए.

ऑस्ट्रेलिया की नई कप्तानी बनीं मोलिन्यू, भारत के खिलाफ टीम का ऐलान

मेलबर्न, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के नए कप्तान का ऐलान हो चुका है. ऑलराउंडर सोफी मोलिन्यू टीम की नई कप्तान होंगी. इस रोल में सोफी, एलिसा हीली की जगह लेंगी, जिन्होंने हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने संन्यास का ऐलान किया है. नए कप्तान के नाम पर मुहर लगाने के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के सेलेक्टर्स ने भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए टीम का भी ऐलान कर दिया है. सोफी मोलिन्यू , भारत के खिलाफ होने वाली T20 सीरीज में टीम की कमान संभालेंगी. वहीं वनडे और टेस्ट में वो इस सीरीज के बाद कप्तानी की बागडोर संभाल लेंगी. भारत की महिला क्रिकेट टीम को 3 T20, 3 वनडे और 1 टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है. भारतीय टीम के इस दौरे पर खेले जाने वाले वनडे और टेस्ट मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ही होंगी, जिनकी इंटरनेशनल क्रिकेट में ये आखिरी सीरीज होगी.

एश्ले गार्डनर और ताहिला मैक्ग्रा को टी20 सीरीज में सोफी मोलिन्यू की डिप्टी यानी कि ऑस्ट्रेलियाई टीम का उप-कप्तान चुना गया है. वहीं वनडे और टेस्ट में सोफी ही एलिसा हीली की डिप्टी के रोल में दिखेंगी. डब्ल्यूपीएल 2026 से इंजरी के चलते बाहर हुआ फोबे लिचफील्ड को ऑस्ट्रेलिया की तीनों टीमों में जगह मिली है.

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम बनाम भारत

सोफी मोलिन्यू (कप्तान), एश्ले गार्डनर (उप-कप्तान), ताहिला मैक्ग्रा (उप-कप्तान), डर्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम ग्राथ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिसा पेरी, मेगान शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वॉल, जॉर्जिया वारेहम

ऑस्ट्रेलिया की ओडीआई टीम बनाम भारत

एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिन्यू (उप-कप्तान), डर्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एश्ले गार्डनर, अलाना किंग, किम ग्राथ, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहिला मैक्ग्रा, एलिसा पेरी, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वॉल, जॉर्जिया वारेहम

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम बनाम भारत

एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिन्यू (उप-कप्तान), डर्सी ब्राउन, लूसी हैमिल्टन, एश्ले गार्डनर, अलाना किंग, किम ग्राथ, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहिला मैक्ग्रा, एलिसा पेरी, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वॉल, जॉर्जिया वारेहम

सीपीएल में खेलने पर देश की टीम से हुआ था बाहर

अब मैच फिक्सिंग करने पर आईसीसी ने किया सस्पेंड

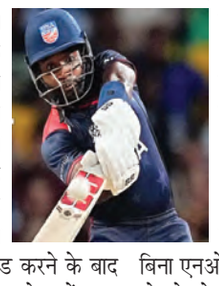

वाशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम के ऐलान से पहले यूएसए को बड़ा झटका लगा है. ये झटका उसे एरोन जोंस के चलते लगा है, जिन्हें आईसीसी ने तत्काल प्रभाव से क्रिकेट के सभी फॉर्म में खेलने से सस्पेंड कर दिया है. एरोन जोंस पर 5 बार क्रिकेट के नियमों की हदें लांघकर फिक्सिंग करने का आरोप है. आईसीसी ने जोंस को सस्पेंड करने के बाद उनसे 14 दिन के अंदर जवाब भी मांगा है. एरोन जोंस पर फिक्सिंग के अलावा कथित अपराध की जांच में सहयोग न करने और संबंधित जानकारी अधिकारियों को न देने का भी आरोप लगाया गया है. आईसीसी ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका के खिलाड़ी एरोन जोंस पर 5 आरोप लगाए गए हैं. उन पर लगे मुख्य आरोप 2023-24 के बीआईएम 10 टूर्नामेंट से जुड़े हैं, जो क्रिकेट वेस्टइंडीज की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के अधिकार क्षेत्र में आता है, वहीं दो आरोप इंटरनेशनल मैचों से संबंधित हैं, जो आईसीसी संहिता के तहत आते हैं. आईसीसी ने कहा कि जोंस को तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से सस्पेंड किया गया है.

आईसीसी का सस्पेंशन झलने वाले एरोन जोंस पहले भी विवादों में रह चुके हैं. साल 2024 में बिना एनओसी के कैरेबियन प्रीमियर लीग यानी सीपीएल में खेलने को लेकर आरोन जोंस को यूएसए की क्रिकेट टीम से बाहर कर दिया गया था. जोंस उस लीग में सेंट लूसिया किंग्स के लिए लोकल प्लेयर के तौर पर खेले थे. माना गया था कि उससे नाराज होकर ही यूएसए क्रिकेट बोर्ड ने उस साल सितंबर में नामीबिया दौरे पर डब्ल्यूसीएल-2 के मुकाबलों के लिए दौरा करने वाली टीम में उन्हें जगह नहीं दी थी.

छह साल का आयुष बनेगा सबसे युवा आर्मलेस तीरंदाज, बुलंदशहर का नाम करेगा रोशन

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महज पांच वर्ष की उम्र में करंट लगने से अपने दोनों हाथ गंवाने वाले आयुष का कोई स्कूल दाखिला लेने के लिए तैयार नहीं था। ड्राइवर पिता ने जब अपनी कंपनी की अधिकारी से बेटे का दाखिला कराने की गुहार लगाई, तो उन्होंने कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड तीरंदाजी अकादमी से संपर्क साधा। इस अधिकारी के सामने बिना भुजाओं की तीरंदाज शीतल देवी का उदाहरण था। आयुष को कटरा ले जाया गया। वहां आयुष की पढ़ाई के साथ तीरंदाजी का प्रशिक्षण शुरू हुआ। महज सात माह में आयुष 30 जनवरी से एनआईएस पटियाला में शुरू हो रही राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खेलने जा रहा है। कोच कुलदीप का दावा है, आयुष दुनिया का सबसे युवा बिना हाथों (आर्मलेस) का तीरंदाज है। आयुष ने कहा, वह पदक जीतने की पूरी कोशिश करेगा। लगा था 11,000 वोल्ट का करंट : बुलंदशहर के भुन्ना जट्टां गांव के आयुष ने कहा कि वह चाचा के यहां गया था, जहां उसे 11,000 वोल्ट का करंट लग गया था। आयुष राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में खेलने वाला दुनिया का सबसे युवा तीरंदाज भी बनेगा। वह कंधे व पैर के सहारे निशाना लगाता है। उसने 360 में से 297 का स्कोर किया है। हाथों के बिना अभिशाप बन चुके जीवन में माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड तीरंदाजी अकादमी ने सपनों के रंग भरने का काम किया है। कुछ वर्ष पूर्व बिना बाजुओं की तीरंदाज शीतल देवी को सामने वाले लाने वाले कोच कुलदीप वेदवान और अभिलाषा चौधरी के दम पर इस बार राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में बिना हाथों के पांच तीरंदाज शिरकत करने जा रहे हैं। यह पहली बार है जब एनआईएस पटियाला में 30 जनवरी से शुरू हो रही राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में बिना बाजुओं के पांच तीरंदाज भाग ले रहे हैं। पैरा ओलंपिक पदक जीतने वाले शीतल देवी, बिना बाजुओं और बिना पैरों की तीरंदाज पायल नाग, छह साल के आयुष, सेना में कार्यरत 39 साल के मनोज यादव और 42 वर्षीय सौरभ पाठक के हौंसलों की उड़ान इस बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दिखाई देगी।

आयुष इस चैंपियनशिप में खेलने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के बिना हाथों के तीरंदाज होंगे। कुलदीप बताते हैं कि आयुष के ड्राइवर पिता की गुरुग्राम स्थित कंपनी में अधिकारी ने जब उनसे संपर्क साधा तो उन्होंने उसे तीरंदाजी सिखाने के लिए तुरंत हामी भर दी।

स्वच्छ हवा के बिना सच्चा विकास संभव नहीं : भट्टी

> विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को महत्व देना आवश्यक

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि स्वच्छ हवा के बिना सच्चा विकास संभव नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए तेलंगाना सरकार स्पष्ट दृष्टिकोण और वैज्ञानिक पद्धति के साथ आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पूरा मंत्रिमंडल हैदराबाद और पूरे राज्य के लोगों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ कार्य कर रहा है।

वे गुरुवार को मार्री चेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान में राज्य योजना विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'वायु गुणवत्ता सूचकांक और वायु गुणवत्ता प्रबंधन' विषयक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि इस सम्मेलन का स्पष्ट और व्यापक उद्देश्य स्वस्थ तेलंगाना के लिए स्वच्छ हवा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, आज तेलंगाना देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में से एक है। हैदराबाद आईटी, जीवन विज्ञान, विनिर्माण और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनकर उभरा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है, लेकिन इसके साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ती है। विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक-दूसरे के विरूद्ध नहीं रखा जा सकता, बल्कि दोनों को साथ-साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने बताया कि सतत विकास के माध्यम से तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के संकल्प के साथ सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। साथ ही जलाशयों के पुनर्जीवन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि स्वच्छ हवा के बिना विकास वास्तविक प्रगति नहीं, बल्कि भविष्य में होने वाले नुकसान को टालने जैसा है।

उन्होंने कहा, वायु गुणवत्ता केवल पर्यावरणीय संकेतक नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, उत्पादकता और आर्थिक संकेतक भी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रस्तुतियों से सामने आया है कि कुछ क्षेत्रों में उद्योग लगभग 32 प्रतिशत वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं। कणीय पदार्थों को नियंत्रित किया जा रहा है, लेकिन वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (वीओसी) जैसे प्रदूषकों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भट्टी विक्रमार्क ने जीतमेतला औद्योगिक क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि जो उद्योग पहले शहर के बाहरी इलाकों में थे, वे अब आवासीय क्षेत्रों के बीच आ गए हैं। आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर कई औद्योगिक क्षेत्रों में भी ऐसी ही स्थिति है, जो सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा, आवासीय क्षेत्रों में औद्योगिक दुर्घटनाएं बड़े आपदाओं में बदल सकती हैं। इसलिए औद्योगिक पुनर्गठन, जोनिंग सुधार और भूमि उपयोग की बेहतर योजना पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। प्रदूषण संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए दो जीएचएमसी ज़ोन में विशेष प्रतिक्रिया टीमों का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा और परिणामों के आधार पर इसे पूरे राज्य में विस्तारित किया जाएगा।

जातरा व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए ज़मीन पर डटे मंत्री अदलुरी

मंत्रियों ने स्वयं बाइक चलाकर हर गली और रास्ते का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सम्मक्का-सरलम्मा जातरा के अवसर पर जनजातीय कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने गुरुवार को मेडाराम में व्यापक क्षेत्रीय दौरा किया। जनजातीय आत्मसम्मान के प्रतीक इस भव्य उत्सव में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंत्री ने श्रद्धालुओं के बीच रहकर जातरा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। बाद में, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ मिलकर उन्होंने जंपन्ना वागु से लेकर मुख्य जातरा स्थल तक क्षेत्र का दौरा किया और पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सेवाएं, सुरक्षा तथा पैदल मार्गों जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मंत्रियों ने स्वयं बाइक चलाकर हर गली और रास्ते का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रोटोकॉल की सीमाएं तोड़ते हुए आम श्रद्धालुओं की तरह लोगों से बातचीत की और जंपन्ना धारा पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। जहां आवश्यक था, वहां संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अब तक 80 लाख श्रद्धालुओं ने मेडारम में दर्शन किए : पोंगुलेटी

सड़कों के कारण आवागमन काफी सुगम : सीतक्का

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मेडाराम सम्मक्का-सरलम्मा महाजातरा में श्रद्धालुओं की संख्या अभूतपूर्व रूप से बढ़ रही है। गुरुवार को मेडारम में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने बताया कि अब तक लगभग 80 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं और अधिकारियों का अनुमान है कि सम्मक्का के आगमन तक यह संख्या एक करोड़ से अधिक हो सकती है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के अलावा आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ जैसे पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेडाराम पहुंच रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सरकार लगातार सभी व्यवस्थाओं की निगरानी कर रही है। मंत्री ने बताया कि मेडारम जातरा के स्थायी विकास के लिए 29 एकड़ भूमि का अधिग्रहण पहले ही किया जा चुका है और अतिरिक्त 41 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि कुल लगभग 70 एकड़ क्षेत्र में स्थायी बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा, जिसमें स्थायी कॉटेज, फंक्शन हॉल तथा अधिक शौचालय और स्नानागार बनाए जाएंगे। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि दक्षिण भारत के कुंभ मेले के रूप में प्रसिद्ध मेडाराम जातरा के महत्व को और बढ़ाने के लिए सरकार ने बसारा से भद्राचलम तक 2,500 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर सर्किट के निर्माण की शुरूआत की है। उन्होंने घोषणा की कि मेडारम मंदिर को गोदावरी नदी बेसिन के प्रमुख मंदिरों के विकास परियोजना में भी शामिल किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि मेडारम क्षेत्र के लिए एक व्यापक मास्टर प्लान पहले ही तैयार किया जा चुका है, जिसके तहत आंतरिक सड़कों का विकास, इको-पार्कों की स्थापना और पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इस अवसर पर पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने कहा कि पहले संकरी सड़कों के कारण कठिनाइयां होती थीं, लेकिन इस बार चार-लेन सड़कों के कारण आवागमन काफी सुगम हो गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में स्थायी पेयजल व्यवस्था और बड़ी संख्या में स्थायी शौचालयों का निर्माण आवश्यक है। भीषण गर्मी को देखते हुए मेडारम में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने का निर्णय लिया गया है।

भट्टी ने मेडारम मंदिर में दर्शन किए

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार को अपने परिवार के सदस्यों के साथ मेडारम मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार ने मेडाराम जातरा के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से सुरक्षित दर्शन कर घर लौटने की अपील की और देवी-देवताओं के आशीर्वाद से सभी के लिए मंगलकामनाएं कीं। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी उनके साथ मौजूद थे।

हार्वर्ड में रेवंत रेड्डी ने भारतीय छात्रों से की बातचीत

> विकास में सहयोग का आह्वान

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे भारतीय छात्रों से भारत और तेलंगाना के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है।

वह इन दिनों हार्वर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित छह दिवसीय नेतृत्व कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। गुरुवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अपनी कक्षाएं और असाइनमेंट पूरे करने के बाद हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के भारतीय छात्रों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने छात्रों के करियर पथ, उनकी चुनौतियों और विभिन्न पेशेवर विषयों पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने सफलता से जुड़े अपने अनुभव और मंत्र भी साझा किए।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के 'तेलंगाना राइजिंग 2047' विजन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने नेटवर्क और प्रतिभा के माध्यम से भारत के विकास में योगदान दें। उन्होंने छात्रों से हैदराबाद और तेलंगाना की संभावनाओं को दुनिया तक पहुंचाने में ब्रांड एंबेसडर की भूमिका निभाने का भी आह्वान किया। गौरतलब है कि ए. रेवंत रेड्डी ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के कैनेडी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में '21वीं सदी में नेतृत्व' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में नामांकन लिया है, जो 25 से 30 जनवरी तक चल रहा है।

युवक की पीट-पीटकर हत्या

मेदक, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के वेल्दुर्थी मंडल स्थित बंदामीधी पल्ली गांव में बुधवार देर रात एक युवक की अज्ञात बदमाशों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के समय गांव के लोग गहरी नींद में सो रहे थे। मृतक की पहचान 37 वर्षीय बालेश के रूप में हुई है, जो उसी गांव का निवासी था। परिजनों के अनुसार, सुबह उन्होंने बालेश को खून से लथपथ हालत में पाया, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रामायम्पेट के सरकारी अस्पताल भेज दिया।

फ्लेमिंगो एयरोस्पेस और यूएसी के बीच छह क्षेत्रीय विमानों की खरीद का समझौता

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फ्लेमिंगो एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड और यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) के बीच छह 68-सीटर आईएल-114-300 क्षेत्रीय विमानों की खरीद के लिए समझौता हुआ है। इस साझेदारी के तहत भविष्य में भारत में ही विमानों का पूर्ण निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी और विमानन क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। विंग्स इंडिया 2026 के दौरान शुरू किया गया यह सहयोग भारत की बढ़ती क्षेत्रीय कनेक्टिविटी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक चरणबद्ध विमान कार्यक्रम की शुरूआत है। पहले चरण में छह विमानों की खरीद की जाएगी, जबकि बाजार की मांग और परिचालन स्थिति के आधार पर भविष्य में इस संख्या को बढ़ाने का प्रावधान रखा गया है। समझौते के तहत यूएसी ने फ्लेमिंगो एयरोस्पेस को भारत में विमानन क्षमताओं के विकास के लिए एक सहयोगी ढांचा और विस्तृत रोडमैप प्रदान किया है। इससे कंपनी को विमान असेंबली, कस्टमाइजेशन, रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) जैसी गतिविधियां चरणबद्ध तरीके से शुरू करने में मदद मिलेगी।

स्टेरॉयड इंजेक्शन की अवैध बिक्री करने वाला आरोपी गिरफ्तार

> इंजेक्शन लेने वालों को योग्य चिकित्सकों से परामर्श लेने की सलाह

हैदराबाद , 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट ज़ोन टीम, हैदराबाद ने बॉडी बिल्डिंग में उपयोग किए जाने वाले स्टेरॉयड इंजेक्शन की अवैध खरीद और बिक्री में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 लाख 20 हजार मूल्य की स्टेरॉयड इंजेक्शन और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी जिम ट्रेनर राशिद मतलूब खान निवासी, नटराज नगर, झिर्रा, हैदराबाद को मेफेंटर्मिन सल्फेट इंजेक्शन की 100 शीशियों के साथ पकड़ा गया। आरोपी राशिद मतलूब खान अत्तापुर पुलिस स्टेशन के अपराध संख्या 102/2026 (धारा 123, 125, 318(4), सहपठित 3(5) बीएनएस) में फरार चल रहा था। आरोपी के विरुद्ध अपराध संख्या 256/2024, धारा 131 बीएनएस, 118(1) बीएनएस, सहपठित 62, 61(2) व 3(5) बीएनएस - थाना आबिड्स रोड , अपराध संख्या 86/2024, धारा 420, 336 आईपीसी - थाना टप्पाचबूतरा में पहले भी मामले दर्ज है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पहले जिम ट्रेनर के रूप में कार्य करता था। आर्थिक कठिनाइयों के चलते उसने युवाओं को त्वरित मांसपेशी विकास का लालच देकर स्टेरॉयड इंजेक्शन की अवैध बिक्री की योजना बनाई। वह बिना किसी वैध लाइसेंस या डॉक्टर के पर्चे के, ऊँची कीमतों पर इन इंजेक्शनों को बेचकर अवैध रूप से धन अर्जित कर रहा था। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट ज़ोन टीम ने नटराज नगर, झिर्रा क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपी को स्टेरॉयड इंजेक्शन शीशियों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने ये स्टेरॉयड इंजेक्शन सूरत स्थित कूरियर के माध्यम से अपनी पत्नी फरज़ाना बेगम के नाम पर मंगवाए थे और बाद में ग्राहकों को बेच रहा था। पुलिस ने बताया कि स्टेरॉयड इंजेक्शन वर्तमान में युवाओं के बीच तेज़ी से मांसपेशी बढ़ाने और निम्न रक्तचाप के उपचार के नाम पर काफी माँग में हैं।

अपर पुलिस उपायुक्त , कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट ज़ोन एवं साउथ वेस्ट ज़ोन टीमें, हैदराबाद सिटी एमडी इक़बाल सिद्दीकी ने बताया कि त्वरित परिणाम की चाह में युवा वर्ग इसकी लत का शिकार हो रहा है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ और बीमारियाँ उत्पन्न हो रही हैं। बिना अनुमति, वैध लाइसेंस या चिकित्सकीय परामर्श के इन दवाओं की बिक्री कर आरोपी ने जनस्वास्थ्य को खतरे में डाला है। जिन लोगों ने इन स्टेरॉयड इंजेक्शनों का सेवन किया था।

भारतीय रिज़र्व बैंक,
हैदराबाद

निविदा सूचना

विजिटिंग ऑफिसर्स फ्लैट/ट्रांजिट हॉलिडे होम/मेडिकल फ्लैट्स/खाली सिंगल रूम अकोमोडेशन में रखरखाव, हाउसकीपिंग और कैटरिंग सेवाओं के लिए अनुबंध

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद, बैंक रेड हिल्स, अमीरपेट और बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित बैंक के क्वार्टरों में विजिटिंग ऑफिसर्स फ्लैट/ ट्रांजिट हॉलिडे होम/ मेडिकल फ्लैट्स/खाली सिंगल रूम अकोमोडेशन के रखरखाव, हाउसकीपिंग और खानपान सेवाओं के वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करता है। ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **10 मार्च 2026 अपराह्न 05.00 बजे** तक है।

ई-निविदा प्रक्रिया, नियम और शर्तों और समय अनुसूची संबंधी विवरण के लिए हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर **"निविदाएं" लिंक देखें**। इस निविदा के संबंध में कोई भी संशोधन/शुद्धिपत्र/स्पष्टीकरण केवल भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट/एमएसटीसी पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाता को किसी भी संशोधन/शुद्धिपत्र/स्पष्टीकरण के लिए उपरोक्त वेबसाइट/ई-पोर्टल को नियमित रूप से देखते रहना चाहिए। बैंक किसी भी निविदा को कोई कारण बताए बिना अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्रीय निदेशक, तेलंगाना

कंटेनर टक्कर में एक की जलकर मौत

अमरावती, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में गुरुवार तड़के दो ट्रक कंटेनरों की टक्कर में एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। यह हादसा काठीपुड़ी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 216 पर हुआ। पुलिस के अनुसार, भीमावरम से मुलापेटा जा रहा एक कंटेनर काठीपुड़ी जंक्शन पर मुड़ रहा था, तभी कोलकाता से चेन्नई जा रहा कपास के बंडलों से लदा एक अन्य कंटेनर उससे टकरा गया। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई।

आग की चपेट में आने से कपास लदे ट्रक के चालक कमाल शेख (43) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। इसी जिले में रायदुपालेम के पास एक अन्य हादसे में ट्रक की टक्कर से एक लड़की की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए।

फोन टैपिंग मामले में केसीआर को नोटिस पर हरीश राव का विरोध

> राजनीतिक बदले का आरोप

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधानसभा पार्टी के उपनेता टी. हरीश राव ने कथित फोन टैपिंग मामले में पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को नोटिस जारी किए जाने पर विशेष जांच दल (एसआईटी) की कड़ी निंदा की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई कानून के तहत नहीं, बल्कि राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। हरीश राव ने केसीआर को तेलंगाना का निर्माता और लाखों लोगों द्वारा सम्मानित नेता बताते हुए कहा कि उन्हें निशाना बनाना न केवल अपमानजनक है, बल्कि राज्य के आत्मसम्मान पर सीधा हमला भी है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वे कांग्रेस सरकार की विफलताओं और सिंगारेनी कोयला घोटाले व माइक्रो ब्रुअरीज लाइसेंस घोटाले जैसे मामलों से ध्यान भटकाने के लिए केसीआर की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने एसआईटी की कार्रवाई के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नगरपालिका चुनावों से पहले कांग्रेस की हताशा को दर्शाता है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष को परेशान करने और जनता का ध्यान शासन से जुड़े मुद्दों से हटाने के लिए कर रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सत्ता और अहंकार दोनों स्थायी नहीं होते और जोर देकर कहा कि तेलंगाना की जनता केसीआर के साथ खड़ी रहेगी तथा कांग्रेस सरकार के इस कदम का राजनीतिक रूप से जवाब दिया जाएगा।

3 दिवसीय वार्षिक गांधारी मैसम्मा जातरा की तैयारियां पूरी

मंचेरियल, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंडामारी मंडल के बोक्कालागुट्टा गांव के बाहरी इलाके में स्थित ऐतिहासिक गांधारी किले में शुक्रवार से रविवार तक तीन दिवसीय वार्षिक गांधारी मैसम्मा जतारा आयोजित किया जाएगा। यह मेला नाइकपोड समुदाय और रोड्डा कबीले के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है।

एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए)-उटनूर और नाइकपोड समुदाय के नेताओं ने बताया कि मेले के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत तैयारियां की गई हैं। अस्थायी शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए मंच की व्यवस्था की गई है। राज्य भर और पड़ोसी महाराष्ट्र से रोड्डा कबीले के सदस्य हिंदू महीने माघ की पूर्णिमा के तीसरे दिन किले में जमा होंगे और देवता की पूजा करेंगे। शुक्रवार को मैसम्मा पूजा से पहले पोचम्मा और भीमन्ना देवियों की पूजा के लिए गोदावरी नदी से जल लाया जाएगा। शनिवार रात को पारंपरिक नृत्य शैली थप्पेटगुल्लू-पिल्लनग्रोवी में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। आदिवासी देवी की पूजा करने के लिए श्रद्धालु मुर्गियां और बकरियां अर्पित करेंगे। आदिवासियों की शिकायतों का निवारण करने के लिए रविवार को दरबार भी लगाया जाएगा।

नूर खान बाजार में पुरुष-स्त्री संदिग्ध परिस्थितियों में पाए गए मृत

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार दोपहर को पुराने शहर के मिचौक पुलिस थाना क्षेत्र के नूर खान बाजार में एक पुरुष और एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, शकील नामक व्यक्ति और महिला, दोनों लगभग 60 वर्ष के थे, और कई वर्षों से नूर खान बाजार में स्थित एक इमारत के एक हिस्से में किराए पर रह रहे थे। जब पुरुष घर से बाहर नहीं निकला और कमरों से दुर्गंध आने लगी, तो संपत्ति मालिक ने पुलिस को सूचना दी।

मिचौक पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण तोड़कर प्रवेश किया। अंदर दो व्यक्ति अलग-अलग जगहों पर मृत पाए गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.